शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 143 | गुवाहाटी | बुधवार, 14 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

छह सड़क दुर्घटनाओं में दो मरे, छह घायल — पेज 3
श्री अरविंदो का जीवन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का प्रतिबिंब है: मोदी — पेज 4
ट्रिपल इंजन की सरकार से होगा ब्रज का संपूर्ण विकास : योगी — पेज 5
आठ माह में पंजाब बना गैंगलैंड, गुजरात के बाद अब पंजाब में सत्ता की बारी : रुपाणी — पेज 8

तवांग में सुखोई-30 लड़ाकू विमान तैनात

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के सैनिकों के बीच संघर्ष देखने को मिला है। इसमें दोनों पक्षों के कई सैनिक घायल हो गए। हालांकि, हालिया संघर्ष से पहले चीनी ड्रोन ने अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) में घुसपैठ की कोशिश की थी। जिसके बाद भारतीय सेना की ओर से किसी भी उल्लंघन को रोकने के लिए लड़ाकू विमानों को तैनात करना पड़ा। दरअसल, चीन की तरफ से बार-बार तवांग में घुसपैठ करने की कोशिश की गई है। हालांकि, चीनी पक्ष की घुसपैठ की कोशिश को भारतीय सेना द्वारा नाकाम किया गया है। पिछले कुछ हफ्तों में दो-तीन बार ऐसे मौके आए, जब चीनी ड्रोन ने हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। जिसके बाद सीमा पर भारत द्वारा लड़ाकू विमानों की तैनाती की गई। रक्षा सूत्रों ने बताया कि वायु उल्लंघन के खतरे से निपटने के लिए सुखोई-30 एमकेआई विमानों को संघर्ष करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना पूर्वोत्तर में एलएसी पर चीनी ड्रोन गतिविधियों पर कड़ी नजर रखती है। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों को रोकने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए, क्योंकि ड्रोन या किसी भी विमान को हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। सूत्रों ने कहा कि अगर ड्रोन एलएसी के समानांतर उड़ते हैं तो भारतीय पक्ष को इससे कोई समस्या नहीं है, लेकिन अगर विमान या ड्रोन भारतीय क्षेत्र की ओर उड़ने वाले राडार में आता है, तो किसी भी उल्लंघन को रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। सूत्रों के अनुसार, भारतीय वायु सेना की पूर्वोत्तर में मजबूत उपस्थिति है और असम के तेजपुर और छाबुआ सहित कई स्थानों पर सुखोई-30 लड़ाकू विमान तैनात हैं। इसके अलावा राफेल लड़ाकू विमानों को पश्चिम बंगाल के हाशिमारा में तैनात किया गया है। बता दें कि भारतीय वायु सेना ने असम क्षेत्र में एस-400 वायु रक्षा प्रणाली के परिचालन के साथ ही इस क्षेत्र में अपनी वायु रक्षा कवरेज को भी मजबूत किया है। यह प्रणाली लगभग पूरे क्षेत्र में किसी भी हवाई खतरे का ध्यान रख सकती है।

सब ठीक है, नियंत्रण में है : लेफ्टिनेंट जनरल

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प के कुछ दिनों बाद सेना के एडजुटेंट जनरल लेफ्टिनेंट जनरल सी बी पोनप्पा ने मंगलवार को कहा कि सब कुछ ठीक है और नियंत्रण में है। भारतीय सेना ने सोमवार को कहा था कि नौ दिसंबर को झड़प होने के कारण दोनों पक्षों के कुछ कर्मियों को मामूली चोटें आईं। झड़प के बाद की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर लेफ्टिनेंट जनरल पोनप्पा ने एक कार्यक्रम से इतर कहा कि सब ठीक है और नियंत्रण में है। हम सब सुरक्षित हैं। उन्होंने सलवान पब्लिक स्कूल के वार्षिक समारोह *सम्मान दिवस* में छात्रों को संबोधित किया। ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले भारतीय सेना के जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लेफ्टिनेंट जनरल पोनप्पा ने छात्रों से कहा कि सेना प्रमुख की ओर से आप सभी के साथ जुड़ना मेरे -शेष पृष्ठ दो पर

चीन ने विवाद का ठीकरा भारतीय सेना पर फोड़ा

नई दिल्ली (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में भारतीय सैनिकों के साथ हुई झड़प को लेकर चीन की सेना ने विवाद का ठीकरा भारतीय सेना पर फोड़ा है। चीनी सेना ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में आरोप लगाया है कि भारतीय सेना के जवानों ने अवैध तरीके से विवादित सीमा पार की, जिसकी वजह से झड़प शुरू हुई। इससे पहले चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से सिर्फ इतना बताया गया था कि क्षेत्र में स्थिति *स्थिर* है। चीन ने भारत को संयुक्त रूप से बॉर्डर इलाकों में शांति बहाल करने की सलाह भी दी है। चीनी सेना के वरिष्ठ अधिकारी और सीपीएलए के वेस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता लॉन्ग शाओहुआ ने एक बयान में आरोप लगाया कि भारतीय सैनिकों ने अवैध ढंग से सीमा पार करके चीनी सैनिकों के काम में रुकावट डालने की कोशिश की, जिसकी वजह से विवाद बड़ा। उन्होंने कहा कि 9 दिसंबर को सीमा पार करके आये भारतीय सैनिकों ने रूटीन पेट्रोलिंग कर रहे चीनी सैनिकों के काम में बाधा डाली, जिसके बाद यह झड़प शुरू हो गई। हमने पेशेवर तरीके से मानकों के तहत मजबूत जवाबी कार्रवाई की, जिसकी वजह से सीमा पर हालात सामान्य हो गए हैं। चीन ने भारत को सलाह दी है कि सीमा पर तैनात अपने सैनिकों को सख्ती के साथ नियंत्रित करने के साथ ही चीन के साथ मिलकर बॉर्डर इलाकों में शांति बहाल करे। इससे पहले चीन के विदेश मंत्रालय की ओर से इस झड़प को लेकर आधिकारिक बयान जारी किया था। चीन की ओर से इस बयान में सिर्फ इतना बताया गया था कि क्षेत्र में स्थिति *स्थिर* है। बयान में चीन की ओर से अपने सैनिकों के घायल होने की कोई जानकारी नहीं दी गई थी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

हमारे सैनिकों ने मुंहतोड़ जवाब दिया : रक्षामंत्री

नई दिल्ली। भारत और चीनी सेना के बीच हुई झड़प के मुद्दे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज लोकसभा और राज्यसभा में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि नौ दिसंबर 2022 को पीएलए गुट (चीनी सेना) ने तवांग सेक्टर के यांग्त्से क्षेत्र में, एलएसी पर अतिक्रमण कर यथास्थिति को एकतरफा बदलने का प्रयास किया। चीन के इस प्रयास का हमारी सेना ने दृढ़ता के साथ सामना किया। इस झड़प में दोनों तरफ से हाथापाई भी हुई। भारतीय सेना ने बहादुरी दिखाते हुए चीन के सैनिकों को अतिक्रमण करने से रोका और वापस लौटने पर मजबूर किया। कुछ ही देर में हमारे सैनिकों ने चीनी सैनिकों को खदेड़ दिया। इस दौरान हमारे किसी भी सैनिक की न तो मृत्यु हुई है, न ही कोई गंभीर रूप से घायल हुआ है। अधिकारियों के दखल के बाद पीएलए सैनिक वापस लौट गए। 11 दिसंबर को भारत के स्थानीय सैन्य अधिकारी ने पीएलए के अधिकारी के साथ बैठक की और इस घटना पर चर्चा की। उन्हें सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए कहा गया है। मैं इस सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारी सेनाएं भारत की अखंडता के लिए प्रतिबद्ध हैं और इसके खिलाफ कोई भी प्रयास को रोकने के लिए तत्पर हैं। मुझे विश्वास है कि यह सदन भारत की सेना को समर्थन देगा और उसकी क्षमता और पराक्रम का अभिनंदन करेगा। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीनी सैनिकों के बीच झड़प के मुद्दे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी जो कि अब समाप्त हो गई है। इस बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेना प्रमुख रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को घटना के बारे में विस्तार से -शेष पृष्ठ दो पर

घायल जवान गुवाहाटी सैन्य अस्पताल में भर्ती

गुवाहाटी/इटानगर। अरूणाचल प्रदेश के तवांग में 9 दिसंबर को चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के साथ हुई झड़प के दौरान घायल हुए भारतीय सेना के 6 जवानों को एयरलिफ्ट कर गुवाहाटी के वशिष्ठ स्थित सेना के 151 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने बताया कि घायल जवानों को नौ दिसंबर की दोपहर तवांग से एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए गुवाहाटी लाया गया। बता दें कि भारतीय और चीनी सैनिक के बीच नौ दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर झड़प हुई थी। प्राप्त रिपोर्ट में इस दौरान दोनों देशों के जवान घायल हुए थे। पीएलए के सैनिकों ने नौ दिसंबर को तवांग सेक्टर में एलएसी को पार किया। इस दौरान भारतीय सैनिकों ने दृढ़ता और -शेष पृष्ठ दो पर

सीमाओं पर बढ़ानी होगी विकास की गति : सुब्रत साहा

गुवाहाटी। अरुणाचल प्रदेश सीमा पर लगातार हालात बदल रहे हैं। चीन ने ऐसी हरकत पहली बार नहीं की है। हमारी सेना हर हालात से निपटना जानती है। लेकिन जिस तरह की घटना इस बार तवांग घाटी में हुई, इससे पहले कभी नहीं हुई थी। बात धक्का-मुक्की से आगे बढ़ चुकी है। अगर चीन को माकूल जवाब देना है, तो पूर्वोत्तर की सीमाओं पर -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सत्य भी यदि अनुचित है तो उसे नहीं कहना चाहिए।
- **आचार्य चाणक्य**

लाइट ए होम प्रोजेक्ट ने 760 गांवों में 3,000 घरों को कवर किया है : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के श्री श्री ग्रामीण विकास कार्यक्रम ट्रस्ट द्वारा डिमा हसाउ और कार्बी आंग्लांग जिलों के लिए अपने *लाइट ए होम प्रोजेक्ट* के तहत दान किए गए 2,000 वाटर-प्रूफ सोलर लाइट्स ले जाने वाले एक ट्रक को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाई। असम सचिवालय परिसर में औपचारिक रूप से झंडी दिखाने के लिए उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के नेतृत्व वाले आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री 18 को आएंगे शिलांग

शिलांग (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 18 दिसंबर को शिलांग में पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेंगे। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री (डोनर) गंगापुरम किशन रेड्डी, पूर्वोत्तर राज्यों के सभी राज्यपाल, पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्री और संबंधित विभागों के कई शीर्ष केंद्रीय और राज्य अधिकारी इसमें उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री का उसी दिन त्रिपुरा जाने का भी कार्यक्रम है। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के सांग्मा ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आईआईएम-शिलांग में -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मेघालय सीमा : पांचों मृतकों के परिजनों को ममता ने सौंपा पांच लाख का चेक

शिलांग (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने असम-मेघालय सीमा पर पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिला (असम) के मुकरोह गांव में 22 नवंबर को पुलिस गोलीबारी में मारे गए पांच लोगों के परिजनों को पांच लाख रुपए का चेक सौंपा। ममता के साथ पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी, मेघालय राज्य टीएमसी पर्यवेक्षक मानस भुईयां, मेघालय विधानसभा में विपक्ष के नेता मुकुल सांग्मा और टीएमसी के प्रदेश अध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

गुजरात मंत्रिमंडल : चार के खिलाफ आपराधिक मामले, 16 करोड़पति

अहमदाबाद। गुजरात में एक बार फिर से बनीं नई नवगठित भाजपा सरकार के 17 में से चार मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाली एडीआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित कम से कम 16 मंत्री करोड़पति हैं, या उनके पास एक करोड़ रुपए या उससे अधिक की संपत्ति है। गुजरात विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रचंड जीत के बाद सोमवार को नए मंत्रिपरिषद -शेष पृष्ठ दो पर

युवाओं के धूम्रपान पर आजीवन प्रतिबंध, उल्लंघन पर जुर्माना

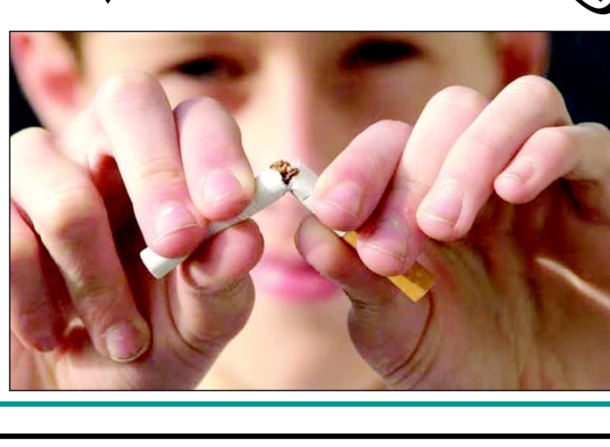

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में अब युवाओं के धूम्रपान करने पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी है। इसको लेकर सरकार ने मंगलवार को संसद में में कानून पारित किया है, जिसके लागू होने के बाद न्यूजीलैंड की आने वाली पीढ़ियों (2009 के बाद जन्मे) को तंबाकू खरीदने पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। वहीं सरकार के मुताबिक यह दुनिया में सबसे सख्त कानूनों में से एक है। नए कानूनों के तहत 1 जनवरी, 2009 या उसके बाद पैदा हुए किसी भी व्यक्ति को तंबाकू बेचने पर प्रतिबंध शामिल है। अगर कोई इसका उल्लंघन करता पाया जाता है तो उस पर रु150,000 (95,910) तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त व्यक्ति के पूरे जीवन के लिए धूम्रपान प्रतिबंध लागू रहेगा। इस देश ने अगली पीढ़ी के लिए धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाने के लिए दुनिया -शेष पृष्ठ दो पर

असम और दिल्ली से चलती है मेघालय की सरकार : ममता बनर्जी

शिलांग। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने शिलांग दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को मेघालय के मुख्यमंत्री कोरनाड सांग्मा सरकार पर तीखा हमला बोला। ममता ने कहा कि मेघालय की सरकार असम और दिल्ली से चलती है। यहां के मुख्यमंत्री अपने लोगों की बात तक दिल्ली पहुंचा नहीं सकते। उनको वही काम करना पड़ता है, जो दिल्ली और पड़ोसी राज्य असम के हुक्मरान कहते हैं। वे स्टेट सेंट्रल लाइब्रेरी में आयोजित कार्यक्रम -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम के आबकारी मंत्री का इस्तीफा

एजल (हि.स.)। मिजोरम के आबकारी और नारकोटिक्स (आबकारी और नारकोटिक्स) मंत्री के. बिछुआ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री जोरामथांगा को अपना इस्तीफा भेज दिया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास से बाहर आने के बाद मीडिया से बात करते हुए के. बिछुआ ने कहा कि मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने उन्हें जल्द ही मंत्रिमंडल फेरबदल के मद्देनजर पद से इस्तीफा देने के लिए कहा था। इसलिए मंगलवार को उन्होंने मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उल्लेखनीय है कि जोरामथांगा विधानसभा चुनाव से एक साल पहले अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल करना चाहते हैं।

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

DOB CORRECTION

Subhash Kumar Suman, S/o Ramdeo Prasad Yadav, R/O- Dumariya, P.O. - Parasmani, Dhamdaha, Dist.- Purnia, Bihar, Pin 854306, service No. 16115859N Hav/Clk (SD) Subhash Kumar Suman of Garrison Engineer (South), Tezpur, Pin-901217, C/O- 99 APO, that SAGUN SUMAN is my daughter and her DOB is wrongly recorded as 24-08-2013 instead of correct DOB is 24-08-2014. Vide affidavit before the Notary Public Tezpur on 12/12/2022

भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिन : 16 को जयपुर में होगा संगीत समारोह

जयपुर (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व कम्यूनिकेशन सेल के चीफ जयराम रमेश ने मंगलवार को सवाईमाधोपुर में कहा कि 16 दिसंबर को भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिन पूरे हो जाएंगे। इस उपलक्ष्य में जयपुर में भारत जोड़ो संगीत समारोह कांसर्ट में राहुल गांधी भाग लेंगे। इससे पहले राहुल दौसा में 45 मिनट मीडियाकर्मियों से रूबरू होंगे। पत्रकारों से बातचीत में जयराम रमेश ने कहा कि पिछले सौ दिनों में राहुल गांधी की दौसा में 16 दिसंबर को आठवीं प्रेस कांफ्रेंस होगी। इसके बाद शाम को वे जयपुर में संगीत कांसर्ट में भाग लेंगे, जिसकी मुख्य गायिका सुनिधि चौहान होंगी। उन्होंने बताया कि 19 दिसंबर को राहुल गांधी की अलवर में विशाल पब्लिक रैली होगी। उन्होंने यह भी बताया कि भारत जोड़ो यात्रा में महिला शक्ति के बाद अब राहुल गांधी राजस्थान के 30 दलित प्रतिनिधियों से मिलेंगे और दलित समाज से जुड़ी चर्चाएं की जाएंगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने राजस्थान की सरकार से बेहतर कदम उठाने की बात की है। जयराम रमेश ने कहा कि राज्य के अमरूद उत्पादन में सवाई माधोपुर की 65 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके बावजूद यहां कोई प्लांट नहीं है। इस ओर भी उनका ध्यानाकर्षण किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा इसीलिए निकाली जा रही है ताकि जो भी सुझाव जनता के फायदे के लिए होंगे, उसे अविलंब दूर किया जाएगा। भारत जोड़ो यात्रा का मकसद ही यही है कि जनता के सुझाव जो भी आते हैं उस पर सोचते हैं, विचार करते हैं और उस पर जहां हमारी सरकार है, वहां कार्रवाई करवाते हैं। जहां हमारी सरकार नहीं है, वहां कैम्पेन चलाएंगे, आंदोलन करेंगे। एक अन्य सवाल के जवाब में जयराम रमेश ने कहा कि जो भी सुझाव लोगों से मिले, उनमें राज्य सरकार की ओर से उठाए गए कई अच्छे कदम में बदलाव के भी हैं ऐसे सुझाव आने चाहिए, जानकारी होनी चाहिए सभी लोगों में। इस अवसर पर विधायक दानिश अबरार सहित अनेक ने अपनी बात कही। जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी ने कॉर्नर मीटिंग में राजस्थान की ईस्टर्न कैनाल परियोजना की बात कही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कई बार वादा कर चुके है लेकिन अभी भी केंद्र सरकार की ओर से आपत्तियां जतायी जा रही हैं। इसके बावजूद राज्य सरकार इस प्रोजेक्ट को लागू करना चाह रही है। जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह जो राजस्थान के होने के बावजूद गोल-गोल जवाब देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा सांसद नीरज डांगी भी तीन-चार बार सवाल उठा चुके हैं। पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि संविदाकर्मियों के लिए कैडर बना दिया गया है। उनको नियमित करने की दिशा में सकारात्मक पहल की गई है। पहले हटा दिया जाता था, तनख्वाह बढ़े या नहीं, ऐसी समस्याओं को दूर करते हुए नियम बना दिए गए हैं ताकि किसी भी परेशानी का सामना संविदाकर्मियों को नहीं करना पड़े।

शाह ने प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी हंगामें की निंदा की

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी हंगामें की निंदा करते हुए कहा कि प्रश्नसूची में राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) के विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) लाइसेंस को रद्द करने के संबंध में सवाल होने के नाते कांग्रेस चिंतित थी, इस कारण ही सदन में हंगामा किया गया। शाह ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा अगर विपक्षी सदस्य अनुमति देते तो वे सदन को बताते राजीव गांधी फाउंडेशन को 2005-2007 के दौरान चीनी दूतावास से 1.35 करोड़ रुपए का अनुदान मिला, जो एफसीआरए के अनुसार उचित नहीं था। इसी कारण नियमानुसार गृह मंत्रालय ने अपना रजिस्ट्रेशन रद्द किया था। केंद्रीय गृहमंत्री ने आगे कहा कि संसदीय कार्यमंत्री ने पहले ही स्पष्ट कर दिया कि तवांग की घटना पर रक्षामंत्री बयान देंगे। उन्होंने कहा कि दुश्मनों ने एक इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं किया है। झड़प के समय जवानों ने वीरता दिखाई है। चीनी सेना के साथ झड़प की घटना पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आज एक अहम बैठक की। इस बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के भी मौजूद होने की चर्चा है। बताया जा रहा कि इस बैठक में तीनों सेना के प्रमुख भी शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि भारतीय और चीनी सैनिकों की अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट एक स्थान पर गत नौ दिसंबर को झड़प हुई, जिससे दोनों पक्षों के कुछ जवान मामूली रूप से घायल हो गए।

संसद हमले की बरसी पर सतर्क रहे जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बल

जम्मू (हि.स.)। संसद हमले की 21वीं बरसी पर किसी बड़े आतंकी हमले की आशंका को देखते हुए पूरे प्रदेश में सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा है। सुरक्षा बलों के सभी शिविरों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान की सुरक्षा को बड़ा दी गई है। सभी सुरक्षा एजेंसियों को अगले 24 घंटे तक अलर्ट रहने को कहा गया है। इसी बीच जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है। राजमार्ग तथा जम्मू शहर में भी जगह-जगह नाके लगाकर संदिग्धों की तलाशी ली जा रही है। सुरक्षाबलों के पास आज के दिन किसी आईईडी विस्फोट जैसी घटना को अंजाम देकर सुरक्षा बलों और आम जनता को नुकसान पहुंचाने का इनपुट है। सूत्रों के अनुसार कश्मीर में अधिकांश कमांडरों के मारे जाने तथा सहयोगियों के नेटवर्क तकरीबन समाप्त होते देख आतंकी संगठन घाटी में सक्रिय आतंकियों तथा सहयोगियों पर दबाब बना रहे हैं। कश्मीर घाटी में सुरक्षाबलों ने अपनी गश्त बड़ा दी है और सभी महत्वपूर्ण स्थानों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। नई दिल्ली में संसद भवन पर 13 दिसंबर, 2001 को जैश-ए-मोहम्मद के पांच आतंकियों ने हमला किया था। इस हमले में सुरक्षाकर्मियों समेत नौ लोग शहीद हुए थे, जवाबी कार्रवाई में पांचों आतंकी मारे गए थे। हमले का मास्टरमाइंड गाजी बाबा अगस्त, 2003 में दाना मजार श्रीनगर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारा गया था। हमले की साजिश में अहम भूमिका निभाने वाले अफजल गुरु को नौ फरवरी, 2013 को तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी।

सोनारी के डिप्लिंग चाय बागान में श्रमिकों ने किया विरोध प्रदर्शन

चराईदेव (हि.स.)। चराईदेव जिला मुख्यालय सोनारी के डिप्लिंग चाय बागान में अपनी बकाया मजदूरी की मांग को लेकर चाय श्रमिकों ने प्रदर्शन किया। लंबे समय से मजदूरी नहीं मिलने तथा भविष्य निधि का पैसा शीघ्र जारी करने की मांग को लेकर चाय श्रमिकों ने सोमवार को लगभग तीन घंटे तक धरना देते हुए प्रदर्शन किया। आंदोलन का आयोजन डिप्लिंग और डूरिबाम चाय मजदूर यूनियन और श्रमिकों के सहयोग के लिए असम चाय मजदूर यूनियन की सोनारी शाखा ने संयुक्त रूप से किया था। इस बीच, चाय श्रमिक असम चाय निगम के अधिन डिप्लिंग चाय बागान को पट्टे पर देने का भी चाय श्रमिकों ने विरोध किया। तीन घंटे के धरना के बाद सभी मजदूर अपने काम पर वापस लौट गए। इस संबंध में चाय बागान प्रबंधन की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है।

सड़क हादसे में एक की मौत

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। कार्बी आंग्लांग जिला के बोकाजान में राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर मंगलवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि नगालैंड के डिमापुर से तुली की ओर जा रही स्विफ्ट डिजायर कार (एनएल-07सी-6091) बरनेउरिया में सड़क के किनारे पलट गई। वाहन में दो बच्चों सहित कुल पांच व्यक्ति सवार थे।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बलिदानी वीरों की शृंखला प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

इटानगर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने पासीघाट के तालोम रुक्बो नगर के दोनी-पोलो विद्या निकेतन में अरुणाचल प्रदेश में 1962 भारत-चीन युद्ध के नायकों और अरुणाचल के वीर नायकों सहित बलिदानी वीरों की शृंखला से संबंधित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य वी. भगैया और अरुणाचल प्रदेश प्रांत कार्यवाह निदो सकतेर भी उपस्थित रहे। यह प्रदर्शनी भारतीय सैनिकों की वीरता की कहानियों का संग्रह है। इनका संकलन ग्रुप कैप्टन मोहंतो पैंगिंग पाओ वीएम (सेवानिवृत्त) ने किया है। इस युद्ध में कई सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए थे। सोमवार को उद्घाटित इस प्रदर्शनी में पहुंचकर एक परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र पुरस्कार विजेताओं के बारे में जाना-समझा जा सकता है। प्रदर्शनी में गुमनाम नायकों को भी स्थान दिया गया है। इसके अलावा अरुणाचल के उन नायकों के बारे में भी जानकारी मिलती है, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर में राष्ट्र विरोधी तत्वों से लड़ाई लड़ी। उनमें से कुछ शहीद हुए और अशोक चक्र, कीर्ति चक्र, सेना पदक आदि जैसे वीरता पुरस्कारों से सम्मानित हुए। सरसंघचालक डॉ. भागवत सोमवार से चार दिवसीय दौरे पर पासीघाट पहुंचे हैं।

पृष्ठ एक का शेष

सब ठीक है, नियंत्रण...

लिए सौभाग्य की बात है। हम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। आज हमारे उन सैनिकों को सम्मानित करने का अवसर है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। इस कार्यक्रम में सलवान एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) संजीव शुक्ला ने कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि चीनी सेना के साथ सीमा पर क्या हुआ, इसलिए हमारे सेना प्रमुख तय कार्यक्रम के बावजूद यहां नहीं आ सके। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों ने चीनी सेना को करारा जवाब दिया है। शुक्ला ने कहा कि हमने उन्हें उस जमीन से खदेड़ दिया, जिसे वे हड़पना चाहते थे। सीमाओं पर हमारे सबसे बहादुर सैनिक हैं और जब तक वे वहां हैं, तब तक हम चैन से सो सकते हैं।

चीन ने विवाद का...

चीन और भारत बॉर्डर पर मौजूदा हालात स्थिर हैं। दोनों ही पक्ष सीमा से जुड़े मुद्दों पर कूटनीतिक और मिलिट्री के जरिए खुली वार्ता करते आ रहे हैं। इधर, भारत की ओर से आज ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में बयान देकर भारतीय सैनिकों की पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा कि हमारे बहादुर सैनिकों ने पीएलए को हमारे क्षेत्र में घुसपैठ करने से रोका। उन्हें अपनी चौकियों पर लौटने के लिए मजबूर किया। रक्षा मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि इस झड़प में हमारा कोई सैनिक शहीद नहीं हुआ है और न ही कोई गंभीर रूप से घायल हुआ है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 09 दिसंबर को पीएलए के सैनिकों ने तवांग सेक्टर के यांग्त्से क्षेत्र में एलएसी को पार करने और यथास्थिति को एकतरफा बदलने की कोशिश की। उधर चीन की मीडिया में अब तक सैनिकों की झड़प की खबर गायब है। सिर्फ चीन के ग्लोबल टाइम्स अखबार के अंग्रेजी एडिशन के संपादक हू शिजिन का चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में शिजिन ने भारत-चीन के सैनिकों की झड़प और किसी की जान न जाने की बात कही है।

हमारे सैनिकों ने ...

जानकारी दी। वहीं आज इस मुद्दे पर संसद में हंगामे के भी आसार हैं। कांग्रेस ने जहां प्रधानमंत्री मोदी से जवाब की मांग कर रही है वहीं विपक्ष के कई सांसदों ने सस्पेंशन ऑफ बिजनेस नोटिस दिया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एलएसी पर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों का जमावड़ा 9 दिसंबर को देखा गया था। भारतीय सेना के जवानों ने चीनी सेना को वहां से हटने के लिए कहा और दृढ़ता से उन्हें आगे बढ़ने से रोका। इसके बाद हुई झड़प में दोनों पक्षों के सैनिकों को चोटें आईं। झड़प के तत्काल बाद दोनों पक्ष अपने इलाकों में लौट गए। बताया जा रहा है कि चीनी सैनिकों की तरफ से अचानक हुए इस हमले का मुहंतोड़ जवाब दिया गया। जहां भारत की तरफ से 20 सैनिक जख्मी हुए, वहीं चीन के घायल सैनिकों का आंकड़ा लगभग दोगुने से भी ज्यादा बताया जा रहा है। घटना के बाद भारत के स्थानीय कमांडर ने चीनी पक्ष के कमांडर के साथ फ्लैग मीटिंग की और पहले से तय व्यवस्था के तहत शांति और स्थिरता कायम करने पर चर्चा की। सेना के सूत्रों ने बताया कि तवांग में एलएसी के कुछ इलाके ऐसे हैं जहां दोनों ही पक्ष अपना दावा करते हैं और यहां दोनों देशों के सैनिक गश्त करते हैं। यह ट्रेंड 2006 से चल रहा है।

घायल जवान गुवाहाटी ...

दृढ़ तरीके से उनका मुकाबला किया। इस आमने-सामने की लड़ाई में दोनों पक्षों के कुछ कर्मियों को मामूली चोटें आईं। इसके बाद दोनों पक्ष तुरंत पीछे हट गए। बता दें कि पूर्वी लद्दाख में झड़प के बाद भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच यह पहली कथित झड़प है।

सीमाओं पर बढ़ानी ...

विकास की गति को तेज करना होगा। अमर उजाला से खास बातचीत में यह बात लेफ्टिनेंट जनरल (रि.) और रक्षा विशेषज्ञ डॉ. सुब्रत साहा ने कही। साहा ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में आज भी बहुत सी जगह ऐसी हैं, जहां आज तक सड़क नहीं पहुंची हैं। जहां यह घटना घटी, वास्तव में हम वहां पर बिल्कुल मैकमोहन लाइन पर बैठे हैं। आज भी हमें वहां पहुंचने के लिए तीन से साढ़े तीन घंटे की पैदल यात्रा करनी पड़ती है। एक सवाल के जवाब में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य साहा ने कहा कि यह समझने की जरूरत है कि पूर्वी लद्दाख के मुकाबले यहां के हालात और यहां की स्थिति में काफी अंतर है। सरकार जितनी जल्दी यहां पर सड़कों का जाल बिछाएगी, हमारे लिए उतना बेहतर होगा। सरकार को प्राथमिकता के आधार पर सीमावर्ती गांवों के विकास की ओर ध्यान देना चाहिए। उनको यह विश्वास होना चाहिए कि किसी भी स्थिति में उनको अपना गांव छोड़ने की जरूरत नहीं है। हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में काम काफी हुआ है लेकिन अभी इस पर तेजी से काम करने की जरूरत है।

लाइट ए होम प्रोजेक्ट...

प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने पिछले साल सितंबर में काजीरंगा में आयोजित असम सरकार के चिंतन शिविर कार्यक्रम को संबोधित करने के लिए राज्य की अपनी यात्रा के दौरान कार्बी आंग्लांग और डिमा हसाउ के दो जिलों के लिए सौर रोशनी प्रदान करने की अपनी उत्सुकता व्यक्त की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की इस पहल से देश के विभिन्न गांवों में स्थित कई परिवार पहले से ही लाभान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि 2013 से आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की लाइट ए होम प्रोजेक्ट ने देश के 760 गांवों में लगभग 3,000 घरों को कवर किया है। उन्होंने कहा कि इस नेक पहल को अधिक से अधिक प्रदर्शित और प्रचार सुनिश्चित करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उल्लेखनीय है कि आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन द्वारा आज दान की गई सौर रोशनी को दो पहाड़ी जिलों के आंतरिक हिस्सों में रहने वाले आदिवासी समुदायों के बीच वितरित किया जाएगा। इन सोलर लाइट सिस्टम के जरिए मोबाइल फोन चार्ज करने का भी विकल्प है। आज के कार्यक्रम में असम के मंत्री जोगेन महन, यूजी ब्रह्म, संजय किसन, पीयूष हजारिका, नंदिता गार्लोसा, मुख्य सचिव पबन कुमार बरठाकुर और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री 18 को ...

आयोजित होने वाले एनईसी की स्वर्ण जयंती के अवसर पर 18 दिसंबर को होने वाले कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। प्रधानमंत्री केवल तीन घंटे के लिए यहां आएंगे। उल्लेखनीय है कि पूर्वोत्तर के विकास के लिए 1972 में इस परिषद का अलग से गठन किया गया था। 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार नॉर्थ-ईस्ट काउंसिल की बैठक में हिस्सा लेने आए थे। इससे पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई आए थे। इन दोनों प्रधानमंत्रियों के अलावा किसी अन्य प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर परिषद की किसी बैठक या कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से भाग नहीं लिया है। एक अन्य सूत्र ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का उसी दिन (18 दिसंबर) त्रिपुरा जाने का कार्यक्रम है।

असम-मेघालय सीमा ...

चार्ल्स पिंगरोप मौजूद थे। ममता बनर्जी ने अभिषेक बनर्जी और राज्य के नेताओं के साथ मंगलवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्य केंद्रीय पुस्तकालय यू सोसो थाम ऑडिटोरियम में पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने थोड़ी देर मृतकों के परिजनों से बात कर सहानुभूति व्यक्त की और मृतक परिजनों को 5 लाख रुपए का चेक सौंपा। वहां मौजूद पत्रकारों से बात करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मानवता की खातिर मृतकों के परिवारों को बहुत कम वित्तीय सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि भाजपा नीत असम सरकार की पुलिस ने जिस तरह निर्दोष ग्रामीणों पर अंधाधुंध गोलियां चलाई, उसमें पांच-पांच लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए, इसकी निंदा करने के लिए कोई भाषा नहीं है। निर्दोष लोगों की मौत बहुत दुखद है। उन्होंने कहा कि मुझे यहां जो सम्मान मिल रहा है, उससे मैं अभिभूत हूं। मेघालय में टीएमसी का सफर शुरू हो चुका है। टीएमसी के नेतृत्व में आने वाले दिनों में मेघालय तेजी से प्रगति करेगा।

युवाओं के धूम्रपान...

का पहला कानून पारित किया है। न्यूजीलैंड में पारित हुए इस कानून के मुताबिक, धूम्रपान के लिए उपयोग होने वाले तंबाकू उत्पादों में निकोटीन की मात्रा को भी कम करेगा वहीं तंबाकू बेचने में सक्षम खुदरा विक्रेताओं की संख्या में 90 फीसदी की कटौती करेगा। एसोसिएट स्वास्थ्य मंत्री डॉ आयशा वेराल ने एक बयान में कहा कि यह कानून धूम्रपान मुक्त भविष्य की दिशा में प्रगति को गति देगा। उन्होंने कहा कि कानून के पारित होने के बाद हजारों लोग लंबे समय तक जीवित रहेंगे, स्वस्थ जीवन और स्वास्थ्य प्रणाली बेहतर होगी क्योंकि धूम्रपान के कारण होने वाली बीमारियों, जैसे कि कई प्रकार के कैंसर, दिल के दौरे, स्ट्रोक, जिनका इलाज भी काफी महंगा और पुख्ता नहीं है, इसमें काफी कुछ अच्छा देखने को मिलेगा। तंबाकू बेचने के लिए लाइसेंस प्राप्त खुदरा विक्रेताओं की संख्या 2023 के अंत तक 6,000 से घटाकर 600 कर दी जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड 2025 तक देश को धूम्रपान मुक्त बनाने के लिए धूम्रपान विरोधी कानूनों को और कड़ा कर रहा है। बता दें कि केवल भूटान में 2010 में सिगरेट की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसी तरह न्यूजीलैंड में में धूम्रपान विरोधी सख्त कानून होंगे। न्यूजीलैंड में धूम्रपान करने वाले वयस्क लोगों की संख्या पिछले एक दशक में आधे से गिरकर आठ फीसदी हो गई, जिसमें पिछले वर्ष 56,000 लोगों ने धूम्रपान छोड़ दिया। ओईसीडी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2021 में 25 फीसदी फ्रांसीसी वयस्क धूम्रपान करते हैं। हालांकि, इस कानून को लेकर संसद में कुछ सांसदों ने विरोध किया। उन्होंने कानून की निंदा करते हुए कहा कि यह छोटी दुकानों को खत्म कर देगा और लोगों को काला बाजार में जाने के लिए मजबूर करेगा।

असम और दिल्ली...

को संबोधित कर रही थीं। कार्यकर्ताओं को संबोधित करने से पहले वे मुकरो घटना में मारे गए लोगों के परिजनों से भी मिलीं और पांच-पांच लाख रुपए की सहायता राशि दी। इस दौरान उनके साथ तृणमूल कांग्रेस से महासचवि और सांसद अभिषेक बनर्जी और मेघालय टीएमसी के अध्यक्ष मुकुल सांग्मा भी मौजूद थे। ममता ने कहा, चुनाव में आपको राजनीतिक पार्टियां पैसों का लालच देंगी। भाजपा या कोई अन्य दल अगर आपको पैसा दे तो ले लेना, क्योंकि ये आपके पैसे हैं, लेकिन वोट तृणमूल कांग्रेस को देना। उन्होंने कहा कि मेघालय के विकास के लिए आपको ऐसी पार्टी को चुनना है जो आपके हक की लड़ाई लड़े। इस समय जो सरकार है, वह अपने लोगों की लड़ाई लड़ने में असफल है। उन्होंने यह कहते हुए तृणमूल कांग्रेस ने बाहरी पार्टी के आरोपों की हवा निकाल दी कि रविंद्र नाथ टैगोर और बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा लिखे गए गाने देश की शान हैं। क्या कभी पूछा कि वे कहां से थे। सुभाष चंद्र बोस कहां के थे, जिन्होंने जयहिंद का नारा दिया। तृणमूल कांग्रेस बंगाल की नहीं, बल्कि एक सर्वभारतीय पार्टी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली दूर है और कोलकाता पास है। अगर कुछ भी होगा तो आप लोग बंगाल आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए तैयारी शुरू कर दीजिए, फरवरी में मेघालय में नया सूरज उगेगा। बैठक को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि यहां की सरकार के पास अपने लोगों की समस्याएं हल करने की ताकत नहीं है। सरकार ने अपना जमीर दिल्ली के पास गिरवी रख दिया है। यहां के लोगों को छाती में गोली मारी जा रही है, लेकिन सरकार जांच आयोग बनाकर चुपचाप बैठी है। उन्होंने कहा कि आप तृणमूल को वोट देकर विजयी बनाएं, हम आपकी लड़ाई लड़ेंगे।

गुजरात मंत्रिमंडल : चार ...

ने शपथ ली। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, मत्स्य पालन और पशुपालन राज्य मंत्री पुरुषोत्तम सोलंकी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 के तहत धोखाधड़ी के दो आरोप हैं, धारा 467 के तहत *महत्वपूर्ण सुरक्षा की जालसाजी* का एक आरोप है, जबकि धारा 465 के तहत भी जालसाजी का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक, तीन अन्य मंत्रियों – हर्ष सांघवी, ऋषिकेश पटेल और राघवजी पटेल – पर आईपीसी की धारा 188 के तहत लोक सेवक के आदेश की अवज्ञा करने और धारा 500 के तहत मानहानि जैसे मामूली आरोप हैं। एडीआर ने कहा कि यह रिपोर्ट विधायकों के शपथपत्रों पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, सर्वाधिक घोषित संपत्ति वाले मंत्री बलवंत सिंह राजपूत हैं। वह 372.65 करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक हैं। वहीं, बच्चूभाई खबाद के पास सबसे कम 92.85 लाख रुपए की संपत्ति है।

नैनीताल की निधि का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

नैनीताल (हि.स.)। उत्तरखंड के नैनीताल में जन्मी, पली-बढ़ी एवं पढ़ी और वर्तमान में गुजरात के अहमदाबाद में रहने वाली निधि साह का नाम *गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड* में शामिल किया गया है। उनके नाम यह उपलब्धि कोरोना काल में क्रोशिया कही जाने वाली हुक जैसी बुनाई की सीक से 4,686 टोपियां बनाने का रिकॉर्ड बनाने के लिए जुड़ी है। गुजरात के अहमदाबाद स्थित एनआईडी यानी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन की पूर्व छात्रा तथा एक कलाकार, डिजाइनर, कवि और दो बच्चों की मां निधि ने अहमदाबाद की अधिकांश गृहणी महिलाओं के एक संगठन *महिला मनोविकास* की लगभग 200 महिलाओं को कोरोना काल में क्रोशिया की टोपी बनाने और विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करने के लिए साथ लिया। इस दौरान सबने मिलकर 4,686 टोपियां बनाईं, जो कि अब तक प्रदर्शित की गई क्रोशिया से बनीं टोपियों की सबसे बढ़ी संख्या है। इन टोपियों को गत 18 सितंबर को विशाखापत्तनम में प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम ने निर्णायक के रूप में भाग लिया, और घोषणा की कि 4000 से अधिक क्रोशिया से हाथ से की बनी टोपियां एक साथ प्रदर्शित कर उन्होंने विश्व रिकॉर्ड बनाया है। निधि का कहना है कि जब कोरोना की महामारी के दौरान पूरी दुनिया घरों के अंदर सिमटने को मजबूर हो गई थी, तब उन्होंने 200 गृहणियों को साथ लेकर कुछ अलग करने की ठानी और क्रोशिया की मदद से हस्तनिर्मित टोपियां बनाने का कार्य शुरू किया। निधि का कहना है कि नैनीताल के पहाड़ों में उन्हें अपनी माँ और चाची से क्रोशिया और बुनाई की कला विरासत में मिली। बच्चों के रूप में वह अपनी मां और चाची को सर्दियों के दिनों में धूप सेंकते हुए क्रोशिया या सिलाइयों से बुनाई करते हुए देखते थे और उनसे सीखने की कोशिश भी करती थीं। लॉकडाउन ने उन्हें इस *विरासत* को फिर से देखने और पुनर्जीवित करने में मदद की।

श्रीरामपुर में लाखों का गांजा समेत ट्रक जब्त

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के गोसाईगांव महकमा में असम-बंगाल सीमा पर श्रीरामपुर में एक ट्रक से लाखों रुपए का गांजा बरामद किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया की बीती रात एक गुप्त सूचना के आधार पर शिमुलटापू पुलिस की एक टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग-31 (सी) पर एक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एक ट्रक (जेएच- 02यू-9606) जो पश्क्षिम बंगाल की तरफ जा रहा था उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान चालक के केबिन में बने गुप्त चैंबर से 44 पैकेट लगभग 400 किग्रा गांजा बरामद किया गया।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

यह असार संसार में, वीतराग भय पार।
रागी भोगी लम्पटी, बहें विषय जंग धार॥ 01॥

शब्दार्थ : (वीतराग) वैराग्यवान (रागी) भोग की इच्छा वाला (भोगी) करने वाला (लम्पटी) दुराचारी।

भाष्य : इस असार संसार को वैराग्यवान पुरुष ही पार करता है, अन्यथा संसार के विषय-प्रलोभी, रागी, दुश्चरित्रवान जन, माया के विषय-प्रवाह में वह जाते हैं।

आतम चेतन भिन्न जो, जड़ माया दुख आग।
आकर्षित सो राग है, उपरम सो वैराग॥ 02॥

शब्दार्थ : (आकर्षित) खींचा गया (उपरम) विषय-त्याग (वैराग) राग से रहित।

भाष्य : चेतन आत्मा से भिन्न जो त्रिताप दु:ख को प्राप्त करने वाली जड़ माया है, इसमें आकर्षण को राग और इनसे उपरम होने के वैराग्य कहते हैं।

छह सड़क दुर्घटनाओं में दो मरे, छह घायल

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के विभिन्न इलाकों में बीती रात हुई छह सड़क दुर्घटनाओं में 2 व्यक्तियों की मौत हो गई, जबकि 6 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। घटना के अनुसार बीती रात लखीमपुर जिला के बिहपुरिया में एक ट्रक ने बाइक (एएस-07टी-9672) को टक्कर मार दी जिसके चलते बाइक पर सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक समेत चालक फरार हो गया। घायल बाइक चालक की पहचान नलिनी माधव के रूप में हुई है, जबकि दूसरे घायल व्यक्ति की पहचान नहीं हो पायी है। वहीं, शिवसागर जिला के आमगुरी में बीती रात 12 बजे के आसपास आमगुड़ी के सामागुड़ी राजा मैदाम के सताईसिगा पुल के पास टाटा डीआई द्वारा ठोकर मारे जाने के चलते बाइक चालक रमेन चंद्र गोगोई की मौत हो गई। हादसे के बाद टाटा डीआई समेत चालक फरार हो गया। इसी बीच बीती रात शिवसागर जिला के जांजी में सिलेंडर लेकर जा रहे ट्रक (एएस-02सीसी-6524) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-61 के किनारे स्थित मइना गोगोई नामक एक व्यक्ति के होटल और स्कूटी को ठोकर मार दिया। बताया गया है कि हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी बीच ग्वालपाड़ा जिला के रंगजुली थानांतर्गत दरंगगिरी में बीती रात राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर रेत ले जा रहे डंपर और हुंडई कार के बीच आमने-सामने की टक्कर में कार में सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को किरान की मदद से क्षतिग्रस्त कार से दो घंटे की देरी के बाद बाहर निकाला गया। घायलों की पहचान मेंदी पथार निवासी राहुल शर्मा और संजय दास के रूप में हुई है। जबकि गोलाघाट जिलांतर्गत नुमलीगढ़ के लेटेकुजान में राष्ट्रीरय राजमार्ग-39 पर हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे एक बाइक (एएस-05आर-9183) समेत गंभीर रूप से घायल अवस्था में देख पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने घायल व्यक्ति को एनआरएल अस्पताल पहुंचाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल और मृतक की पहचान नहीं हो पायी है। कोलियाबर के उलुवनी में बीती रात टाटा डीआई (एएस-01एफसी-1347) और ट्रैक्टर के बीच हुई आमने-सामने की भिड़ंत के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई।

स्कार्पियो वाहन से पशुओं की तस्करी दो तस्कर गिरफ्तार

गोलाघाट (हि.स.)। राज्य में अवैध पशु तस्करी जारी है। अवैध पशुओं की तस्करी फिर से लग्जरी गाड़ियों में किए जाने का मामला सामने आया है। इस बार लक्जरी स्कार्पियो वाहन में अवैध तरीके से पांच पशुओं की तस्करी की जा रही थी। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया है कि बीती रात गोलाघाट जिला के बोकाखात पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारा और एक स्कार्पियो कार सहित पांच मवेशियों को जब्त करने में कामयाबी हासिल की। इस संबंध में दो तस्करों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बोकाखात पुलिस की छापामारी टीम ने एक स्कार्पियों वाहन (एएस-17डी-2717) को उस समय रोका जब अवैध रूप से मवेशियों को बोकाखात के नुमालीगढ़ से नगांव जिला के सामगुड़ी तक तस्करी की जा रही थी। बोकाखात पुलिस द्वारा स्कार्पियो की जांच की गई तो पता चला कि पांच पशुओं को वाहन के जरिए छुपाकर ले जाया जा रहा था।

जनजातिकरण की मांग पूरी नहीं हुई तो लोस चुनाव में अपना उम्मीदवार उतारने की कोच राजबंशी की हुंकार

कोकराझाड़ (हि.स.)। ऑस कोच राजबंशी छात्र संस्था (आक्रासू) ने 2024 में होने वाले चुनावों से पहले असम में रहने वाले कोच राजवंशी समुदाय को जनजातिकरण का दर्जा देने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर कोच राजबंशी समुदाय के सभी दल और संगठन चुनाव में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में अपना उम्मीदवार उतारने के लिए एक साथ आएंगे। मंगलवार को गोसाईगांव प्रेस क्लब में एक संवादाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आक्रासू के केंद्रीय महासचिव सुनाधर राय ने राज्य और केंद्र सरकार को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कोच राजबंशी समुदाय के विभिन्न पार्टी संगठन लंबे समय से असम में रहने वाले कोच राजबंशी समुदाय के जनजातिकरण की मांग को लेकर सरकार से मांग कर रहे हैं, लेकिन समुदाय की ज्वलंत समस्याओं का कोई समाधान नहीं हुआ है। इस दौरान उन्होंने सरकार के विरोध में एक विरोध कार्यक्रम की घोषणा भी आज की। आक्रासू पिछली कार्यकारिणी की बैठक में अपनाए गए कार्यक्रम के अनुसार 20 दिसंबर को प्रत्येक जिला में और 29 जनवरी को धुबड़ी जिला के शालकोचा में एक बड़ी जनसभा आयोजित की जाएगी। वहीं दूसरी ओर केएलओ द्वारा केएसी के प्रधान गोकुल बर्मन के बयान की कड़ी निंदा करने के बाद आक्रासू ने भी गोकुल बर्मन की टिप्पणी को हास्यास्पद और दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय महासचिव ने कहा कि स्वयं संघर्षशील नेता बनकर अपने जाति को असमिया से जोड़ना मूर्खता के अलावा और कुछ नहीं है। इतिहास में कोच राजबंशी की अपनी भाषा, संस्कृति और परंपरा होने के बावजूद असमिया कैसे है। उन्होंने कहा कि असमिया नामक कोई जाति नहीं है, बल्कि जो असम में रहते हैं वह असमिया हैं। अक्रासू नेता ने गोकुल बर्मन की टिप्पणी को जाति के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया और भविष्य में जिम्मेदार पदों पर रहकर सही बयान देने का आह्वान किया।

मानव तस्करी मामला : एक गिरफ्तार, पांच बच्चियां बचाई

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिलांतर्गत रंगापाड़ा क्षेत्र के आमलगा गांव और ताराझुली चाय बगान इलाके से कुल पांच नाबालिक लड़कियों को बहलाकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली ले जाने वाले मानव तस्कर भद्रा ओरांग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ओरांग मिसामारी स्थित कठालगुडी गांव का निवासी बताया गया है। रंगापाड़ा पुलिस ने इस संबंध में केश नं. 141/22-यू/एस 370 आईपीसी की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर सोमवार को तेजपुर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस संबंध में रंगापाड़ा थाना प्रभारी देबेन बोरा ने बताया कि पांच नाबालिक बच्चियों की गुमशुदगी को लेकर अभिभावकों ने सितंबर माह में रंगापाड़ा थाना में एक प्राथमिकता दर्ज करवाई थी। इसकी जांच पुलिस अधिकारी देबेन बोरा के नेतृत्व में एक टीम कर रही थी। एनजीओ द मिशन मुक्ति फाउंडेशन नई दिल्ली के डायरेक्टर बिजेंद्र कुमार और दिल्ली पुलिस के सहयोग से पांचों नाबालिक गुमशुदा बच्चियों को दिल्ली के गाजियाबाद, फरीदाबाद, दक्षिण और उत्तर दिल्ली आदि इलाको से बचाकर रंगापाड़ा लाया गया है। जानकारी अनुसार पांचों बच्चियों के बयान के अनुसार मानव तस्करी करने वाला भद्रा ओरांग को गिरफ्तार कर रंगापाड़ा पुलिस और अधिक जांच में जुटी हुई है। बच्चियों के अभिभावकों ने रंगापाड़ा पुलिस का आभार जताया है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। कार्बी आंग्लांग जिला के बोकाजान में राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर मंगलवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि नगालैंड के डिमापुर से तुली की ओर जा रही स्विफ्ट डिजायर कार (एनएल-07सी-6091) बरनेउरिया में सड़क के किनारे पलट गई। वाहन में दो बच्चों सहित कुल पांच व्यक्ति सवार थे। जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान लीमा तुची के रूप में हुई है। वह मिजोरम में असम राइफल्स में काम कर रहा था। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

धुबड़ी में डॉ. बाणिकांत काकोति बरुवा मेरिट अवार्ड वितरित

धुबड़ी (निसं)। धुबड़ी के भोलानाथ महाविद्यालय में आज एक अनुष्ठान में धुबड़ी जिले के अभिभावक मंत्री जयंत मल्ल बरुआ ने धुबड़ी जिला और दक्षिण सालमारा मनकाचार जिले में प्रज्ञान भारती योजना के अधीन डॉ. बाणिकांत काकती पुरस्कार प्रदान किया। उच्चतम माध्यमिक परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे भी अधिक अंक प्राप्त कर सफल छात्र-छात्राओं को एक स्कूटी दिया गया। धुबड़ी जिले में कुल 886 छात्र छात्राओं को इस उपहार के योग्य चयन किया गया जिसमें से 719 छात्र और 167 छात्राओं है। दक्षिण सलमारा मनकाचार जिले में 312 छात्र और 15 छात्राओं सहित कुल 327 को इस पुरस्कार के योग्य चयन किया गया। आज धुबड़ी

जिले के 13 और दक्षिण सलमारा मनकाचार जिले के 3 छात्रों को अनुष्ठानिकन रुप से मंत्री जयंत मल्ला बरुआ ने स्कूटी वितरण किया द्य आज इस अनुष्ठान में धुबड़ी जिला उपायुक्त दिवाकर नाथ गौरीपुर के विधायक मिजानुर रहमान बिलासिपारा पश्चिम के विधायक वसीम अहमद बिलासिपारा पूर्व के विधायक शमशुल हुदा सहित भोलानाथ महाविद्यालय के अध्यक्ष शिक्षक के अलावा जिला प्रशासन के अनेक अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम के मन की बात पर रिसर्च कर भूपेन कुमार चर्चा में

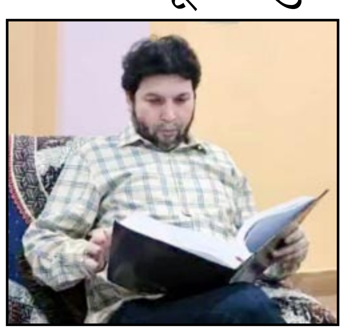

गुवाहाटी (हि.स.)। हर महीने के आखिरी रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात को अपने शोध का विषय बनाने वाले भूपेन कुमार चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। भूपेन गुवाहाटी के मालीगांव के रहने वाले हैं। मन की बात में प्रधानमंत्री देश के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों और सफलताओं पर चर्चा करते हैं। प्रधानमंत्री मन की बात में देशवासियों की कई महत्वपूर्ण सफलताओं की कहानियां और देश के विभिन्न हिस्सों के सकारात्मक घटनाओं पर प्रकाश डालने के साथ-साथ देश की सभ्यता, संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत के साथ परंपरा संरक्षण का संदेश देते हैं। भूपेन कुमार ने इस असाधारण विषय को शोध कार्य के लिए 2018 में चुना और राजस्थान के माधव विश्वविद्यालय में पंजीकरण कराया। उन्होंने हाल ही में शोधकार्य पूरा किया है। भूपेन कुमार इस विषय पर शोध करने वाले पहले व्यक्ति हैं। भूपेन कहते हैं- मैंने जब पहली बार मन की बात को सुना तो प्रधानमंत्री की शैली ने आकर्षित और प्रभावित किया। इसके बाद मैंने इस असाधारण कार्यक्रम के कई संस्करण सुने। मुझे लगा कि मन की बात पर शोध होना चाहिए और मैंने इस विषय पर पीएचडी करने का फैसला किया। उन्होंने कहा इस शोध का मकसद लोगों को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करना है।

कामरूप जिला विकास समिति की बैठक आयोजित

रंगिया (निसं)। कामरूप जिले की जिला विकास समिति ने आज एकीकृत आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे की अध्यक्षता में दिसंबर माह की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों के प्रमुख उपस्थित थे। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा विभिन्न विभागों के क्रियान्वयन अधिकारियों ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में योजना के क्रियान्वयन में विभिन्न अंतर्विभागीय मुद्दों पर भी चर्चा हुई। बैठक की शुरुआत बीते10 नवंबर में हुई जिला विकास समिति की बैठक में दर्ज जिले के विभिन्न विकास विभागों को जारी निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा के साथ हुई। इस बैठक में संबंधित विभागों के शीर्ष अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों के लिए पूर्व की बैठक में निर्धारित दिशा-निर्देशों की प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में लोक निर्माण (गृह), पर्यटन, पर्यावरण एवं वन विभाग, जिला परिवहन विभाग, समाज कल्याण, कृषि, जन स्वास्थ्य तकनीकी आदि विभागों के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों के बैंक खातों में आधार संख्या जोड़ने के सन्दर्भ में बैंक प्रबंधकों से विशेष काउंटर की व्यवस्था करने

का अनुरोध किया गया। बैठक में जल जीवन योजना की उपयोगकर्ता समितियों के बैंक खाते खोलने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए भी कहा गया। आयोजित बैठक में लोक स्वास्थ्य तकनीकी विभाग, कामरूप के तहत लागू विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि कामरूप जिले के अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकी विभाग के गुवाहाटी डिवीजन-1 और रंगिया डिवीजन हैं। इन दोनों संमंडलों के अंतर्गत स्वच्छ भारत अभियान के तहत निजी घरों में शौचालय निर्माण, सामुदायिक शौचालय निर्माण आदि की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा जल जीवन मिशन के तहत घरों में पाइप से पानी की आपूर्ति (एफएचटीसी), स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों क लिए पानी की आपूर्ति की भी समीक्षा की गई।

भाई के सामने जंगली हाथी के हमले में बहन की मौत

जोरहाट (हि.स.)। जंगली हाथी के हमले में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, वहीं 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली उसकी बेटी बरसा गोगोई की मौत हो गई। इस दौरान चाय के पौधों के बीच छिपकर बेटे विशाल गोगोई ने अपनी जान किसी तरह से बचा ली। घटना के अनुसार जोरहाट जिला के मोरियानी में बीती देर रात जंगली हाथी के हमले में नौवीं कक्षा की छात्रा की मौत हो गई और उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। छात्रा बरसा गोगोई मोरियानी जंगल ब्लॉक हाईस्कूल में 9वीं कक्षा में पढ़ती थी। गंभीर रूप से घायल महिला की पहचान लखीमाई गोगोई हुई जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जंगली हाथी के हमले में घायल लखीमाई गोगोई का फिलहाल जोरहाट मेडिकल कालेज एंड अस्पताल (जेएमसीएच) में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार एक जंगली हाथी ने विजयपुर स्थित गिब्बन अभयारण्य से मध्य रात्रि को भोजन की तलाश में इलाके में पहुंचकर जमकर उत्पात मचाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिता को खो चुकी छात्रा बरसा गोगोई अपने भाई और मां के साथ हाथी के आने की खबर मिलते ही सुरक्षित स्थान की ओर जैसे ही जाने की कोशिश की, इसी दौरान वह हाथी के सामने आ गई। हाथी ने अपने पैर से उसे कुचल दिया, जिसके चलते छात्रा की मौत हो गई। जबकि मां घायल हो गई तथा भाई चाय के पौधों के बीच छिपकर अपनी जान बचाने में सफल हुआ। भाई की आंखों के सामने ही हाथी ने उसकी बहन को पैरों से कुचल दिया और वह सिर्फ देखता रह गया। सूचना पाकर मौके पर मंगलवार सुबह पहुंची पुलिस और वन विभाग की टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जेएमसीएच में भेज दिया है। छात्र की मौत की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर गुस्सा है कि वन विभाग समय पर मौके पर नहीं पहुंचा। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

असम और झारखंड में संयंत्रों के लिए डालमिया को एक-एक पुरस्कार

गुवाहाटी। डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड, भारत के शीर्ष सीमेंट निर्माताओं में से एक ने 17वें एनसीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में छह पुरस्कार जीते हैं। पुरस्कार सोम प्रकाश सिंह, वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री द्वारा दिए गए थे और समूह के वरिष्ठ अधिकारियों महेंद्र सिंघी, प्रबंध निदेशक अवम सीईओ, गणेश डब्ल्यू जिरकुंटवार, राष्ट्रीय विनिर्माण प्रमुख (डीसीबीएल), द्वारा प्राप्त किया गया। डालमिया सीमेंट भारत लिमिटेड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद। डीसीबीएल के लिए छह पुरस्कारों में बेलगाम प्लांट-कर्नाटक के लिए पर्यावरणीय उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार शामिल है, डालमियापुरम-तमिलनाडु में एकीकृत सीमेंट संयंत्रों में पर्यावरण उत्कृष्टता के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार, साथ ही सर्कुलर इकोनॉमी हासिल करने के लिए पहला सांत्वना पुरस्कार और एकीकृत सीमेंट में पर्यावरण उत्कृष्टता के लिए दूसरा सांत्वना पुरस्कार अरियालुर यूनिट- तमिलनाडु शामिल है, लंका इकाई (कैलकॉम सीमेंट), असम को ग्राइंडिंग इकाइयों में ऊर्जा उत्कृष्टता के लिए दूसरा सांत्वना पुरस्कार, बोकारो ग्राइंडिंग यूनिट-झाड़खंड को ग्राइंडिंग इकाइयों में पर्यावरण उत्कृष्टता के लिए तीसरा सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिला है। डीसीबीएल के प्रबंध निदेशक और सीईओ महेंद्र सिंघी ने टिप्पणी की, हम एनबीसी की आयोजन समिति और वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय को पर्यावरणीय रूप से स्थायी भविष्य की दिशा में काम करने के लिए संवाद और मान्यता के माध्यम से उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए धन्यवाद देते हैं। डालमिया भारत 10 स्थानों पर 14 संयंत्रों के अपने पूरे भारत में नवीन स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को बढ़ाकर जलवायु संकट से निपटने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। यह 2040 तक कार्बन नेगेटिव बनने के लिए प्रतिबद्ध है और क्लीन एंड ग्रीन इज प्रॉफिटेबल एंड सस्टेनेबल के अपने व्यापार दर्शन के लिए प्रतिबद्ध है। सम्मेलन का विषय नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की ओर बढ़ना था, एक आंदोलन जिसे डालमिया भारत ने 2018 में 2040 कार्बन नकारात्मक प्रतिबद्धता की घोषणा करने के लिए विश्व स्तर पर पहली भारी उद्योग क्षेत्र की कंपनी का नेतृत्व किया। यह विश्व स्तर पर सबसे कम कार्बन फुटप्रिंट्स (सीमेंट निर्माण में) में से एक के साथ बना हुआ है और संयुक्त राष्ट्र की रेस टू जीरो- और 1.5-डिग्री व्यावसायिक महत्वाकांक्षा में शामिल होने वाली भारी औद्योगिक क्षेत्र की पहली कंपनियों में से एक है।

पूसीरे ने ग्राहक इंटरफेस में सुधार के लिए उठाए कई कदम

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) माल परिवहन में सुधार और बेहतर ग्राहक इंटरफेस प्रदान करने के लिए कई कदम उठा रहा है। इस तरह के पहल में नवंबर, 2022 में जावक और आवक दोनों माल परिवहन की हैंडलिंग के लिए कुछ और स्टेशन खोले गए हैं। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने मंगलवार को बताया कि ग्राहक इंटरफेस में सुधार लाने तथा माल परिवहन को और अधिक बढ़ाने के लिए अलीपुर द्वार मंडल के अधीन न्यू माल जंक्शन स्टेशन को 02 नवंबर से आवक लौह और इस्पात खेप (क्रेन खेप) की हैंडलिंग के लिए खोला गया है। इससे पहले इसे कोयला, पीओएल, पशुधन, विस्फोटक और क्रेन की खेप को छोड़ कर सभी माल परिवहन के लिए खोला गया था। लमडिंग मंडल के अंतर्गत आगियाठरी स्टेशन को 07 नवंबर से तीन महीने की अवधि के लिए आवक एनएमजी रेक की हैंडलिंग के लिए खोला गया है। इससे पहले, इसे जावक और आवक दोनों पार्सल परिवहन की हैंडलिंग के लिए खोला गया था। लमडिंग मंडल के अंतर्गत चुंगाजान स्टेशन को 09 नवंबर से जावक

कोयला परिवहन की हैंडलिंग के लिए खोला गया है। इससे पहले, इसे 28 सितंबर से 03 महीने की अवधि के लिए जावक और आवक दोनों आरएमसी तथा जावक स्टोन चिप्स/बोल्डर परिवहन के हैंडलिंग के लिए खोला गया था। इसके अलावा, कटिहार मंडल के अधीन मोहितनगर गुड्स शेड को 11 नवंबर से जावक और आवक दोनों बीएफ स्लैग एवं क्लिंकर परिवहन की हैंडलिंग के लिए खोला गया है। इससे पहले इसे कोयला, पीओएल, पशुधन, विस्फोटक और क्रेन की खेप को छोड़ कर सभी माल परिवहन की हैंडलिंग के लिए खोला गया था। लामडिंग मंडल के अंतर्गत लम्सखांग स्टेशन को 17 नवंबर से जावक कोयला परिवहन के हैंडलिंग के लिए खोल दिया गया है। इससे पहले इसे केवल जावक रेत परिवहन की हैंडलिंग के लिए खोला गया था। इसके अलावा, भारतीय डाक और रेलवे का एक ज्वाइंट पार्सल प्रोडक्ट (जेपीपी) रेल पोस्ट गति शक्ति एक्सप्रेस कार्गो सेवा शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य रेल पोस्ट गति शक्ति के मॉडल का विस्तार करना है। पूसीरे में जेपीपी विस्तार के लिए हावड़ा से गुवाहाटी और नई दिल्ली से गुवाहाटी के बीच दो प्रस्थान और गंतव्य जोड़े की पहचान की गई है। जेपीपी के कार्यान्वयन से पार्सल परिवहन प्रस्थान से गंतव्य तक निर्बाध और त्वरित तरीके से किया जा सकता है, जिससे व्यापारियों के साथ-साथ आम लोगों को भी लाभ होगा। ग्राहक इंटरफेस में सुधार और नए टर्मिनल खोलने से मालगाड़ियों की लोडिंग और अनलोडिंग में वृद्धि होती है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले वर्षों में पूसीरे के राजस्व में काफी वृद्धि होगी।

श्री अरबिंदो का जीवन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का प्रतिबिंब है : मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को स्वतंत्रता सेनानी और दार्शनिक श्री अरबिंदो को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका जीवन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में कंबन कलई संगम, पुडुचेरी में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती समारोह को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने श्री अरबिंदो के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब कई बड़े आयोजन एक साथ होते हैं तो अक्सर उनके पीछे 'योग-शक्ति' यानी एक सामूहिक और एकजुट करने वाली शक्ति होती है। प्रधानमंत्री ने कई महान हस्तियों को याद किया जिन्होंने न केवल स्वतंत्रता संग्राम में योगदान दिया बल्कि राष्ट्र की आत्मा को भी नया जीवन दिया। उनमें से, तीन व्यक्तित्व, श्री अरबिंदो, स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी के जीवन में एक ही समय में कई महान घटनाएं हुईं। इन घटनाओं ने न केवल इन हस्तियों के जीवन को बदला बल्कि राष्ट्रीय जीवन में भी दूरगामी परिवर्तन लाए। प्रधानमंत्री ने बताया कि 1893 में श्री अरबिंदो भारत लौट आए और उसी वर्ष स्वामी विवेकानंद विश्व धर्म संसद में अपना प्रतिष्ठित भाषण देने के लिए अमेरिका गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधी जी उसी वर्ष दक्षिण अफ्रीका गए, जिसने महात्मा गांधी में उनके परिवर्तन की शुरूआत को चिह्नित किया। उन्होंने वर्तमान समय में घटनाओं के समान संगम का उल्लेख किया जब देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष मना रहा है और अमृत काल की अपनी यात्रा शुरू कर रहा है क्योंकि हम श्री अरबिंदो की 150वीं वर्षगांठ और नेताजी सुभाष की 125वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रेरणा और कार्य मिलते हैं, तो असंभव प्रतीत होने वाला लक्ष्य भी अनिवार्य रूप से पूरा हो जाता है। आज अमृत काल में देश की सफलताएं और सबका प्रयास का संकल्प इसका प्रमाण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री अरबिंदो का जीवन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का प्रतिबिंब है क्योंकि उनका जन्म बंगाल में हुआ था और वे गुजराती, बंगाली, मराठी, हिंदी और संस्कृत सहित कई भाषाओं को जानते थे। उन्होंने अपना अधिकांश जीवन गुजरात और पुडुचेरी में बिताया और जहां भी गए उन्होंने अपनी गहरी छाप छोड़ी। अरबिंदो ऐसे व्यक्तित्व थे जिनके जीवन में आधुनिक शोध भी था, राजनैतिक प्रतिरोध भी था और ब्रह्म बोध भी था। श्री अरबिंदो की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हम अपनी परंपराओं और संस्कृति के बारे में जागरूक होते हैं और उनके माध्यम से जीना शुरू करते हैं, यह वह क्षण होता है जब हमारी विविधता हमारे जीवन का एक स्वाभाविक उत्सव बन जाती है। उन्होंने कहा, ह्लयह आजादी का अमृत काल के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा का स्रोत है। एक भारत श्रेष्ठ भारत को समझाने के लिए इससे बेहतर कोई तरीका नहीं है। प्रधानमंत्री ने काशी तमिल संगमम में भाग लेने के अवसर को याद किया और कहा कि यह अद्भुत घटना इस बात का एक बड़ा उदाहरण है कि भारत अपनी संस्कृति और परंपराओं के माध्यम से देश को एक साथ कैसे बांधता है। काशी तमिल संगमम ने दिखाया कि आज का युवा भाषा और पहनावे के आधार पर भेद करने वाली राजनीति को पीछे छोड़कर एक भारत श्रेष्ठ भारत की राजनीति को अपना रहा है। उन्होंने कहा कि आज आजादी का अमृत महोत्सव और अमृत काल में हमें काशी तमिल संगम की भावना का विस्तार करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री अरबिंदो एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनके जीवन में आधुनिक वैज्ञानिक सोच, राजनीतिक विद्रोह और साथ ही परमात्मा की भावना भी थी। प्रधानमंत्री ने बंगाल विभाजन के दौरान अपने 'कोई समझौता नहीं' के नारे को याद किया।

तिहाड़ जेल में सुपरिटेंडेंट और डिप्टी सुपरिटेंडेंट के ऑफिस में भी लगेंगे कैमरे

अजय त्यागी

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में प्रभावशाली कैदियों द्वारा सुविधाओं के इस्तेमाल को लेकर जो शिकायतें आई थीं, उस पर एलजी वीके सक्सेना द्वारा गठित जांच कमेटी ने जेल में सुधार के संबंध में अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। जांच कमेटी ने पाया है कि जेल के कई हिस्सों में अभी भी सीसीटीवी कैमरे नहीं है। इनमें जेल सुपरिटेंडेंट और डिप्टी सुपरिटेंडेंट के ऑफिस भी शामिल है। कमेटी ने इन जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का सुझाव दिया है। हालांकि प्राइवेसी का ध्यान रखते हुए जेल के डीजी और एआईजी के दफ्तरों को इससे बाहर रखने की छूट दी गई है। दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को तिहाड़ जेल में वीआईपी ट्रीटमेंट देने के मामले की जांच के लिए बनी कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में जेल प्रबंधन से जुड़ी कई खामियों को उजागर किया है। एलजी की ओर से बनाई गई तीन सदस्य कमेटी ने इन खामियों को दूर करने के लिए कुछ सुझाव भी दिए हैं। दिल्ली सरकार के गृह विभाग के प्रमुख सचिव अश्विनी कुमार की अध्यक्षता में गठित कमेटी में कानून विभाग के प्रमुख सचिव और विजिलेंस विभाग के सचिव भी शामिल थे। हाल ही में इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट एलजी को सौंपी है। जांच कमेटी ने पाया कि जेल में बंद प्रभावशाली और पैसे वाले कई कैदी दूसरे कैदियों के जेल अकाउंट कार्ड का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसे रोकने के लिए कमेटी ने जेल महानिदेशक को कार्ड के सही इस्तेमाल के लिए नई एसओपी बनाने और प्रभावी बायोमैट्रिक सिस्टम लागू करने का सुझाव दिया है। कमेटी ने जेल में बंद कैदियों को लालच देकर डराकर उनसे प्रभावशाली कैदियों के काम करवाने के चलन पर रोक लगाने के लिए भी एसओपी तैयार करने का सुझाव दिया है। उल्लेखनीय है कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को सुविधाएं देने के मामले में सीसीटीवी फुटेज आई थी और अदालत को भी दी गई है। इसके बाद एलजी ने जेल की कमियां उजागर करने के लिए और उसमें सुधार के लिए यह तीन सदस्यीय कमिटी का गठन किया था। तिहाड़ जेल को दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा जेल माना जाता है और यह कई हिस्सों में बंटा है, इसमें 9 सेंट्रल जेल शामिल हैं। हर जेल में अलग-अलग कैदी रहते हैं और कैदियों का बंटवारा उनके नाम, लिंग, क्राइम और सजा के आधार पर किया गया है। यह करीब 400 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और इससे पेपर मैकिंग, टेलरिंग, पोट्री, शू मेकिंग और बेकिंग जैसे बिजनेस भी चल रहे हैं। दिल्ली में तीन अहम कारागार हैं, जिनमें तिहाड़, रोहिणी और मंडोली शामिल है। तिहाड़ में 9 सेंट्रल जेल आते हैं, बाकि सेंट्रल जेल रोहिणी और मंडोली में शामिल हैं।

शरद पवार को जान से मारने की धमकी

मुंबई, (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार को उनके मुंबई स्थित आवास सिलवर ओक पर अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर जान से मारने की धमकी दी है। धमकी देने वाले ने सिल्वर ओक में लैंडलाइन पर मंगलवार को सुबह फोन किया और कहा कि उनकी हत्या देशी कट्टे से की जाएगी। इसकी शिकायत मुंबई के गांवदेवी पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है और मामले की गहन छानबीन जारी है। पुलिस के अनुसार आज सुबह सिलवर ओक आवास के लैंड लाइन फोन पर धमकी भरा फोन आया था। फोन करने वाला हिंदी में बात कर रहा था। उसने शरद पवार को जान से मारने की धमकी दी। साथ ही उसने की कहा कि शरद पवार की हत्या देशी कट्टे से की जाएगी। इसके बाद सिलवर ओक आवास की संचालिका ने इस मामले की शिकायत गांवदेवी पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई। मामले की गहन छानबीन की जा रही है। दरअसल, शरद पवार ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर बयान दिया था। इसी वजह से धमकी भरा फोन आने की आशंका जताई जा रही है। इससे पहले शिवसेना नेता संजय राऊत को भी इसी तरह की जान से मारने की धमकी मिली थी। इसलिए मुंबई पुलिस मामले की गहन छानबीन कर रही है।

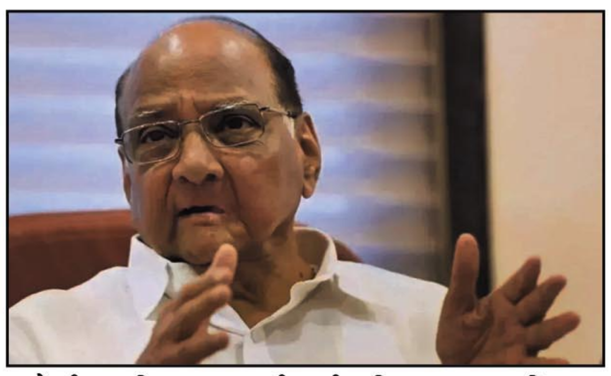

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और राहुल गांधी ने संसद हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद पर 13 दिसंबर 2001 के आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को मंगलवार को श्रद्धांजलि दी और कहा कि पूरा देश उनका सदा ऋणी रहेगा। खड़गे ने ट्वीट किया उन जवानों की बहादुरी को हमारा नमन है जिन्होंने संसद हमले के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके परिवारों के साथ हमारी संवेदना और प्रार्थना है। यह राष्ट्र उनके अदम्य साहस का ऋणी है। हम आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हैं। राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा 2001 में आज के दिन संसद पर हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले के दौरान भारत के सम्मान की रक्षा के लिए शहादत देने वाले देश के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पूरा देश उनके इस बलिदान का ऋणी है जो हमें देश की सेवा में सर्वस्व समर्पित करने के लिए प्रेरित करता हैं। गौरतलब है कि 13 दिसंबर 2001 को लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों ने संसद पर हमला किया था। इस हमले में आतंकवादियों का मुकाबला करते हुए दिल्ली पुलिस के पांच जवान केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक महिला कर्मी और संसद के दो कर्मी शहीद हुए थे। एक कर्मचारी और एक फोटो पत्रकार की भी हमले में मौत हो गई थी।

पूर्व मंत्री राजा पटेरिया को पुलिस ने कोर्ट में किया पेश, कांग्रेस ने भी जारी किया नोटिस

– प्रधानमंत्री मोदी की हत्या से संबंधित बयान दिया था

जबलपुर, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हत्या को लेकर दिए गए बयान के मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री राजा पटेरिया बुरी तरह फंस गए हैं। मंगलवार को सुबह दमोह जिले से गिरफ्तार करने के बाद पुलिस उन्हें पन्ना लेकर गई और पवई तहसील के अपर सत्र न्यायालय में पेश किया गया। इधर, कांग्रेस ने भी उनके बयान को आपत्तिजनक मानते हुए उन्हें नोटिस थमाया है। दरअसल, मप्र के पन्ना जिले के पवई विधानसभा क्षेत्र में पूर्व मंत्री राजा पटेरिया ने बीते रविवार को पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मोदी की हत्या से संबंधित बयान दिया था। सोमवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें पटेरिया कार्यकताओं से यह कहते हुए नजर आ रहे थे कि अगर संविधान बचाना है तो मोदी की हत्या करने को तत्पर रहो। इसके बाद गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा के निर्देश पर पन्ना के पवई थाना पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसके अलावा जबलपुर में भी उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस मामले में मंगलवार की सुबह 5:30 बजे पन्ना जिले की पुलिस पूर्व मंत्री के दमोह जिले के हटा स्थित उनके आवास पहुंची। पन्ना के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पन्ना जिले के चारों एसडीओपी पवई आजयगढ़ थाना प्रभारी सहित हटा एसडीओपी वीरेंद्र बहादुर सिंह ने एक साथ पूर्व मंत्री के हटा स्थित आवास पर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार किए जाने की सूचना दी। इसके बाद उन्हें पुलिस पन्ना लेकर पहुंची और पवई थाने में कुछ देर रखने के बाद उन्हें स्थानीय न्यायालय में पेश किया। इससे पहले पवई के अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इधर, प्रदेश कांग्रेस ने उन्हें नोटिस थमा दिया है। संगठन ने उनके बयान को आपत्तिजनक और निंदनीय माना है। नोटिस का जवाब उन्हें तीन दिन में देने के लिए कहा गया है। यदि वे जवाब नहीं देते हैं या वह संतोषजनक नहीं पाया जाता है तो उनकी प्राथमिक सदस्यता समाप्त की जा सकती है। हालांकि, पटेरिया ने अपने बयान पर सोमवार की रात को माफी मांग ली। इससे पहले पटेरिया ने कहा था- 'मैं गांधी को मानने वाला हूं और गांधी को मानने वाला हत्या की बात नहीं कर सकता। मेरा वीडियो गलत तरीके से प्रचारित किया जा रहा है।' मामले में पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा है कि इस प्रकार के बयान की मैं कड़ी निंदा करता हूं। कांग्रेस का रास्ता महात्मा गांधी का रास्ता है। मामला कोर्ट में है। हमने पटेरिया को कारण बताओ नोटिस दिया है। राजा पटेरिया पर पन्ना जिले के पवई थाने में सोमवार को एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 451, 504, 505(1)(b), 505(1)(c), 506, 153b(1)(c) के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

1 जनवरी से दिल्ली में 450 मेडिकल टेस्ट मुफ्त होंगे उपलब्ध केजरीवाल सरकार का बड़ा फैसला

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने फैसला किया है कि राजधानी में एक जनवरी से 450 तरह के मेडिकल टेस्ट लोगों को मुफ्त में मुहैया होंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि सभी को अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा और बेहतर इलाज उपलब्ध कराना दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। केजरीवाल ने कहा कि अब भी बहुत से लोग जब बीमार पड़ते हैं तो इलाज का खर्चा पूरी तरीके से नहीं उठा पाते। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने निर्णय लिया है कि अब लोगों को 400 से ज्यादा मेडिकल टेस्ट मुफ्त में उपलब्ध होंगे। केजरीवाल की इस घोषणा का आम आदमी पार्टी के नेताओं ने स्वागत किया है। आप नेताओं का कहना है कि दिल्ली के विकास को गति देने के लिए केजरीवाल का यह कदम सराहनीय है। बता दें कि दिल्ली सरकार ने हाल में घोषणा की थी कि सरकारी अस्पतालों में अगले साल तक मरीजों के लिए उपलब्ध बेड की संख्या में 10 हजार से ज्यादा का इजाफा कर दिया जाएगा।

साथ ही दिल्ली में 11 नए अस्पतालों का निर्माण भी होगा। इनमें से चार अस्पतालों में तीन हजार से बेड होंगे। वहीं सात अस्पतालों में 6838 आईसीयू बेड की व्यवस्था की जाएगी। अधिकारियों ने कहा था कि ज्यादातर अस्पतालों का निर्माण कार्य इस साल अंत तक ही पूरा हो जाएगा। वहीं इनमें से कुछ अस्पतालों का निर्माण 2023 में पूरा होगा। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा था कि अस्पताल बढ़ने से लाखों मरीजों को फायदा होगा। अधिकारियों ने कहा था कि अधिकतरअस्पतालों का निर्माण कार्य इस साल अंत तक ही पूरा हो जाएगा। वहीं इनमें से कुछ अस्पतालों का निर्माण 2023 में पूरा होगा। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा था कि अस्पताल बढ़ने से लाखों मरीजों को फायदा होगा। जानकारी के मुताबिक सिरसपुर में 1164 बेडों के अस्पताल का निर्माण हो रहा है। वहीं ज्वालापुरी मादीपुर व हस्तसाल (विकासपुरी) के अस्पतालों में लगभग 700 बेड होंगे। सिसोदिया ने कहा कि ज्वालापुरी व मादीपुर में मार्च 2023 तक अस्पताल बनकर तैयार हो जाएंगे। वहीं हस्तसाल में 2023 के अंतिम माह तक अस्पताल बनने की संभावना है।

भ्रष्टाचार को रोकने एलजी की बड़ी कार्रवाई

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने व्यापार और कर विभाग में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। एलजी वी के सक्सेना के निर्देश पर मुख्य सचिव ने विभाग में पिछले 5 से 7 साल से अधिक समय से काम कर रहे कर्मचारियों और अधिकारियों के तबादले किए हैं। गौरतलब है कि व्यापार एवं कर विभाग में भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस ईमानदारी जवाबदेही और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर पर मुख्य सचिव द्वारा तबादले किए गए हैं। दिल्ली के मुख्य सचिव ने फैसला लिया है कि ट्रेड और टैक्स डिपार्टमेंट में सिर्फ वही अधिकारी और कर्मचारी जाएंगे जो पहले विभाग में सेवाएं नहीं दे चुके हैं। उधर अन्य विभागों से व्यापार एवं कर विभाग में जिम्मेदारी देने के लिए पहले आओ पहले जाओ नीति का पालन किया गया है। वहीं दिल्ली के राज्यपाल और आप सरकार के बीच एक बार फिर से तनातनी बढ़ गई है। इस बार मामला दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा प्लानिंग डिपार्टमेंट को डीडीसीडी के वाइस चेयरमैन जैस्मिन शाह के खिलाफ की गई कार्रवाई को वापस लेने के निर्देश को लेकर है। अब इस मामले में एलजी दफ्तर की और से प्रतिक्रिया आई है। एलजी ऑफिस की ओर से कहा गया है कि डीडीसीडी को लेकर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के 8 दिसंबर 2022 को दिया आदेश जानबूझकर ध्यान हटाने के लिए है जबकि 30 नवंबर 2022 को दिल्ली के प्लानिंग डिपार्टमेंट के मंत्री और डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की भेजी गई फाइल का निस्तारण किया जा चुका है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की फाइल में योजना विभाग के 17 नवंबर 2022 के जैस्मिन शाह को डीडीसीडी के उपाध्यक्ष जैस्मीन शाह के रूप में कार्य करने और उसके बाद की सुविधाओं का लाभ उठाने से प्रतिबंधित करने के आदेश को वापस लेने के लिए कहा गया था।

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के लिए देशवासियों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 25 दिसंबर को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को संबोधित करेंगे। उन्होंने कार्यक्रम के लिए देशवासियों से सुझाव मांगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से नमो ऐप, माईगॉव पर लिखने या 1800-11-7800 पर अपना संदेश रिकॉर्ड करने का आग्रह किया है। माईगॉव के आमंत्रण को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने मंगलवार को ट्वीट किया, 2022 का आखिरी मन की बात इस महीने की 25 तारीख को होगा। मैं कार्यक्रम के लिए आपके सुझाव प्राप्त करने के लिए उत्सुक हूं। मैं आपसे नमो ऐप, माईगॉव पर लिखने या 1800-11-7800 पर अपना संदेश रिकॉर्ड करने का आग्रह करता हूं।

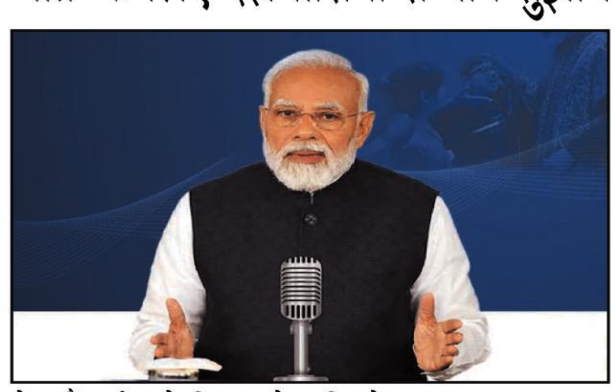

जिन्हें अग्निपथ योजना से दिक्कत है उन्हें सेना में नहीं जाना चाहिए: दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र की अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाले याचिकाकताओं से पूछा कि अग्निपथ योजना से उनके किस अधिकार का उल्लंघन हुआ है? कोर्ट ने कहा कि अग्निपथ स्कीम स्वैच्छिक है। जिन लोगों को इससे कोई समस्या है उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल नहीं होना चाहिए। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि भर्ती के लिए अग्निपथ योजना थलसेना नौसेना और वायुसेना के विशेषज्ञों द्वारा बनाई गई है। न्यायाधीश सैन्य विशेषज्ञ नहीं हैं। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा ह्ययोजना में क्या गलत है? यह अनिवार्य नहीं है। स्पष्ट तरीके से कहूं तो हम सैन्य विशेषज्ञ नहीं हैं। आप (याचिकाकर्ता) और मैं विशेषज्ञ नहीं हैं। इसे आर्मी नेवी और एयरफोर्स (आईएएफ) के एक्सपर्ट ने बड़े प्रयासों के बाद तैयार किया है। पीठ ने कहा सरकार ने एक विशेष नीति बनाई है। यह अनिवार्य नहीं है यह स्वैच्छिक है। आपको यह साबित करना होगा कि अधिकार छीन लिया गया हैनहीं तो शामिल न हों। कोई मजबूरी नहीं है। अगर आप अच्छे हैं तो आप उसके बाद स्थायी रूप से सेना में शामिल कर लिए जाएंगे। क्या हम यह तय करने वाले व्यक्ति हैं कि इसे चार साल या पांच साल या सात साल किया जाना चाहिए? व्यक्तिगत रूप से बहस में हिस्सा लेने वाले एक अन्य याचिकाकर्ता ने कहा कि वह थलसेना से सेवानिवृत्त हो चुके हैं और अब वकालत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अग्निपथ योजना पर पुनर्विचार करने के लिए कहा जाना चाहिए क्योंकि अग्निवीरों को दिया जाने वाला छह महीने का प्रशिक्षण पर्याप्त नहीं है। इतने कम समय में प्रशिक्षित होना आसान नहीं है। उन्होंने दावा किया कि इस तरह अधिकारी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करेंगे और सैनिकों की गुणवत्ता प्रभावित होगी। एक अन्य याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वकील अंकुर छिब्बर ने कहा कि सेवा के चार वर्षों में कर्मियों में जुड़ाव की भावना नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जो सेवा में बरकरार रहेंगे उनके पहले चार साल नहीं गिने जाएंगे और उन्हें नए सिरे से शुरूआत करनी होगी।

साउंड पॉल्यूशन को लेकर दिल्ली सरकार सख्त नियमों का उल्लंघन करने पर 1 लाख तक जुर्माना

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली में ध्वनि प्रदूषण से जुड़े नियमों को पहले से और सख्त कर दिया है। दिल्ली सरकार ने अधिकारियों को ध्वनि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती से जुर्माना लगाने और इस संबंध में की जाने वाली कार्रवाई की रिपोर्ट हर महीने जमा करने का निर्देश दिया है। पर्यावरण विभाग ने 29 नवंबर के एक आदेश में सभी उपायुक्तों (राजस्व) उपमंडल मजिस्ट्रेट पुलिस नियंत्रण कक्ष और यातायात पुलिस के सहायक आयुक्तों उपमंडल पुलिस अधिकारियों और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं सदस्य सचिव से राष्ट्रीय राजधानी में ध्वनि प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों पर पूरी तरह अंकुश लगाने को कहा है। प्रधान सचिव (पर्यावरण) अनिल कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि ध्वनि नियमों के उल्लंघन पर जुर्माने को लेकर 25 जून 2021 को जारी डीपीसीसी के निदेशों का अक्षरशः पालन किया जाना चाहिए और मासिक कार्रवाई रिपोर्ट जमा की जानी चाहिए।

डीपीसीसी के अनुसार ध्वनि नियमों के उल्लंघन पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियमों के अनुसार अधिकारियों की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर या सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली का उपयोग नहीं किया जा सकता। नियमों के अनुसार सभागार सम्मेलन कक्ष समुदाय और बैंक्वेट हॉल जैसे बंद परिसरों को छोड़कर लाउडस्पीकर का उपयोग रात 10 बजे से सुबह छह बजे के बीच नहीं किया जा सकता। लाउडस्पीकर और सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के उपयोग से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 10000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। नियमों के तहत जेनरेटर सेट और निर्माण उपकरण के उपयोग के संबंध में मानदंडों के उल्लंघन पर क्रमशः एक लाख रुपये और 50000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। ध्वनी प्रदूषण को मापने के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अलग-अलग मापडंद तय कर रखे हैं। इसके अनुसार औद्योगिक वाणिज्यिक आवासीय और शांत जोन में ध्वनी के अलग-अलग मानक डेसीबल में तय किए गए हैं। औद्योगिक क्षेत्र के लिए लिए यह 75 डेसिबल दिन के समय और रात में 70 डेसिबल तय किया गया है। वहीं वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए 65 डेसिबल दिन के समय और रात में 55 डेसिबल तय है। डेसिबल का पता कई तरह से कर सकते हैं। दरअसल अब कई मोबाइल ऐप्लीकेशन ऐसी हैं जो बताती हैं कि अभी आस-पास ध्वनि प्रदूषण हो रहा है या नहीं।

ट्रिपल इंजन की सरकार से होगा ब्रज का सम्पूर्ण विकास : योगी

-मुख्यमंत्री ने पहले ठाकुरजी के किये दर्शन, फिर 822 करोड़ की परियोजनाओं की दी सौगात

मथुरा, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार पूर्वान्ह मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर पहुंचे। उन्होंने स्वयं ही पूजा और मंत्रोच्चारण करते हुए ठाकुरजी से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने 822 करोड़ की 210 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी और चेक भी दिया। भाजपा के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन का संबोधित किया। मुख्यमंत्री गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से हैलीकाप्टर द्वारा मथुरा पहुंचे। यहां उन्होंने सम्मेलन में न जाकर पहले ठाकुरजी के चरणों में हाजरी लगाई। इसके बाद सम्मलेन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सरकार पर बांके बिहारी की कृपा है। भाजपा सरकार में व्यापारी और महिलाएं सुरक्षित महसूस कर रही हैं। अगर कोई अपराधी दुस्साहस करेगा तो अंजाम भी भुगतेगा। डबल इंजन की सरकार में तीसरा इंजन निकाय बोर्ड का भी हो, तो प्रगति और तेज होगी। सीएम ने राधे-राधे और बांके बिहारी की जय से संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा हम सौभाग्यशाली हैं कि ब्रजभूमि में आने का अवसर मिला है। आज उत्तर प्रदेश विकास के नए मॉडल के रूप में आगे बढ़ रहा है। पूरी दुनिया उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित हो रही है। 30 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट ब्रजभूमि के विकास से जुड़ने वाले हैं।

उन्होंने कहा ब्रजभूमि को 822 करोड़ की सौगात देकर आनंद की अनुभूति हो रही है। उत्तर प्रदेश में सभी धार्मिक और पवित्र स्थल हैं। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों ने विधानसभा चुनाव में आशीर्वाद दिया। भाजपा के सभी विधायकों को जिताया। इसके लिए आभार व्यक्त करता हूं। अबकी बार नगर निकाय चुनाव में भी ऐसे आशीर्वाद देकर भगवा फहराएं। पिछले पांच साल में ब्रजभूमि की तस्वीर बदली है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत बाकी सात नगर निगम को भी जोड़ा। इसमें मथुरा निगम भी है। ट्रैफिक मैनेजमेंट भी किया। भाजपा सरकार में व्यापारी और महिलाएं सुरक्षित महसूस कर रही हैं। अगर कोई अपराधी दुस्साहस करेगा तो अंजाम भी भुगतेगा। उत्तर प्रदेश सौभाग्यशाली है। मथुरा, अयोध्या, काशी, गंगा यमुना का आशीर्वाद मिल रहा। हमने नगर निगम बनाया। ब्रज तीर्थ विकास परिषद का गठन किया। चुनाव में ब्रज भूमि ने साबित किया कि वह अन्याय के खिलाफ खड़ा है। ब्रज के लोगों के लिए और यहां आने वाले पर्यटकों के लिए हम एलिवेटेड रोड और रोप वे बना रहे हैं। बाहर से आने वाले यात्रियों को यहां दिक्कत न हो इसके लिए। ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए हम इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम बना रहे हैं। योगी ने कहा कि हम इसी सिस्टम के तहत कोरोना काल मे पीड़ित लोगों तक पहुंचे। आवास गरीबों के लिए सपना था। अब भाजपा की सरकार में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ गरीबों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेहड़ी व्यवसायी को हमने व्यवस्थित किया है। नौ लाख पटरी दुकानदारों को अबतक व्यवस्थित किया जा चुका है। जल्द और भी व्यवस्था हो रही है। मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि यमुना मैया निर्मल होंगी। नमामि गंगे योजना में नाले टेप किये गए हैं। इससे यमुना में गन्दा पानी नहीं जाएगा। हमने सभी विभागों को निर्देश दिए इन कार्यों में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए।

सपा की निकलेगी हवा, निकाय चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत : केशव प्रसाद मौर्य

-उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार से निचले स्तर तक होगा विकास

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि आगामी होने वाले निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ी जीत मिलने जा रही है। ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से निचले स्तर तक विकास होगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में सपा का राजनीतिक भविष्य बेहतर नहीं है। सपा के गुब्बारे में हवा ज्यादा है। सपा की हवा जल्द निकलेगी। मैनपुरी में नेताजी के देहांत के बाद सहानुभूति के कारण सपा को जीत मिली। केशव प्रसद मौर्य ने कहा कि आज देश का हर राज्य गुजरात माडल की चर्चा कर रहा है। हमारा भी प्रयास यही है कि उत्तर प्रदेश गुजरात जैसा बने। उन्होंने बताया कि इंवेस्टर्स समिट के फीडबैक सुखद हैं। कल मैं नीदरलैंड जा रहा हूँ। गौरतलब है कि इन दिनों उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री निवेश आमंत्रित करने विदेशों के दौरे पर जा रहे हैं।

शहर में अवैध निर्माण करने से नहीं चूक रहे व्यवसायी, एलडीए कर रहा कार्रवाई

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ शहर में व्यवसायी लाभ कमाने के उद्देश्य से चोरी छुपे अवैध रुप से बिल्डिंग बनाते जा रहे हैं। जिसकी सूचना मिलने पर एलडीए के अभियंताओं के स्तर पर कार्रवाई भी की जा रही है। एलडीए ने बीते 72 घंटों में कानपुर रोड पर दो, निशातगंज में एक और जानकीपुरम में दो अवैध निमार्णों को सील किया है। जानकीपुरम क्षेत्र में नहर रोड पर अमरीश चौधरी, सरोज देवी व अन्य ने अवैध रुप से बिल्डिंग बनायी थी और जिसके बाद एलडीए ने नोटिस दी। नोटिस मिलने के बाद अमरीश चौधरी ने एलडीए में दौड़ तो लगायी लेकिन तभी तक उनके विरुद्ध कार्रवाई की तैयारी हो गयी। उस क्षेत्र की एलडीए टीम ने अवैध रुप से बनी बिल्डिंग को सील कर दिया। इसी तरह जानकीपुरम विस्तार के सेक्टर सात में एक जमीन पर अवैध रुप से निर्माण कार्य कराया गया, जिसे भी एलडीए ने सील कर कार्रवाई की। निशातगंज क्षेत्र में न्यू हैदराबाद कालोनी में एलडीए ने उस समय कार्रवाई की, जब एलडीए के अधिकारियों को सूचना मिली कि प्रदीप मिश्रा व समीर मिश्रा ने बिना नक्शा पास कराये ही अवैध रुप से निर्माण करा दिया है। इस सूचना के आधार पर जांच करने पर मौके पर अवैध निर्माण पाया गया, तभी अवर अभियंता शिव कुंवर ने सील की कार्रवाई पूरी करायी। एलडीए के अवैध निमार्णों की कार्रवाई का क्रम बीते एक माह में तीस से ज्यादा अवैध निमार्णों को चिन्हित कर उसके विरुद्ध नोटिस व सील की कार्रवाई की गयी है। अवर अभियंता स्तर से लेकर एलडीए के सचिव स्तर के अधिकारी भी अवैध रुप से किसी निर्माण कार्य को रोकने के लिए दिनरात दौड़ लगा रहे हैं। बीते दिनों चौक क्षेत्र में एक अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान एलडीए के उपाध्यक्ष डा.इन्द्रमणि त्रिपाठी भी पहुंचें थे।

काशी तमिल संगम के समापन समारोह में शामिल होंगे अमित शाह

-निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर कर सकते हैं बैठक
-गृहमंत्री के आगमन को लेकर भाजपा पदाधिकारियों ने तैयारियां शुरू की

वाराणसी, (हि.स.)। गृहमंत्री अमित शाह 16 दिसम्बर को वाराणसी आयेंगे। गृहमंत्री शहर में प्रवास के दौरान काशी तमिल संगमम के समापन समारोह में शामिल होंगे। उनके साथ केन्द्रीय पर्यटन मंत्री भी समारोह के साक्षी बनेंगे। माना जा रहा है कि काशी में मौजूदगी के दौरान गृहमंत्री निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा के प्रदेश और काशी क्षेत्र के पदाधिकारियों से जानकारी लेंगे। चुनाव में पार्टी की जीत को लेकर पदाधिकारियों व जन प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा निर्देश देंगे। भाजपा की क्षेत्रीय इकाई उनकी बैठक को लेकर तैयारी में जुट गई है। क्षेत्रीय अध्यक्ष महेशचंद्र श्रीवास्तव ने गृहमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए मंगलवार को मंडल स्तर की बैठक भी बुलाई है। इसमें 14 दिसम्बर को जिले के 21 तथा महानगर के 13 मंडलों में बैठकें होंगी। इसमें हर बूथ से कम से कम पांच कार्यकताओं को आने को कहा गया है। इन बैठकों में मंडल प्रभारी, पालक तथा महानगर के प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे। काशी क्षेत्र के अध्यक्ष ने कार्यकताओं को संदेश दिया कि काशी की गरिमा के अनुरूप जिस प्रकार काशी तमिल संगम के उद्घाटन सत्र में काशी के सांसद व देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को सफल बनाया, उसी प्रकार 16 दिसम्बर के समापन सत्र को भी यादगार बनाना है।

चीन की साजिश के खिलाफ गाजियाबाद में चीनी राष्ट्रपति का पुतला फूंका

गाजियाबाद, (हि.स.)। एक साजिश के तहत चीन द्वारा घुसपैठ की नाकाम कोशिश की कायराना हरकत के विरोध में मंगलवार को गाजियाबाद में वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ व भारत तिब्बत समन्वय संघ ने विरोध प्रदर्शन करते हुए चीन के राष्ट्रपति का पुतला फूंका। इस अवसर पर भारत तिब्बत समन्वय संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष संदीप त्यागी रसम ने बोलते हुए कहा कि चीन को भूल नहीं करनी चाहिए। नया भारत घर में घुसकर मारेगा। भारत की संप्रभुता के उल्लंघन पर शांति का कोई श्वेत कबूतर बचा नहीं पाएगा। भाजपा नेता पंडित अशोक भारतीय ने कहा कि भारत के वीर सैनिकों से छेड़खानी महंगी पड़ेगी। चीन को मुंहतोड़ जबाव देते हुए नक्शे पर से मिटा दिया जाएगा। वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ भाजपा महानगर संयोजक डॉ. ओपी अग्रवाल ने कहा कि शी जिनपिंग अपने आंतरिक देश की समस्याओं से समस्त विश्व का ध्यान हटाने के लिए चीन के निवासियों को गुमराह करने के लिए समय-समय पर ऐसी घिनौनी हरकत करता है। चीन का पूरी विश्व बिरादरी को बहिष्कार करना चाहिए। इस अवसर पर वीरेंद्र कंडेरे, सावन कुमार, योगेश कुमार, कोमल, दुष्यंत चौहान, अवध किशोर, जितेन्द्र, अंकुश गोयल, सोमी, प्रीति, राजकुमारी त्यागी, प्रियंका, अनिल शर्मा, दलीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

अभ्यर्थियों के कट ऑफ मार्क्स, स्टेटमेंट और मॉडल आंसर शीट वेबसाइट पर अपलोड करें : हाई कोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में मंगलवार को सातवीं से दसवीं जेपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जामिनेशन में अभ्यर्थियों को मार्क्स स्टेटमेंट, मॉडल आंसर शीट देखने नहीं देने और अभ्यर्थियों की कॉपी की छाया प्रति उपलब्ध नहीं करने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति आनंद सेन की पीठ ने जेपीएससी को मौखिक रूप से कहा कि सातवीं जेपीएससी के अभ्यर्थियों के कट ऑफ मार्क्स, मार्क्स स्टेटमेंट एवं अन्य परीक्षा से संबंधित चीजों को जेपीएससी के वेबसाइट पर अपलोड किया जाए। कोर्ट ने मामले में आदेश पारित करने के लिए अगली सुनवाई अगले सप्ताह निर्धारित की है। मामले को लेकर सोनू कुमार रंजन और अन्य की ओर से हाई कोर्ट में रिट याचिका दाखिल की है। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट को बताया कि सातवीं जेपीएससी का मेरिट लिस्ट वर्ष 2022 मई में जारी हो गयी है और सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति भी हो गई। जेपीएससी में टॉपर, सफल और असफल अभ्यर्थी को अब तक कट ऑफ मार्क्स, अपने मार्क्स स्टेटमेंट, मॉडल आंसर शीट की कॉपी की छायाप्रति देखने का अवसर नहीं मिल पाया है जबकि 7वीं जेपीएससी के सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति भी हो गई है।

याचिकाकर्ता एवं अन्य अभ्यर्थियों ने मार्क्स स्टेटमेंट, कट ऑफ मार्क्स, मॉडल आंसर शीट आदि जारी करने के लिए जेपीएससी को रिप्रेजेंटेशन भी दिया था। आरटीआई के तहत अपने कॉपी की छाया प्रति भी मांगी गई थी। जेपीएससी के खुद के कार्यालय आदेश में यह जिक्र है कि अभ्यर्थियों का मार्क्स स्टेटमेंट मॉडल आंसर की उनकी कॉपी की प्रतिलिपि देखने को जल्द से जल्द दिया जाता है। पहले की भी जेपीएससी एग्जाम में यूपीएससी की वेबसाइट में अपलोड किया जाता रहा है। अभ्यर्थियों के मार्क्स अपलोड नहीं होने से अगली जेपीएससी जो अप्रैल 2022 में होने वाली है उसमें उसकी तैयारी करने में अभ्यर्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि, अगली जेपीएससी की तैयारी करने वाला अभ्यर्थियों को यह पता नहीं है कि उन्हें किस विषय में कितना नंबर आया था, ताकि वह उसके हिसाब से तैयारी करें। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जेपीएससी से पूछा कि क्यों नहीं अभ्यर्थियों का मार्क्स स्टेटमेंट, मॉडल आंसर शीट आदि क्यों नहीं अपलोड किए गए जबकि रिजल्ट निकले पांच से छह माह का समय बीत चुका है।

सुषमा बड़ाइक मामले में पुलिस को हम पार्टी के पूर्व प्रवक्ता दानिश रिजवान पर संदेश

रांची, (हि.स.)। आईपीएस पीएस नटराजन के साथ यौन शोषण को लेकर चर्चा में रही सुषमा बड़ाइक को गोली मारे जाने की घटना में हिंदुस्तानी आवामी मोर्चा के पूर्व प्रवक्ता दानिश रिजवान शक के घेरे में हैं। पुलिस को संदेह है कि दानिश के इशारे पर घटना को अंजाम दिया गया है। उल्लेखनीय है कि दानिश रिजवान पर सुषमा बड़ाइक ने पटना स्थित सचिवालय थाने में रेप के आरोप में केस दर्ज करवाया है। सुषमा बड़ाइक का दावा है कि उसका बेटा दानिश का है। इस बीच मंगलवार को अरगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित सहजानंद चौक के समीप बाइक सवार तीन अपराधियों ने सुषमा को गोली मार दी। उसे गंभीर हालत में मेडिका में भर्ती कराया गया है। दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक सुषमा साल 2011 में पटना आई थी। वह काम खत्म करने के बाद वापस पटना जंक्शन लौट रही थी। जिस समय वो स्टेशन पहुंची, उस वक्त वहां कोई ट्रेन रांची के लिए नहीं मिली। तभी कुछ बदमाश वहां पहुंचे, जिनसे डरकर वो स्टेशन के बाहर आ गई। उसने दानिश रिजवान को देखा और मदद मांगी। फिर दानिश उसे सचिवालय थाना इलाके के एक फ्लैट में ले गए। फ्लैट में दानिश ने दो प्लेट खाना मंगवाया। खाना खाने के बाद उसे नशा हो गया।

एफआईआर में आरोप लगाया कि उसी दौरान दानिश ने गलत हरकत की। एफआईआर में इस बात का जिक्र है कि जिस वक्त ये सब कुछ हुआ, उस समय वो पूरी तरह से बेहोश नहीं थी। अर्द्धबेहोशी की हालत में उसे खुद को बचाने की ताकत नहीं बची थी। अगले दिन सुबह छह बजे रांची के लिए रवाना हुई। कुछ दिन बाद पता चला कि गर्भवती हूं। बच्चे को जन्म दिया। सुषमा का दावा है कि बच्चा दानिश का है। मामले में रांची में जीरो एफआईआर कर इसे सचिवालय थाना को भेज दिया था। दूसरी ओर बहुचर्चित आइपीएस पीएस नटराजन पर यौन शोषण केस कर सुषमा बड़ाइक चर्चा में आयी थी। आइपीएस पीएस नटराजन का स्टिंग ऑपरेशन करने के बाद पीड़ित ने यौन शोषण का केस दर्ज कराया था। मामला सामने आने के बाद आईपीएस नटराजन को वर्ष 2012 में नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था। इसके अलावा सुषमा ने 50 से ज्यादा लोगों पर दुष्कर्म, दुष्कर्म का प्रयास और यौन शोषण का आरोप लगाकर केस की है।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए तीन वर्षों में झारखंड को मिले 2604 करोड़ रुपये

रांची, (हि.स.)। बेहतर स्वास्थ्य के लिए तीन वर्षों में झारखंड को 2604 करोड़ रुपये मिले हैं। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने लोकसभा में सांसद संजय सेठ के सवाल के जवाब में दी। सांसद संजय सेठ ने लोकसभा में यह सवाल पूछा था कि देश में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में केंद्र प्रायोजित कितनी योजनाओं का काम झारखंड में चल रहा है। साथ ही उन योजनाओं के लाभुकों, तीन वर्षों तक उन योजनाओं के ब्यौरा से संबंधित सवाल सांसद ने सदन में रखा था। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय टीवी उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सहित कई योजनाओं के लिए राज्य स्तर पर निधि का आवंटन किया गया है। इसके अलावा मौजूदा जिला रेफरल अस्पतालों से जुड़े नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए भी राशि निर्गत की गई है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत झारखंड को 2019-20 में 830 करोड़, 20- 21 में 602 करोड़ और 21-22 में 640 करोड रुपये की राशि आवंटित की गई है। टीवी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत झारखंड को वित्तीय तीन वर्षों में क्रमशः 29 करोड़, 30 करोड़ और 42 करोड़ की राशि दी गई है। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत विगत तीन वर्षों में झारखंड को लगभग छह करोड़ से अधिक की राशि निर्गत की गई है। मौजूदा जिला और रेफरल अस्पतालों से जुड़े नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए 2019-20 में झारखंड को 147 करोड रुपये और 2020-21 में 40 करोड़ की राशि निर्गत की गई है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत झारखंड को कोई निधि आवंटित नहीं की गई है। प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के तहत झारखंड को विगत तीन वर्षों में क्रमशः 126 करोड रुपये, 100 करोड रुपये और लगभग आठ करोड रुपये का आवंटन किया गया है।

दिसम्बर को कलश शोभायात्रा होगी, 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की शुरूआत

-18 दिसम्बर को बेगूसराय आएंगे चिन्मय पांड्या

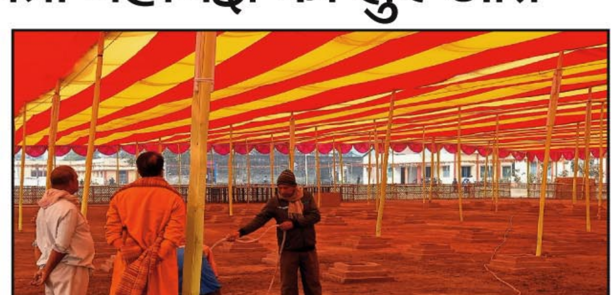

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय जिला मुख्यालय शुक्रवार से महामंत्र गायत्री और वेदों के मंत्रोच्चार से गूंजता रहेगा। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव को लेकर तैयारी काफी तेज हो चुकी है। पंडाल बन गए हैं, यज्ञ के लिए 108 कुंड भी बनकर तैयार हो गए हैं, अब उन्हें रंग रोगन कर अंतिम रूप दिया जा रहा है। मानव में देवत्व का उदय और धरती पर स्वर्ग का अवतरण के उद्देश्य से शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित होने वाल गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव की शुरूआत 16 दिसम्बर को कलश शोभायात्रा से होगी। यज्ञ संपन्न कराने के लिए शांतिकुंज से प्रज्ञा पुत्रों की टोली बुधवार को बेगूसराय पहुंच जाएगी। कार्यक्रम को लेकर व्यापक पैमाने पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। बेगूसराय जिला मुख्यालय के आईटीआई मैदान पनहांस में होने वाले यज्ञ को लेकर शुक्रवार को आठ बजे मंगल कलश एवं सदगुरु ज्ञानगंगा सदग्रंथ यात्रा निकाली जाएगी तथा शाम पांच बजे से युग संगीत एवं प्रवचन होगा।

17 दिसम्बर शनिवार को सुबह छह बजे से ध्यान साधना एवं प्रज्ञा योग, उसके बाद देव पूजन एवं गायत्री महायज्ञ, कार्यकर्ता गोष्ठी और शाम में पांच बजे से युग संगीत एवं प्रवचन होगा। 18 दिसम्बर को सुबह छह बजे से ध्यान साधना एवं योग, गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार तथा कार्यकर्ता गोष्ठी होगी। उसके बाद शाम में पांच बजे से युग संगीत, दीप यज्ञ एवं विशिष्ट उद्बोधन होगा। जिसमें देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के प्रति कुलपति और यूथ मोटीवेटर चिन्मय पांड्या मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम के अंतिम दिन 19 दिसम्बर सोमवार को सुबह छह बजे से ध्यान साधना एवं प्रज्ञा योग, आठ बजे से गायत्री महायज्ञ की पूणार्हुति एवं विभिन्न संस्कार, तीन बजे से नारी जागरण गोष्ठी तथा शाम में पांच बजे से युग संगीत और प्रवचन के बाद टोली विदाई के साथ इस अद्वितीय कार्यक्रम का समापन हो जाएगा।

एनटीपीसी कहलगांव को जनसम्पर्क के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किया गया पुरुस्कृत

भागलपुर, (हि.स.)। केन्द्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में 31वें जनसम्पर्क अधिकारियों के सम्मेलन में एनटीपीसी की समस्त परियोजना में एनटीपीसी कहलगांव के जनसम्पर्क अनुभाग मानव संसाधन विभाग को संवाद, कॉफी टेबल बूक एवं सोशल मीडिया टेम्प्लेट के लिए इन्नोवेटिव कंटैंट जेनेरेशन के लिए गुरदीप सिंह अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एनटीपीसी लिमिटेड ने डी.के. पटेल निदेशक मानव संसाधन, सेबेस्टियन जोसेफ ईडी मानव संसाधन, हरजीत सिंह सीजीएम कॉर्पोरेट संचार की उपस्थिति में रविनारायण साहू जनसम्पर्क अधिकारी एनटीपीसी कहलगांव को पुरुस्कृत किया। कार्यक्रम के दौरान गुरदीप सिंह सीएमडी एनटीपीसी और डी.के. पटेल निदेशक मानव संसाधन ने कॉर्पोरेट संचार अधिकारियों के साथ बातचीत की तथा सक्रिय, रचनात्मक और अच्छे संचार कौशल के उपयोग के माध्यम से कंपनी के बाहरी और आंतरिक दोनों हितधारकों के प्रति अपेक्षाओं को साझा किया। बैठक में कॉर्पोरेट संचार अधिकारियों द्वारा एक दूसरे से सीखने के हिस्से के रूप में अपनी परियोजनाओं और स्टेशनों पर उपलब्धियों और चुनौतियों को साझा करने के लिए प्रस्तुतियां भी दी गईं। इस अवसर पर हर्ष और उल्लास व्यक्त करते हुए अरिंदम सिन्हा कार्यकारी निदेशक कहलगांव ने टीम कहलगांव को हार्दिक बधाई दी और कहा कि जनसंपर्क का क्षेत्र विशेष रूप से एनटीपीसी कहलगांव जैसी प्रतिष्ठित परियोजना के लिए स्टेक होल्डर संबंध और रेप्यूटेशन प्रबंधन में बहुत महत्वपूर्ण है। ये पुरस्कार एनटीपीसी कहलगांव की संगठनात्मक उत्कृष्टता का प्रमाण है। प्रदीप्त कुमार महापात्रा महाप्रबंधक मानव संसाधन के साथ साथ सभी विभागाध्यक्ष यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण ने इस उपलब्धि पर नैगम संचार टीम को बधाई देते हुए उत्साहवर्धन किया।

प्रदेश की समस्याओं के लिए सार्थक विमर्श महत्वपूर्ण : देवेशचंद्र ठाकुर

पटना, (हि.स.)। बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन विधानपरिषद में सभापति देवेशचंद्र ठाकुर ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान सत्र के दौरान कुल पांच बैठकें निर्धारित हैं। यह सत्र अल्प अवधि का होते हुए भी महत्वपूर्ण है। इसमें आप सभी की सहभागिता आवश्यक है। प्रदेश की समस्याओं के निदान के लिए सार्थक विमर्श महत्वपूर्ण है। मुझे आशा है, यह सदन सत्रावधि में राज्य के विकास को लेकर जनहित के मामले एवं जनता की समस्याओं के निदान तथा उनके कल्याण के लिए जनतांत्रिक ढंग से विमर्श कर अपेक्षित हल निकालने का सफल प्रयास करेगा। सभापति देवेशचंद्र ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में सरकार के प्रयासों से सड़क, पुल-पुलिया, स्कूल-कॉलेजों के भवन, कई सिग्नेचर बिल्डिंग्स के साथ ही अनेकानेक आधारभूत संरचनाओं का विकास हुआ है। नये स्कूल कॉलेज, विश्वविद्यालय प्रबंध संस्थान आदि की स्थापना की गई है। पर्यावरण संतुलन एवं जलवायु परिवर्तनकारी कारकों के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए पौधा रोपण, वर्षा जल संचयन, भूमिगत जल संरक्षण, शुद्ध पेयजल आपूर्ति जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं। सभापति ठाकुर ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में कृषि रोड मैप, फसल उत्पादन वृद्धि के उपाय, खाद्य पदार्थों के उत्पादन में बढ़ोतरी एवं खाद्य प्रसंस्करण के उपाय कर खाद्य संकट के समाधान का सराहनीय प्रयास किया जा रहा है।

संपादकीय

उत्साह का निवेश

निर्माण यानी आवासीय परियोजनाओं में भी सुस्ती होने की वजह से अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है। हालांकि कोरोना से पहले ही बेनामी संपत्तियों के खिलाफ कड़ाई, भवन निर्माण सामग्री की कीमतें बढ़ने आदि के चलते आवासीय परियोजनाओं में सुस्ती आ गई थी। बहुत सारी परियोजनाएं लटक गई थीं। कोरोना की बंदी से उस पर दोहरी मार पड़ी। तब सरकार ने घोषणा की थी कि लटकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए वह दस हजार करोड़ रुपए का एक कोष बनाएगी और उसमें पैसे डाले जाएंगे। इसके पहले चरण में पांच हजार करोड़ रुपए डाले गए थे, जिससे अटकी हुई परियोजनाओं को कुछ गति मिल सकी थी। अब इस कोष में बाकी के पांच हजार करोड़ रुपए डाल दिए गए हैं। इससे स्वाभाविक ही आवासीय परियोजनाओं से जुड़े उद्योग में उत्साह बना है। निर्माण के क्षेत्र में रोजगार सृजन की बड़ी संभावना होती है। इसलिए जब इस क्षेत्र में मंदी आती है, तो बहुत सारे निर्माण मजदूरों और दूसरे कामों से जुड़े लोगों के सामने रोजगार का संकट पैदा हो जाता है। इसका असर स्वाभाविक रूप से अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। अब अटकी पड़ी आवासीय परियोजनाओं को गति मिलने से एक तरफ जहां बहुत सारे लोगों के लिए रोजगार के अवसर फिर से खुलेंगे, वहीं उन निवेशकों को भी राहत मिलेगी, जिन्होंने बैंकों से कर्ज लेकर वर्षों से आशियाने का सपना संजो रखा है। महंगाई रोकने के मकसद से जिस तरह थोड़े-थोड़े अंतराल पर बढ़ोतरी कर रेपो रेट में करीब ढाई फीसद का इजाफा किया जा चुका है, उससे उन लोगों पर सबसे अधिक बोझ पड़ रहा है, जिन्होंने बैंकों से आवास के लिए कर्ज ले रखा है। एक तो उन्हें समय पर घर न मिल पाने की वजह से किराए के घर में रहना पड़ रहा है, दूसरे बैंक की किस्त अधिक चुकानी पड़ रही है। इसके अलावा आवासीय परियोजनाएं जैसे-जैसे लटकती जाती हैं, उनके निर्माण का खर्च भी बढ़ता जाता है। इस तरह खरीदार को शुरुआती तय कीमत से अधिक कीमत चुकानी पड़ जाती है। अच्छी बात है कि सरकार ने रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा कराने के लिए पूंजी उपलब्ध कराई है। अभी यह वित्तीय मदद एक सौ सत्ताईस अटकी हुई परियोजनाओं को मुहैया कराई जा रही है। स्वाभाविक ही इन परियोजनाओं का संचालन कर रही कंपनियों को काफी राहत मिल सकेगी, क्योंकि पूंजी के अभाव में वे अपने काम को आगे नहीं बढ़ा पा रही थीं। इसके बाद दो सौ छियासी अन्य परियोजनाओं का भी आकलन किया जा रहा है, जिन्हें वित्तीय मदद की जरूरत है। इसके लिए निजी और सार्वजनिक, सभी तरह के बैंकों को आगे बढ़ने को कहा गया है। हालांकि यह कोई पहला क्षेत्र नहीं है, जिसमें वित्तीय मदद के लिए सरकार ने बैंकों को प्रोत्साहन दिया है। कोरोना के बाद बड़े उद्योगों और एमएसएमई को भी इसी तरह का राहत प्रस्ताव दिया गया था, मगर उन्हें कारोबार में तेजी नजर नहीं आई, इसलिए वे उस प्रस्ताव का लाभ उठाने को आगे नहीं आए। आवासीय परियोजनाओं के मामले में भी ऐसा न हो, इसके लिए ध्यान रखना होगा।

कोरोना की बंदी से उस पर दोहरी मार पड़ी। तब सरकार ने घोषणा की थी कि लटकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए वह दस हजार करोड़ रुपए का एक कोष बनाएगी और उसमें पैसे डाले जाएंगे। इसके पहले चरण में पांच हजार करोड़ रुपए डाले गए थे, जिससे अटकी हुई परियोजनाओं को कुछ गति मिल सकी थी। अब इस कोष में बाकी के पांच हजार करोड़ रुपए डाल दिए गए हैं। इससे स्वाभाविक ही आवासीय परियोजनाओं से जुड़े उद्योग में उत्साह बना है। निर्माण के क्षेत्र में रोजगार सृजन की बड़ी संभावना होती है। इसलिए जब इस क्षेत्र में मंदी आती है, तो बहुत सारे निर्माण मजदूरों और दूसरे कामों से जुड़े लोगों के सामने रोजगार का संकट पैदा हो जाता है। इसका असर स्वाभाविक रूप से अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। अब अटकी पड़ी आवासीय परियोजनाओं को गति मिलने से एक तरफ जहां बहुत सारे लोगों के लिए रोजगार के अवसर फिर से खुलेंगे, वहीं उन निवेशकों को भी राहत मिलेगी, जिन्होंने बैंकों से कर्ज लेकर वर्षों से आशियाने का सपना संजो रखा है।

अमृत कलश

पहाड़ों को समझिए

पर्वत ही जल के मूल स्रोत और जैव विविधता के आश्रय हैं। जलवायु समानता और पारिस्थितिक संतुलन के अलावा पर्वतीय दैवीय ऊर्जा, दुर्लभ जड़ी-बूटियां और पर्यटन भी बहुत महत्वपूर्ण है। चलो भी। पहाड़ों के प्रति संवेदनशील बनो। पहाड़ प्रकृति का अहम हिस्सा हैं। पहाड़ों से जुड़े लोगों को पहाड़ों के प्रति अपने दायित्वों को समझना चाहिए। इस प्रकार पर्वतीय संरक्षण दीर्घकालिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पृथ्वी का लगभग 27% भाग पर्वतों से आच्छादित है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया की लगभग 15% आबादी पहाड़ों पर रहती है। ग्लोबल वार्मिंग और अन्य कारणों से अब पर्वतीय जीवन संकट में है। इसलिए पृथ्वी की उर्वरता, हिमालय-हरितिमा, सरिता और प्रकृति के सकल संतुलन की गहन जागरूकता से बढ़ते संकटों के बारे में जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है। इसलिए प्राकृतिक जीवन जिएं! स्वस्थ पर्यावरण के लिए पौधरोपण जरूरी है। पृथ्वी की उपजाऊ शक्ति पेड़-पौधों पर निर्भर करती है। लेकिन हम संवेदनहीन बने हुए हैं। जहां धरती की उर्वरता शक्ति बढ़ती है वहां वृक्षारोपण करें। वहां प्रदूषण को नियंत्रित करना आसान है। पृथ्वी अपने अभिराम आचरण द्वारा सृष्टि के महत्व को समझाती है और प्राचीन को भी संरक्षित करती है। लेकिन यह हम पर निर्भर करता है कि हमने इससे कितना सीखा? इसकी कई संज्ञाओं से; धारा, वसुधा, वसुधारा, यह अनजाने में ही हमें बहुत कुछ सिखा जाती है। जीवन का हर तत्व इस धरती के सार से बना है, लेकिन हम इसे भूल चुके हैं। अत्याचारी शोषण ने छलनी सीना छलनी कर दी, हरियाली खो दी। समझ नहीं आता कि हम अपना फर्ज क्यों नहीं निभाते? हमें ऐसा क्यों लगता है कि राहत का हर प्रयास किसी और के द्वारा किया जाएगा? मैं चाहता हूं कि हम इस उदार, उर्वरा के स्नेह को समझें। अनेक धार्मिक स्थल बने हुए हैं, जैसे- श्री बद्रीनाथ, श्री केदारनाथ, श्री अमरनाथ जी एवं हेमकुण्ड साहब जी आदि। प्रकृति यहाँ अपना सौन्दर्य बिखेरती है। हिमालय ही एक ऐसा क्षेत्र है जहां विश्वभर में जड़ी-बूटियों का भंडार है। हिमालय की वन सम्पदा अतुलनीय है। महर्षि चरक ने अपनी 'चरक संहिता' में उल्लेख किया है कि दिव्य चिकित्सा भूमि में हिमालय सर्वश्रेष्ठ है।

-स्वामी अवधेशानंद गिरि

बोध कथा

स्वपरिवर्तन से ही विश्व परिवर्तन

कबूतर के एक जोड़े ने अपने लिये घोंसला बनाया। परंतु जब कबूतर जोड़ी उस घोंसले में रहने जाते तो अजीब बदबू आती रहती थी। उन्होंने उस घोंसले को छोड़ दिया और दूसरी जगह एक नया घोंसला बनाया, मगर स्थिति वैसी थी। बदबू ने यहां भी पीछा नहीं छोड़ा। परेशान होकर उन्होंने वह मोहल्ला ही छोड़ दिया और नये मोहल्ले में घोंसला बनाया। घोंसले के लिये साफ सुथरे तिनके जोड़े, मगर इस घोंसले में भी वही, उसी तरह की बदबू आती रहती थी। थक हार कर उन्होंने अपने एक बुजुर्ग चतुर कबूतर से सलाह लेने की सोची और उनके पास जाकर अपनी समस्या बताई। चतुर कबूतर उनके घोंसले में गया, आसपास घूमा फिरा और फिर बोला, घोंसला बदलने से यह बदबू नहीं जायेगी। बदबू घोंसले में नहीं, तुम्हारे अपने शरीर से आ रही है। खुले आसमान में तुम्हें अपनी बदबू महसूस नहीं होती, मगर घोंसले में घुसते ही तुम्हें महसूस होती है और तुम समझते हो कि बदबू घोंसले से आ रही है। इसलिए अपने आप को साफ करो। पूरी दुनिया में खामियां निकालने और बदबू ढूंढने के बजाय हम अपने भीतर की खामियों (कमजोरियों) और अपवित्रता रूपी (विकारों) बदबू को हटाएं तो ये दुनिया बहुत खूबसूरत हो जायेगी।

चीन एक ऐसा साम्राज्यवादी देश है, जो अपने अधिकांश पड़ोसी देशों से कहीं न कहीं उलझा हुआ है

आखिर कब और कैसे थमेगी भारत और चीन के बीच अक्सर होने वाली हिंसक झड़प?

कमलेश पांडेय

गत 9 दिसम्बर 2022 को अरुणाचल प्रदेश के तवांग में एक बार फिर भारत-चीन के बीच हिंसक झड़प हुई है, जिसमें दोनों पक्षों के सैनिक घायल हुए हैं। बताया गया है कि तवांग में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) तक पहुंचना चाह रही थी। लेकिन पूर्वी लद्दाख में चीन के दुस्साहस के बाद से भारतीय सेना सतर्क थी और कड़ी निगरानी रख रही थी। यही वजह है कि जिस वक्त अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में चीनी सैनिकों ने गलत हिमाकत की, तो पहले से तैयार भारतीय सैनिकों ने उन्हें करारा जवाब दिया और लौटने पर मजबूर कर दिया। इस बार भी चीनी सैनिकों पर भारतीय सैनिक भारी पड़े।

लीजिए भारत और चीन की सेना के बीच एक और हिंसक झड़प हो गई। जी हां, तवांग, अरुणाचल प्रदेश में हुई झड़प की ही बात हम कर रहे हैं। अमूमन कभी लद्दाख तो कभी अरुणाचल प्रदेश और कभी अन्य सीमा क्षेत्र के बीच भारत और चीन के सैनिक आमने-सामने होते रहते हैं। ऐसे में यह सवाल सबके जेहन को कुरेदती रहती है कि आखिर भारत और चीन के बीच ब्रेक के बाद होने वाली हिंसक झड़प कैसे थमेगी? इन झड़पों की वजहें क्या हैं और इन्हें रोकने के लिए क्या-क्या उपाय करने होंगे? कहीं ऐसा तो नहीं कि 1962 में एक दूसरे के खिलाफ लड़ चुके भारत और चीन पुनः एक दूसरे के खिलाफ एक और युद्ध लड़ने के लिए जगह-जगह पर अपने नए सामर्थ्य का टेस्ट कर रहे हैं! कहना न होगा कि हाल के वर्षों में डोकलाम, पेंगोंग झील, गलवान घाटी, नाथुला दर्रा के बाद तवांग में हुई तनातनी और हिंसक मारपीट के गहरे निहितार्थ हैं। चीन एक ऐसा साम्राज्यवादी देश है, जो अपने अधिकांश पड़ोसी देशों से कहीं न कहीं उलझा हुआ है। लेकिन उत्तर-पूर्व में रूस और दक्षिण-पश्चिम में भारत से उसे तगड़ा जवाब मिलता आया है। मसलन, यदि चीन ने भारत के खिलाफ अपनी आक्रामकता कम नहीं की और पाकिस्तान को आक्रामक होने में सहयोग देना बंद नहीं किया, तो भविष्य में दोनों देशों को लेने के देने पड़ सकते हैं, क्योंकि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला भारत अपने दुश्मनों की आंख में आंख डालकर बात करना जानता है। सच कहूं तो समकालीन भारत, नेहरुयुगीन साहित्यिक मिजाज वाला सम्वेदना प्रधान भारत नहीं है, बल्कि पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटलबिहारी बाजपेयी के कुशल नेतृत्व के द्वारा तराशा हुआ भारत है, जिसकी तूती अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया में बोल रही है। बावजूद इसके, चीन इसे 1962 वाला भारत समझने की गलती कर रहा है, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की अदूरदर्शिता की वजह से भारत को अपने नेक इरादे के बावजूद भारत-चीन युद्ध में मुहकी खानी पड़ी थी। हालांकि, उसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री,

इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और अटल बिहारी बाजपेयी और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारतीय सेना, चीनी सैनिकों के किसी भी दुस्साहस का मुहंतोड़ जवाब दे रही है, जिससे चीन की बौखलाहट समझी जा सकती है। पहले की बात को यदि छोड़ भी दें तो करीब ढाई साल पूर्व 15 जून 2020 की रात को पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी में भारत और चीन के बीच हुए एक हिंसक संघर्ष में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गये थे। वहीं काफी संख्या में चीन के सैनिक भी मारे गए थे। तब से वहां पर तनाव खत्म करने के लिए दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच 16 दौर की बैठकें हो चुकी हैं। इस दौरान पेंगोंग झील, गोगरा समेत कुछ क्षेत्रों में दोनों देशों के सैनिक पीछे हटे हैं। लेकिन डेमचौक तथा डेपटांग में कुछ स्थानों पर अभी भी दोनों देशों के सैनिक डटे हुए हैं। गौरतलब है कि पिछली बैठक 17 जुलाई 2022 को हुई थी, उसके बाद 17वें दौर की बैठक नहीं हो पा रही है। इसी बीच, गत 9 दिसम्बर 2022 को अरुणाचल प्रदेश के तवांग में एक बार फिर भारत-चीन के बीच हिंसक झड़प हुई है, जिसमें दोनों पक्षों के सैनिक घायल हुए हैं। बताया गया है कि तवांग में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) तक पहुंचना चाह रही थी। लेकिन पूर्वी लद्दाख में चीन के दुस्साहस के बाद से भारतीय सेना सतर्क थी और कड़ी निगरानी रख रही थी। यही वजह है कि जिस वक्त अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में चीनी सैनिकों ने गलत हिमाकत की, तो पहले से तैयार भारतीय सैनिकों ने उन्हें करारा जवाब दिया और लौटने पर मजबूर कर दिया। इस बार भी चीनी सैनिकों पर भारतीय सैनिक भारी पड़े। उसके बाद दोनों देशों के बीच कमांडर स्तर की फ्लैग मीटिंग हुई। उल्लेखनीय है कि तवांग सेक्टर में एलएसी से सटे अपने दावे वाले कुछ क्षेत्रों में दोनों पक्ष गश्त करते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और चीन के बीच पांच जगहों पर रणनीतिक तनातनी बनी रहती है, जो इस प्रकार हैं- पहला, तवांगः अरुणाचल प्रदेश में तवांग बौद्धों का प्रमुख धर्मस्थल है। वर्ष 1914 में ब्रिटिश भारत-चीन के बीच जो समझौता हुआ था, उसमें तवांग को अरुणाचल का हिस्सा बताया गया था। 1962 में हुए भारत-चीन युद्ध में चीन तवांग पर काबिज था, लेकिन युद्ध विराम में उसे हटना पड़ा। दूसरा, डोकलामः डोकलाम एक तरह से ट्राई जंक्शन है, जहां से चीन, भूटान और भारत नजदीक हैं। चीन इस पर भी दावा करता है। वर्ष 2017 में करीब ढाई महीने तक डोकलाम पर भारत-चीन के बीच तनाव रहा था। तीसरा, नाथूलाः नाथूला दर्रा सिक्किम और चीन नियंत्रित दक्षिणी तिब्बत की चुम्बी घाटी को जोड़ता है। यहीं से कैलाश-मानसरोवर के तीर्थयात्री गुजरते हैं। यहां पर भी कभी कभार तनाव की खबरें आती हैं। चतुर्थ, गलवान घाटीः गलवान घाटी लद्दाख और अक्साई चीन के बीच स्थित है। ये घाटी चीन के दक्षिणी शिंजियांग और भारत के लद्दाख तक फैली हुई है। यहां भारत और चीन के सैनिकों के बीच जून 2020 में हिंसक झड़प हुई थी। पांचवां, पेंगोंग लेकः पेंगोंग झील, लद्दाख में 134 किलोमीटर लंबी झील है, जिसका 44 किलोमीटर क्षेत्र भारत और 90 किलोमीटर क्षेत्र चीन में पड़ता है। एलएसी भी इसी झील से गुजरती है। इस क्षेत्र को लेकर भी विवाद होता है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पीओके, सीओके, नेपाल, भूटान, म्यांमार के अलावा बंगलादेश, श्रीलंका, मालदीव, पाकिस्तान में पारस्परिक हितों के सवाल पर शह-मात के खेल चलते रहते हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि गत 9 दिसम्बर 2022 को यांगत्से (तवांग, अरुणाचल प्रदेश) में हुई झड़प भारत और चीन जैसे विकासशील देशों के दूरगामी हित में नहीं है।

घाटी में भरोसे की दरकार, सेना के बयान से बौखलाया पाकिस्तान

पाकिस्तान ने उनके बयान का जवाब देते हुए अपनी संलिप्तता से इनकार किया। उसके डीजी, आईएसपीआर (जनसंपर्क विभाग) ने कहा कि तथाकथित लॉन्च-पैड और आतंकियों के बारे में झूठे बयान और निराधार आरोप भारतीय सेना द्वारा मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान हटाने का एक प्रयास है। साफ है कि पाकिस्तान जनरल द्विवेदी के बयान से बौखलाया हुआ है और वह जानता है कि भारत उसके लॉन्च-पैड्स पर कड़ी नजर रख रहा है। एक अन्य प्रेस कॉन्फ्रेंस में जम्मू और कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि जहां तक आतंकवाद की स्थिति का सवाल है, सक्रिय स्थानीय आतंकवादियों की संख्या घटकर दहाई अंकों तक रह गई है। उन्होंने कहा कि इस समय उत्तर कश्मीर पूरी तरह शांत है और अब आतंकवाद का प्रभाव कम है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि नशीले पदार्थों का संकट एक बड़े खतरे के रूप में उभरा है, क्योंकि नशीले पदार्थों से पैदा धन आतंकवादी गतिविधियों को वित्तपोषित कर रहा है।

हाल ही में उत्तरी सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, 'लगभग 300 आतंकवादी जम्मू-कश्मीर के आसपास मौजूद हैं, लेकिन हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वे कोई कार्रवाई करने में सक्षम न हों।' उन्होंने आगे कहा कि 'हमारे आंकड़ों के अनुसार, 82 पाकिस्तानी आतंकवादी और 53 स्थानीय आतंकवादी भीतरी इलाकों में सक्रिय हैं, जबकि चिंता का विषय 170 अन्य की आपराधिक गतिविधियां हैं, जिनकी पहचान नहीं हो पाई है।' द्विवेदी ने कहा कि लगभग 170 हाइब्रिड आतंकवादी थे। उन्होंने खुफिया जानकारी भी साझा की कि संभवतः 160 आतंकवादी आतंकी शिविरों में, 130 आतंकी उत्तरी पीर पंजाल (कश्मीर घाटी) में और 30 उसके दक्षिण में मौजूद हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान इस क्षेत्र में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। पाकिस्तान ने उनके बयान का जवाब देते हुए अपनी संलिप्तता से इनकार किया। उसके डीजी, आईएसपीआर (जनसंपर्क विभाग) ने कहा कि तथाकथित लॉन्च-पैड और आतंकियों के बारे में झूठे बयान और निराधार आरोप भारतीय सेना द्वारा मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान हटाने का एक प्रयास है। साफ है कि पाकिस्तान जनरल द्विवेदी के बयान से बौखलाया हुआ है और वह जानता है कि भारत उसके लॉन्च-पैड्स पर कड़ी नजर रख रहा है। एक अन्य प्रेस कॉन्फ्रेंस में जम्मू और कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि जहां तक आतंकवाद की स्थिति का सवाल है, सक्रिय स्थानीय आतंकवादियों की संख्या घटकर दहाई अंकों तक रह गई है। उन्होंने कहा कि इस समय उत्तर कश्मीर पूरी तरह शांत है और अब आतंकवाद का प्रभाव कम है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि नशीले पदार्थों का संकट एक बड़े खतरे के रूप में उभरा है, क्योंकि नशीले पदार्थों से पैदा धन आतंकवादी गतिविधियों को वित्तपोषित कर रहा है। हाल के दिनों में भारतीय सुरक्षा एजेंसियां नियमित अंतराल पर पाकिस्तानी ड्रोन को मारकर गिरा रही हैं। ज्यादातर ड्रोन आईईडी, पिस्तौल और ड्रग लाते हैं। यह क्षेत्र हाइब्रिड आतंकवादियों के बढ़ते खतरे का सामना कर रहा है। सकारात्मक खुफिया सूचनाओं ने स्थानीय पुलिस को हाइब्रिड आतंकवादियों पर नकेल कसने में सक्षम बनाया है। इसके विपरीत, कश्मीरी राजनेता दावा करते रहे हैं कि हाइब्रिड आतंकवादियों के नाम पर निर्दोष लोगों को मारा जा रहा है। फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती लगातार कहते रहे हैं कि कश्मीर मुद्दे का स्थायी समाधान खोजने के लिए सरकार को पाकिस्तान से बात करनी चाहिए। फारूक ने तो यहां तक कहा कि भारत को उनसे बात करने के लिए जी-20 की अपनी अध्यक्षता का फायदा उठाना चाहिए। जब पुलवामा हमला हुआ था, उस समय पाकिस्तान के नवनियुक्त सैन्य प्रमुख जनरल असीम मुनीर आईएसआई के महानिदेशक थे। वह भारतीय प्रतिशोध के गवाह हैं। पाकिस्तान अच्छी तरह जानता है कि अगर उसने बड़े हमले की कोशिश की, तो भारत सैन्य तरीके से जवाबी कार्रवाई करेगा। नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम जारी है, इसका कारण है कि पाकिस्तान भारतीय सेना की बढ़ती क्षमताओं से वाकिफ है। भारत इस बात पर अडिग है कि जब तक पाकिस्तान 26/11 के हमलावरों पर कार्रवाई नहीं करता, तब तक वह उससे बात नहीं करेगा। यह आत्मविश्वास कश्मीर की स्थिरता से उपजा है। अंतिम मतदाता सूची के साथ जम्मू-कश्मीर चुनाव के लिए कमर कसता प्रतीत होता है। पाकिस्तान को लगातार चीन से संरक्षण मिल रहा है। हालांकि घाटी में आतंकी गुटों की धमकियां जारी हैं, जिससे भय एवं आतंक पैदा हो रहा है। हाल ही में एक स्थानीय आतंकी गुट टीआरएफ (द रेजिस्टेंस फ्रंट) से 20 से अधिक पत्रकारों को जान से मारने की धमकी मिली, जिसके चलते कई छिप गए, कुछ ने इस्तीफा दे दिया और घाटी छोड़कर चले गए। इससे पता चलता है कि स्थानीय लोगों को हाइब्रिड आतंकियों का खात्मा करने वाले सुरक्षा बलों पर भरोसा नहीं है। पुलिस ने कहा कि ये धमकियां स्थानीय जानकारी के साथ पाकिस्तान से जारी की गई थीं। हालांकि समग्रता में स्थिति सामान्य प्रतीत होती है और पर्यटन बढ़ रहा है, लेकिन गैर-स्थानीय श्रमिकों और कश्मीरी पंडितों की बेतरतीब हत्या भय का माहौल पैदा करती है। ऐसी संभावना नहीं है कि सुरक्षा बलों के तमाम प्रयासों के बावजूद हाइब्रिड खतरा निकट भविष्य में कम हो जाएगा। इसका राजनीतिक दोहन होता रहेगा। हर हत्या के बाद घाटी में कार्यरत कश्मीरी पंडित जम्मू स्थानांतरण की मांग दोहराते हैं। जिन जगहों पर उन्हें निशाना बनाया गया, वहां से वे पलायन भी कर रहे हैं। सरकार कश्मीर में स्थिति सामान्य दिखाने की जी-तोड़ कोशिश कर रही है, लेकिन क्षेत्रीय राजनीतिक दल, आतंकी गुट एवं पाकिस्तान इसे झुठलाने की कोशिश कर रहे हैं। वास्तविकता इन दोनों स्थितियों के बीच में है। लंबे समय से बंद, सुनियोजित हिंसा या विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ है। भाजपा के, जो कभी कश्मीर में अपनी पहचान नहीं बना पाई, अब घाटी में काफी अनुयायी हैं। बाजार बंद और स्वघोषित कर्फ्यू अब इतिहास की बात हो गया है। हुर्रियत का दबदबा खत्म हो गया है। आतंकियों को अब आदर्श नहीं माना जाता। आतंकवाद को हवा देने वाले हवाला फंड की आमद रोक दी गई है। सरकार को कश्मीर में जी-20 की बैठक करने का भरोसा है। कश्मीरी पंडितों के साथ स्थानीय लोगों में भी डर दिखाई देता है। विकास तो दिखाई देता है, लेकिन शासन और सुरक्षा बलों पर लोगों का विश्वास कम है। ऐसा लगता है कि आम कश्मीरी दोनों पक्षों के दबाव का सामना करते हुए आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच फंस गया है। बदनामी के डर से लोग बात करने को तैयार नहीं हैं। नशा युवाओं को बर्बाद कर रहा है, जिससे कई युवा इस लत को पूरा करने के लिए बंदूक उठा रहे हैं। मौन रहना और अपने काम से काम रखना अस्तित्व का आदर्श बन गया है। लोगों का भरोसा लौटाने के लिए बयानबाजी से ज्यादा करने की जरूरत है। इसके लिए सरकार में विश्वास, खतरों से सुरक्षा और समझदार नौकरशाही की जरूरत है। जब तक स्थानीय अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों की पहुंच नहीं होगी, यह भय गायब नहीं होगा।

नागरिक बोध

चीन की तवांग सेक्टर में फिर नियत बिगड़ी,चीन और भारत के सैनिको में झड़प

चीन ने गलवान घाटी और लद्धाख में भारतीय फौज को कई महीनों तक परेशान करता रहा था। अब तवांग सेक्टर के पास भारत चीन के सैनिको में झड़प से स्थिति तंग बन गई है। भारतीय जवानों ने तीनसौ चीनी सैनिकों को वापस खदड़ने में सफल रहे है। झड़प में दोनों देशों के सैनिक घायल हो गए है। 2020 में पूर्वी लद्धाख सेक्टर में विवाद हुआ था। झड़प के बाद दोनों देशों के सैनिक पीछे हट गए है। विस्तारवाद का भूखा चीन हमेशा पड़ोसी देशों की जमीन झड़प कर चीन खुशी इजहार करना चाहता है। मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की कई बार विश्व मंच पर मुलाकात हुई थी। लेकिन भारत ने अपनी संस्कृति की लौ हमेशा सुलगती रखी है। चीन ने पाकिस्तान का हजारो हेक्टेयर जमीन अपने कब्जे में कर दी है। मोदी ने विश्व मंच से कहा है कि युद्ध विनाशकारी है और इस युग मे युद्ध किसी भी देश के लिए हितकर नही है। भारत ने हमेशा द्विपक्षीय मन्त्रणा की है। अपने स्वार्थ के खातिर किसी देश पर हमला कर जमीन हड़पने की नीति भारत की नही है। चीन भारत को हल्के में ले रहा है। हर समय भारत को

दबाने वाले देश की पुंगी बोलती बन्द हो गई है। 17 हजार फीट की ऊंचाई पर तवांग में छह सौ सैनिको ने हमला बोला था। चीन शायद भारत की ताकत के सामने बौना भले ही साबित हो सकता है। लेकिन ये चीनी भारत पर जहर उगलने के लिए हर समय तैयार है। भारत और चीन के साथ इतिहास में भी अच्छे दिन नही बीते। भारत को बेचारा समझने वाले चीन को सबक सिखाने की आवश्यकता है। अरूणाचल प्रदेश की दावेदारी पर चीन हमेशा भारत के खिलाफ नजर आता है। विस्तारवादी चीन की नीयत में खोट है। गृहमन्त्री ने इस पर सफाई देते हुए कहा कि चीन ने एक इंच जमीन पर कब्जा नही किया है। कांग्रेस की भूलो पर कटाक्ष करते हुए अमित शाह ने कहा कि राजीव गांधी फाउंडेशन को चीन से पैसे मिले थे। अमित शाह ने सीधे कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि 1,38 करोड़ रुपए कांग्रेस को मिले थे। इतना ही नही 1962 में चीन ने हजारो एकड़ जमीन हड़प ली थी। ओवैसी ने सरकार को घेरते हुए कहा कि सैनिको के साथ 9 दिसम्बर को झड़प हुई तो देश को खबर क्यो नही दी गई। दरअसल, उनके सैनिको की हड्डियां फेक्चर हुई है। अरुणाचल में कई बार चीनी घुसपैठ रोकी है। अरुणाचल में मोदी के कार्यक्रम के बाद लालधुम हुआ चीन सैनिको के बूते एलओसी पर हंगामा खड़ा कर सैनिको को नुकसान पहुंचाने का इरादा रखे हुए है। भारतीय फौज ने उनको खदेड़ दिया है। चीन की बढ़ती दखलगिरी भारत के लिए चुनौती तो है, लेकिन भारत मुकाबले में पीछे नही हटेगा। भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंध ठीक है, लेकिन चीन और पाकिस्तान हर समय भारत की सीमापार हरकत करने में बाज नही आते है। भारत की बढ़ती सैन्य ताकत और जांबाज सैनिको ने मोर्चा संभाल लिया था। मुहतोड़ जवाब देकर चीन के मंसूबो पर पानी फेर दिया है।

देश दुनीया से

वर्चुअल दुनिया भी बढ़ा रही है अकेलापन

हमारे घरों में अबोला पसरा है और परिवेश में आक्रोश। सामाजिक ताने-बाने से विश्वास रीत रहा है और पारिवारिक संबंधों में साथ-सहयोग का भाव नदारद है, साथ ही रोजगार हो या रोजमर्रा की आपाधापी, हर मोर्चे पर जीवन से जुड़ी परिस्थितियां भी कठिन ही हुई हैं। मन का बिखराव और जीवन का अर्थहीन विस्तार आज कटु सच बन गया है। आपाधापी की परिस्थितियों में कब किसका मन टूट रहा है, न कोई जानता है, न कोई जानना चाहता है। ऐसे में आत्महत्या के बढ़ते मामलों की दुखद तस्वीर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो में ताजा आंकड़ों में स्पष्ट दिख रही है। साल 2021 में देश भर में खुदकुशी के 1,64,033 मामले दर्ज किए गए। इस रिपोर्ट के अनुसार, कामकाजी परेशानियों से लेकर रिश्तों में अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक उलझनें, मानसिक समस्याएं, शराब की लत और वित्तीय नुकसान जैसे अहम कारण आत्महत्याओं के आंकड़े बढ़ा रहे हैं। आत्महत्या के 50 फीसदी मामले देश के सिर्फ पांच प्रांतों- महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में दर्ज हुए हैं। चिंतनीय यह भी है कि खुदकुशी के मामले साल-दर-साल बढ़ ही रहे हैं। देश में 2020 में आत्महत्या के कुल 1,53,052 मामले दर्ज हुए थे, जबकि 2021 में यह आंकड़ा करीब सात फीसदी बढ़ गया। इनमें गृहिणियां भी हैं और कामकाजी महिला-पुरुष भी। दिहाड़ी मजदूर भी हैं और किसान एवं युवा भी। हाल के वर्षों के ये आंकड़े समग्र समाज के समक्ष कई सवाल खड़े करने वाले हैं। दरअसल, आभासी हो या असल दुनिया, औपचारिकता और दिखावे का मुखौटा पहने अधिकतर लोग भावनात्मक रूप से खुद को अकेला महसूस करते हैं। अपनों और अपने परिवेश के लोगों से संबल नहीं मिल पा रहा। नतीजा, अवसाद और मन-मस्तिष्क की टूटन। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, आज अवसाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी बीमारी बन चुका है। बावजूद इसके मानसिक परेशानियों से टूटे मन की पीड़ा को समझने के बजाय या तो मजाक बना दिया जाता है या उपेक्षा का भाव रखा जाता है। यह बर्ताव भी जीवन से हारने का कारण बनता है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 15 से 29 साल के युवाओं में मौत का सबसे बड़ा कारण आत्महत्या ही है। डब्ल्यूएचओ काफी समय पहले ही आत्महत्या को सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के तौर पर रेखांकित कर चुका है। हमारे देश के परिप्रेक्ष्य में तो हालात भयावह ही कहे जाएंगे कि देश में 2021 में प्रति एक लाख की आबादी पर आत्महत्या के मामलों की राष्ट्रीय दर 12 प्रतिशत रही है। यह विडंबना ही है कि पारिवारिक मोर्चे पर सुदृढ़ माने जाने वाले भारतीय समाज में आत्महत्या के बढ़ते आंकड़ों की एक वजह घर-परिवार से जुड़ी समस्याएं भी हैं। ध्यान रहे कि घरेलू जीवन से जुड़ी परेशानियां जिंदगी के हर पहलू को गहराई से प्रभावित करती हैं। जीवन के किसी भी मोर्चे पर आई समस्याओं की उलझन के दौर में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से परिवार ही बड़ा सहारा बन सकता है। मौजूदा दौर में कहीं भावनात्मक टूटन और व्यावहारिक उलझनों के जाल में फंसे लोगों को परिजनों का साथ भी नहीं मिल पा रहा, तो कहीं परिवार के छोटे-बड़े सदस्य मिलकर सामूहिक आत्महत्या जैसा पीड़ादायी कदम उठा रहे हैं। असल में डिजिटल जीवनशैली ने भी इस मोर्चे पर काफी मुसीबत बढ़ाई है।

साल 2021 में देश भर में खुदकुशी के 1,64,033 मामले दर्ज किए गए। इस रिपोर्ट के अनुसार, कामकाजी परेशानियों से लेकर रिश्तों में अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक उलझनें, मानसिक समस्याएं, शराब की लत और वित्तीय नुकसान जैसे अहम कारण आत्महत्याओं के आंकड़े बढ़ा रहे हैं। आत्महत्या के 50 फीसदी मामले देश के सिर्फ पांच प्रांतों-महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में दर्ज हुए हैं। चिंतनीय यह भी है कि खुदकुशी के मामले साल-दर-साल बढ़ ही रहे हैं। देश में 2020 में आत्महत्या के कुल 1,53,052 मामले दर्ज हुए थे, जबकि 2021 में यह आंकड़ा करीब सात फीसदी बढ़ गया।

सैनिक शासन के अंदर ही अब आम जिंदगी जीने लगे हैं म्यांमार के धनी-मानी लोग

यंगून। म्यांमार के शहरों में अब हलचल बढ़ने लगी है। रेस्तरां और बार में नौजवान ग्राहकों की अब अपेक्षाकृत अधिक भीड़ देखी जा रही है। कुछ पर्यवेक्षकों के मुताबिक ये नजारा इस बात का संकेत है कि युवा वर्ग देश में पौने दो साल से जारी राजनीतिक टकराव से ऊबने लगा है। म्यांमार की सेना ने एक फरवरी 2021 को निर्वाचित प्रतिनिधियों को जेल में डालते हुए देश की सत्ता पर कब्जा जमा लिया था। तब से देश में गृह युद्ध की स्थिति रही है। लेकिन अब शहरों में हालत बदलते दिख रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यंगून में नए खुले कैफे और रेस्तरां में अब कारोबार फूल-फल रहा है। टाइमऑफ नाम के एक कैफे के कर्मचारी ने निक्कई एशिया से कहा- 'हमारे कैफे को काफी लोकप्रियता मिल रही है। खास कर नव युवतियों की यह पसंदीदा जगह बन गया हैं। वे लोग यहां आते हैं और एक दूसरे के फोटो खींचते हैं।' उसी कैफे में एक 27 वर्षीय नौजवान ने निक्कई एशिया के रिपोर्टर से कहा- 'नौजवान राजनीतिक संकट से ऊब गए हैं। इस हाल में साथ-साथ ड्रिंक लेने के अलावा हम और कुछ करने की स्थिति में नहीं हैं। यहां रेस्तरां चलाने वाले जापान उद्यमी शुनसुके इचिकावा ने कहा- 'लोग थक गए हैं। खास कर नौजवान सह सकने की सीमा पार कर गए हैं।' सप्ताहांत में कैफे में अब काफी भीड़ रहती है। वहां मौजूद एक ग्राहक ने कहा- 'हमें रोज ही परेशान करने वाली खबरें मिलती हैं। मसलन, कहीं लोग मारे गए तो कहीं उन्हें लूट लिया गया है। हम अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। इसके बीच कभी-कभी हम तनाव से निकलना चाहते हैं। इसके लिए अकसर मैं कैफे जाता हूं और वहां दोस्तों के बीच हम कुछ देर के लिए सब कुछ भूल जाते हैं।

सैनिक तख्ता पलट के बाद यंगून में तकरीबन 80 फीसदी मनोरंजन स्थल ठप पड़ गए थे। उसके पहले कोविड-19 महामारी के कारण भी यही हाल था। तख्ता पलट के बाद महीनों तक लोगों ने यंगून के सबसे बड़े मॉल म्यांमार प्लाजा का बहिष्कार कर रखा था। नवंबर 2021 में यहां सेना विरोधी प्रदर्शन के दौरान मॉल के सिक्योरिटी गार्ड्स ने प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की थी। उसके बाद बहिष्कार और बढ़ गया। लेकिन कुछ महीने पहले वहां लोगों की आवाजाही बढ़ने लगी।

न्यूज ब्रीफ

इमरान खान पर हमला करने वाले को 10 दिन और जेआईटी हिरासत में भेजा, पाक कोर्ट ने सुनाया फैसला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक रैली के दौरान हमले का शिकार हुए इमरान खान के हमलावर को पाक की अदालत ने मंगलवार को 10 दिन और संयुक्त जांच दल (जेआईटी) की हिरासत में भेज दिया। जेआईटी इमरान पर हमले की जांच कर रही है, इसके तहत ही हमलावर से घटना की जानकारी के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। अदालत के एक अधिकारी ने बताय कि पुलिस ने हमलावर मुहम्मद नवीद को आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) गुजरांवाला के सामने पेश किया। इसके बाद एटीसी ने हमलावर को पूछताछ के लिए 10 और दिनों के लिए जेआईटी की हिरासत में भेज दिया। बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान को लाहौर से लगभग 150 किलोमीटर दूर पंजाब के वजीराबाद इलाके में तीन नवंबर को दाएं पैर में गोली मार दी थी। जब उनको गोली मारी गई तब वह शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ दबाव बनाने के लिए एक रैली का नेतृत्व कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि कि जेआईटी के एक सदस्य ने अदालत में जानकारी दी कि इमरान खान पर बंदूक से किए गए हमले की जांच चल रही है, अभी हमलावर का पॉलीग्राफ टेस्ट भी कराना है। आगे अधिकारी ने कहा कि संदिग्ध को पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए इस हफ्ते लाहौर लाया जा सकता है। पुलिस ने हमलावर नावेद को तीन नवंबर को गिरफ्तार किए जाने के बाद पहली बार 17 नवंबर को एटीसी के सामने पेश किया। वहीं इमरान खान ने अपने ऊपर हुए हमलो को लेकर हत्या की साजिश रचने के लिए बार-बार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह और आईएसआई के मेजर जनरल फैसल नसीर को दोषी ठहराया। साथ ही पंजाब पुलिस ने इमरान खान पर हत्या के प्रयास के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की थी हालांकि उसमें किसी बड़े व्यक्ति का नाम नहीं था।

ईरान में मानवाधिकार हनन करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, अमेरिका ने की प्रतिबंध की घोषणा

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका ने उन लोगों के खिलाफ प्रतिबंधों की घोषणा की जो ईरान में मानवाधिकारों का घोर हनन और दमन कर रहे हैं। ईरान में प्रदर्शनकारियों का समर्थन करने पर एक सवाल के जवाब में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि हमारे पास उन लोगों के खिलाफ प्रतिबंधों के संबंध में घोषणाओं की भरमार है जो इन घोर मानवाधिकारों के हनन और दमन को अंजाम दे रहे हैं। हमने सिर्फ खुद ही ऐसा नहीं किया है, हमने दुनिया भर के अन्य देशों के साथ समन्वय और गठबंधन किया है, जो हो रहा है उसके खिलाफ निंदा का एक अंतरराष्ट्रीय कोरस तैयार किया है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ के विदेश मामलों के मंत्रियों ने मंगलवार को बीस व्यक्तियों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं और सोमवार को मानवाधिकारों के हनन पर एक इकाई को मंजूरी दी गई थी। ईरान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को सरेआम फांसी दी जा रही ईरान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को सरेआम फांसी दी जा रही है। विरोध की आवाज उठाने के आरोप में एक सप्ताह से भी कम समय में दो लोगों को सरेआम मौत की सजा दी गई है। ईरान में एक प्रदर्शनकारी को दो सुरक्षाकर्मियों को चाकू मारने का दोषी पाए जाने के बाद सरेआम फांसी दे दी गई।

चीन ने भेजे परमाणु हमला करने वाले फाइटर: 24 घंटे में 18 बॉम्बर ने की घुसपैठ, ताइवान बोला- यह हम पर हमला करने की कोशिश

ताइपे। भारत के अरुणाचल प्रदेश में घुसपैठ की नाकाम कोशिश के बाद अब चीन ने ताइवान में अपने लड़ाकू विमान भेजे हैं। मंगलवार सुबह ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में चीन ने 18 बॉम्बर ताइवान के एयर डिफेंस जोन में भेजे हैं। जो परमाणु हमला करने में माहिर हैं। मंगलवार को एयर डिफेंस में आए 18 लड़ाकू विमानों को ताइवान में 2020 के बाद चीन की अब तक की सबसे बड़ी घुसपैठ के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल दोनों देशों के बीच संबंध लगातार खराब होते जा रहे हैं। इसी के चलते पिछले दिनों चीन ने ताइवान से आयात किए जाने वाले खाने, शराब और सी फूड जैसी कई चीजों पर भी बैन लगा दिया था।

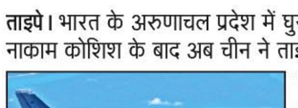

भारत की अध्यक्षता को मिला जी-7 देशों का समर्थन सभी ने न्यायपूर्ण दुनिया के प्रति जताई प्रतिबद्धता

वाशिंगटन।

जी-7 देश सोमवार को भारत की जी-20 अध्यक्षता का समर्थन करते हुए एक न्यायपूर्ण दुनिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सोमवार को जारी संयुक्त बयान में जी-7 देशों के नेताओं ने कहा कि वे सभी के लिए एक स्थायी भविष्य का समर्थन करते हैं। जर्मन प्रेसीडेंसी के तहत हम अन्य अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर वर्तमान समय की प्रमुख प्रणालीगत चुनौतियों और तत्काल संकट से निपटने के लिए हर स्तर पर तैयार हैं। हमारी प्रतिबद्धताएं और कार्य एक न्यायपूर्ण दुनिया की ओर प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। जी-7 देशों ने आगे कहा कि हम सभी के लिए एक शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के पुनर्निर्माण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

जी-7 देश एक बार फिर से यूक्रेन के समर्थन में दिखे

सोमवार को सात देशों के समूह (जी7) के नेताओं ने गंभीर भू-राजनीतिक संकट और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण क्षण के समय वैश्विक चुनौतियों का संयुक्त रूप से समाधान करने के लिए जर्मनी की अध्यक्षता में अपने सहयोग की प्रगति पर प्रकाश डाला। समूह में यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमीर जेलेंस्की भी शामिल थे। लंबे समय तक जारी रूसी आक्रामकता के युद्ध के सामने यूक्रेन के लिए उनके अटूट समर्थन और एकजुटता की पुष्टि करते हुए, जी-7 नेताओं ने रूस के निरंतर अमानवीय और क्रूर हमलों की निंदा की।

जी-20 अध्यक्षता लेने के बाद पीएम मोदी ने एकता की बात दोहराई थी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के विषय से प्रेरित होकर एकता को बढ़ावा देने के लिए काम करेगा और आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, महामारी को सबसे बड़ी चुनौतियों के रूप में सूचीबद्ध करेगा जो एक साथ सबसे अच्छी तरह से लड़ी जा सकती हैं।

भारत की जी-20 प्राथमिकताओं को न केवल हमारे जी20 भागीदारों, बल्कि वैश्विक दक्षिण में हमारे साथी-यात्रियों के परामर्श से आकार दिया जाएगा, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी कर दी जाती है, मोदी ने एक लेख में कहा जो कई अखबारों में छपा और उनकी वेबसाइट पर भी पोस्ट किया गया। उन्होंने कहा था कि भारत का जी20 एजेंडा समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई उन्मुख और निर्णायक होगा। राज्य/सरकार के प्रमुखों के स्तर पर अगला जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन 9 और 10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है।

जी-20 समूह में ये देश हैं शामिल

जी-20 समूह दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी मंच है। इसमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं। (यूरोपीय संघ)।

अपराधियों को माफी देने के अध्यादेश का फैसला कर बुरी तरह फंसे देउबा

काठमांडो। कार्यवाहक सरकार में होने के बावजूद अध्यादेश जारी करने का फैसला कर नेपाल की शेर बहादुर देउबा सरकार ने देश में एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। खुद प्रधानमंत्री देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार के इस कदम की कड़ी आलोचना की है। नेपाल में इस समय नई सरकार बनने की प्रक्रिया चल रही है। इस बीच देउबा सरकार के अध्यादेश जारी करने के निर्णय को अनुचित बताया गया है।

देउबा सरकार ने ये अध्यादेश आपराधिक संहिता में संशोधन के लिए जारी किया है। नए संशोधन के तहत सरकार को जघन्य अपराधों में सजा पाए मुजरिमों को भी माफी देने का अधिकार मिल जाएगा। जिन नेताओं ने देउबा सरकार के इस रुख पर एतराज जताया है, उनमें नेपाली कांग्रेस के दोनों महासचिव- गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा भी शामिल हैं। गगन थापा ने सरकार से तुरंत ये अध्यादेश वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि नेपाली कांग्रेस सरकार के इस कदम का समर्थन नहीं कर सकती। थापा ने अपनी ये राय सोशल मीडिया के जरिए जताई। उसके पहले पार्टी महासचिव विश्व प्रकाश शर्मा ने इस कदम के विरोध में अपनी राय जताई थी। उनका समर्थन करते हुए थापा ने कहा- 'सरकार के अध्यादेश जारी करने के मुद्दे पर महासचिव शर्मा ने जो राय जताई है, वह बिल्कुल सही है। यह सिर्फ हमारी राय नहीं है, बल्कि नेपाली कांग्रेस अतीत में यह फैसला कर चुकी है कि संसद को ठेंगा दिखाते हुए इस रूप में अध्यादेश जारी करना गलत है।

शर्मा ने कहा था कि सरकार के ऐसे कदम का नेपाली कांग्रेस समर्थन नहीं कर सकती। देउबा सरकार ने रविवार को अपनी एक बैठक में अध्यादेश जारी करने का निर्णय लिया था। सोमवार को इस बारे में सूचना सार्वजनिक की गई। इसके कुछ ही घंटों के अंदर शर्मा ने अपना विरोध जता दिया। उसके कुछ देर बाद थापा ने शर्मा के समर्थन में अपना बयान सोशल मीडिया पर पोस्ट कर डाला। नेपाली कांग्रेस के एक अन्य नेता प्रदीप पौडेल ने भी इस मुद्दे पर देउबा सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि अध्यादेश जारी करना पहले भी गलत था और आज भी यह गलत है। उन्होंने मांग की है कि इस बारे में निर्णय लेने का मौका नई संसद को दिया जाना चाहिए।

यूक्रेन पर उसी की मिसाइलों से हमला कर रहा रूस 1990 में सोवियत संघ से अलग होने पर सौंपा था

कीव। यूक्रेन को युद्ध में अजीब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। यूक्रेन के डिप्टी इंटेलिजेंस प्रमुख जनरल वादिम स्कीबित्सकी ने बताया कि अक्तूबर के बाद रूस उस पर उन मिसाइलों से हमला कर रहा है, जिन्हें यूक्रेन ने 1990 में सोवियत संघ से अलग होने पर रूस को सौंपा था। असल में 1990 में सोवियत संघ से अलग होने के बाद यूक्रेन के पास परमाणु हथियारों का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा खजाना था।

आर्थिक संकट का सामना कर रहे यूक्रेन ने अमेरिका और यूरोप के दबाव में अपने परमाणु हथियार त्यागने का फैसला किया था। जनरल स्कीबित्सकी ने बताया कि परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम 1970 के दशक में यूक्रेन में बनाई गईं केएच-55 सबसोनिक क्रूज मिसाइल का मलबा पिछले दिनों रूसी हमले के बाद ख्मेलनित्स्की इलाके में मिला। उन्होंने बताया कि सिर्फ मिसाइल ही यूक्रेन में बनी हुई नहीं थी, बल्कि जिस टीयू-160 बमवर्षक से इसे गिराया गया, वह भी यूक्रेन में बना था।

जनरल स्कीबित्सकी ने बताया कि बिना परमाणु हथियारों के यह मिसाइल कोई खास नुकसान नहीं पहुंचा सकती, लेकिन जब यह असामान में होती है, तो एयर डिफेंस सिस्टम इसे धराशायी करने में व्यस्त हो जाते हैं, इसी बीच रूस अत्याधुनिक मिसाइलों से लक्ष्यों पर सटीक हमले कर देता है। अभी तक तीन मिसाइलों के अवशेष मिले हैं, जो यूक्रेन में बनी थीं और यूक्रेन पर इन्हें दागा गया है।

रूसी हमले की क्षमताओं में गिरावट का दावा करते हुए जनरल ने कहा कि रूस के पास अब चार-पाचं बार के बड़े हमले लायक मिसाइलें बची हैं। एक बार के हमले में 80 से 90 मिसाइलें होती हैं। बीते सोमवार को रूस ने एक साथ 70 मिसाइलें दागी थीं। स्किबिट्स्की ने कहा कि रूस के पास अब आधुनिक व सटीक हमले में सक्षम मिसाइलें काफी कम बची हैं, क्योंकि रूस एक माह में 40 से ज्यादा मिसाइलें नहीं बना सकता। इस लिहाज से देखें, तो युद्ध की शुरुआत के बाद से रूस 360 केएच और कैलिब्र मिसाइलें ही बना पाया होगा।

चीन ने दी शून्य कोविड नीति में लोगों की आवाजाही पर नजर रखने से छूट

बीजिंग। चीन अपनी सख्त शून्य-कोविड नीतियों के तौर पर निवासियों के आने-जाने पर नजर रखने की आवश्यकता खत्म करेगा। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लागू की गई चीन की इन कड़ी नीतियों का व्यापक पैमाने पर विरोध किया गया है। सोमवार मध्यरात्रि से स्मार्टफोन एप काम करना बंद कर देगा जिसका मतलब है कि निवासियों के आने जाने पर नजर नहीं रखी जाएगी। इसके साथ ही इसकी संभावना भी कम हो गई है कि निवासियों को महामारी के ज्यादा मामलों वाले क्षेत्रों की यात्रा करने पर पृथकवास के लिए विवश किया जाएगा। इससे पहले सरकार ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वह ज्यादातर कठोर उपायों को खत्म कर रही है। बीजिंग और कई अन्य शहरों में पिछले महीने पाबंदियों को लेकर प्रदर्शन तेज हो गए थे और प्रदर्शनकारियों ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग तथा सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से इस्तीफा देने तक की मांग की थी।

आतंकी हमलों के कारण कानून-व्यवस्था के बिगड़े हालात, एफआईए के सहायक निदेशक की हत्या

पेशावर। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कानून और व्यवस्था के हालात बेहद खराब हो गए हैं। आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि यहां पूरे प्रांत में आतंकी हमले बढ़ गए हैं। अगस्त के मध्य और नवंबर के अंतिम सप्ताह तक प्रांत में कम से कम 118 आतंक हमले दर्ज हुए, जबकि 26 पुलिसकर्मी, अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 12 कर्मियों और 17 नागरिक मारे गए।

सोमवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, पेशावर, दक्षिणी क्षेत्रों और मर्दन क्षेत्र सहित कई जिलों में हाल ही में हुए हमलों के बाद पुलिस पूरे प्रांत में हाई अलर्ट पर है। एक सूत्र के हवाले से बताया कि पुलिस के अलावा, प्रमुख राजनेताओं ने भी धमकी मिलने की शिकायत की है। उनके कुछ घरों को भी ग्रेनेड से निशाना बनाया गया है। रविवार को, अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) प्रांत की प्रवक्ता समर बिलौर ने कहा कि उनके प्रांतीय अध्यक्ष आइमल वली

खान को उनकी हत्या की साजिश के बारे में फोन आया था। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने ऐसी धमकियों की निंदा की है।

एफआईए के सहायक निदेशक की हत्या - पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के 48 वर्षीय सहायक निदेशक इनामुल्लाह खान की हमलावरों ने मोहल्ला मीर में अपने परिवार के साथ एक निर्माणाधीन घर में गोली मारकर हत्या कर दी। हमलावरों की पहचान शरीफुल्ला और अली बहादर के रूप में हुई है। हमले में खान का परिवार बाल-बाल बचा। उनके परिवार का हमलावरों से कोई विवाद नहीं था। फिलहाल जांच जारी है।

अफगानिस्तानी सीमा पर फायरिंग की निंदा - पीएम शहबाज शरीफ ने अशांत बलोचिस्तान प्रांत स्थित चमन क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके में अफगानिस्तानी तालिबान बलों द्वारा की गई गोलीबारी की निंदा की है। इस फायरिंग में दस लोगों की मौत हुई जबकि 16 अन्य घायल हो गए। बता दें कि दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए अहम मुख्य सीमा पर गोलीबारी की इस घटना के बाद सोमवार को भी इस्लामाबाद और अफगानिस्तान के तालिबान शासकों में तनाव रहा। शहबाज ने कहा कि यह घटना अकारण की गई जो दुर्भाग्यपूर्ण थी।

बलोचिस्तान में बम धमाका, एक की मौत - पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के अवारन जिले में एक धमाके के बाद एक मौत और सात अन्य के घायल होने की सूचना है। यह धमाका अवारन के मुख्य बाजार में एक दुकान में हुआ और दुकानदार की मौत हो गई।

पाकिस्तान में सियासी मेल-मिलाप, शहबाज शरीफ की दोहरी बातों पर कयास

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता इमरान खान के साथ बातचीत के मुद्दे पर दोहरी बातें कही हैं। इस बयान के पीछे उनका क्या मकसद है, इसको लेकर यहां कयास लगाए जा रहे हैं। एक राय यह जताई गई है कि विदेशी मदद हासिल करने के लिए शरीफ देश में सियासी मेलमिलाप का संकेत दे रहे हैं, लेकिन वे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ सचमुच कोई समझौता करने को इच्छुक नहीं हैं।

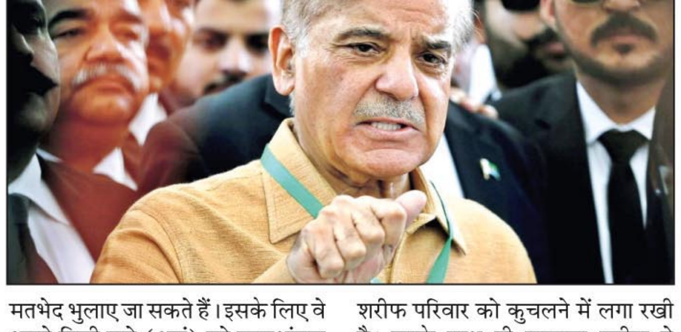

शरीफ ने सोमवार को यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि राष्ट्रीय हित में सभी मतभेद भुलाए जा सकते हैं। इसके लिए वे अपने निजी इगो (अहं) को नजरअंदाज करने को भी राजी हैं। लेकिन लगे हाथ उन्होंने देश के मौजूदा संकटों का दोष इमरान खान के सिर मढ़ दिया। उन्होंने इमरान खान को 'झूठा' करार देते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी सारी ताकत शरीफ परिवार को कुचलने में लगा रखी है। इसके साथ ही शहबाज शरीफ ने आश्वस्त करने की कोशिश की कि पाकिस्तान के डिफॉल्टर (कर्ज चुकाने में अक्षम) होने की आशंका नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए दिन-रात मेहनत कर रही है। वह लोगों को राहत पहुंचाने में जुटी है- खास कर हाल में आई बाढ़ के पीड़ितों की मदद करना उसका मकसद है। हफ्ते भर से देश में यह चर्चा है कि सऊदी अरब जैसे पाकिस्तान के मददगार देशों ने शरीफ सरकार को साफ संकेत दिया है कि वे तभी आर्थिक मदद देंगे, जब देश में राजनीतिक स्थिरता का भरोसा उन्हें हो। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक सऊदी अरब ने कहा है कि जब तक पाकिस्तान में नए चुनाव नहीं होते, राजनीतिक अस्थिरता बनी रहेगी। विश्लेषकों के मुताबिक शहबाज शरीफ का ताजा बयान सऊदी अरब और अन्य सहायक देशों के लक्ष्य करके दिया गया है। वे उन्हें यह संदेश देना चाहते हैं कि अपनी तरफ से वे देश में मेलमिलाप करने और स्थिरता लाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। ऐसी खबर है कि सऊदी अरब इसी महीने पाकिस्तान के लिए अरबों डॉलर की मदद घोषित करने को तैयार है। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय के दो अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। उनके मुताबिक सऊदी अरब पाकिस्तान को नकदी के अलावा तेल आयात के बदले भुगतान में देर करने की सुविधा देने पर भी राजी हो गया है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशहाक डार ने कहा है कि इस बारे में सऊदी अरब के साथ ही जल्द ही औपचारिक वार्ता होने की संभावना है। कुछ मीडिया टिप्पणियों में राय जताई गई है कि अगर देश में उथल-पुथल की संभावना बनी रही, तो सऊदी अरब प्रस्तावित मदद देने में देर कर सकता है। अगर ऐसा हुआ, तो पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से कर्ज मिलने में और देर हो सकती है। आईएमएफ छह बिलियन डॉलर से अधिक का नया कर्ज देने पर सितंबर में राजी हो गया था, लेकिन अभी तक उसने ये रकम जारी नहीं की है। इसलिए सऊदी अरब की मदद पाकिस्तान के लिए जीवन-मरण का सवाल बनता जा रहा है।

भारत के साथ पीएलए सैनिकों की झड़प पर आया चीन का पहला बयान

बीजिंग। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प पर जहां संसद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बयान दे दिया है, वहीं अब इस मुद्दे पर चीन की तरफ से भी पहला बयान आया है। चीन ने कहा है कि फिलहाल भारतीय सीमा के पास स्थिति स्थिर है। गौरतलब है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा और राज्यसभा में दिए बयान में कहा कि पीएलए ने भारतीय सीमा पर अतिक्रमण की कोशिश की। हालांकि, भारतीय सैनिकों ने बहादुरी से चीनी सैनिकों को खदेड़ दिया। उन्होंने बताया कि इस मुठभेड़ में किसी सैनिक की न तो मृत्यु हुई और न ही कोई घायल हुआ। दूसरी तरफ चीन की मीडिया में अब तक सैनिकों की झड़प की खबर गायब है।

आठ माह में पंजाब बना गैंगलैंड, गुजरात के बाद अब पंजाब में सत्ता की बारी : रुपाणी

राहुल भारत जोड़ो यात्रा पर हैं और कांग्रेस टूट रही है

चंडीगढ़ (हिंस)। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पंजाब भाजपा प्रभारी विजय रुपाणी ने कहा है कि पिछले आठ माह के दौरान पंजाब में गैंगस्टर वाद तेजी से बढ़ा है। भारतीय जनता पार्टी ही यहां स्थिर सरकार दे सकती है। रूपाणी मंगलवार से दो दिवसीय प्रवास पर पंजाब भाजपा कार्यालय पहुंचे और यहां दिनभर बैठकें कीं। प्रदेश भाजपा मुख्यालय पहुंचने पर भाजपा पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने अपनी टीम के पदाधिकारियों सहित विजय रुपाणी का स्वागत किया। विजय रूपाणी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित अलग-अलग बैठकों में कार्यकर्ताओं के रूबरू हुए। इस अवसर पर उनके साथ संगठन महामंत्री श्रीनिवासुलू, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ, केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुनील जाखड़, अविनाश राय खन्ना, मनोरंजन कालिया, बीबी अमनजोत कौर रामूवालिया, बिक्रमजीत सिंह चीमा भी उपस्थित थे। विजय रूपाणी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज भाजपा विश्व का सबसे बड़ा कार्यकर्ताओं पर आधारित राजनीतिक दल है, जिसकी विचारधारा में सबसे पहले देश है और उससे बड़ा कोई नहीं। उसके बाद संगठन, कार्यकर्ता और उसके उपरांत व्यक्ति विशेष आता है। भाजपा कार्यकर्ता निःस्वार्थ रूप से जनता की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं, जिसके चलते जनता के दिल में भाजपा के प्रति विश्वास और सुदृढ़ हुआ है। रूपाणी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि गुजरात की तरह पंजाब भी सीमावर्ती राज्य है और इसकी अपनी समस्याएं हैं। जिसके चलते यहां कानून-व्यवस्था को बहुत सोच-समझ कर संभालने की जरूरत है। गुजरात की जनता द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई स्वीकार करते हुए फिर से भाजपा को दिए गए पूर्ण बहुमत पर गुजरात की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी के झूठ को अच्छी तरह समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान पंजाब को रामभरोसे छोड़ कर खुद अन्य चुनावी राज्यों की राजनीतिक यात्रा का आनंद लेते रहे हैं। आप सरकार के 8 महीने के शासन में पंजाब में गैंगस्टरों व अराजकतावादी तत्वों ने अपना शासन कायम कर लिया। पंजाब में रोजाना हो रही हत्या, डकैती, फिरौती और लूटपाट की घटनाओं से जनता दहशत में है। पंजाब की जनता का भरोसा आम आदमी पार्टी से उठ चुका है। पंजाब की जनता अब भाजपा को जनादेश देने का मन बना चुकी है। राहुल गांधी द्वारा निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद टूट रही है और राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। विजय रूपाणी ने अपने दो दिवसीय प्रवास के पहले दिन पंजाब में होने वाले निकाय चुनाव को लेकर अपेक्षित श्रेणी, प्रदेश कोर ग्रुप, प्रदेश पदाधिकारीयों, प्रदेश मोर्चा अध्यक्षों तथा नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायत इंचार्जों के साथ अलग-अलग संगठनात्मक बैठकें की।

जनाक्रोश रैली में विधायक पर भड़के लोग

विधायक बोले, काम नहीं कराया तो वोट मत देना, पर धमकाओ मत

नागौर (हिंस)। प्रदेश भाजपा संगठन राज्य की सभी दो सौ विधानसभाओं में कांग्रेस सरकार के खिलाफ जन आक्रोश रैली निकालकर चुनावी माहौल तैयार कर रहा है। इसी कड़ी में मकराना विधानसभा क्षेत्र में विधायक रूपाराम मुरावतिया की अगुवाई में गांव-गांव में रैलियां निकाली गई। इस दौरान उन्हें बरवाला, चावंडिया और गेलासर गांव में जबरदस्त विरोध झेलना पड़ा। मकराना विधानसभा के चावंडिया गांव में उन्हें सुनने को मिला कि आप चार साल में पहली बार आए हो। विकास के नाम पर भजन कीर्तन हुआ है। अब ये रथ लेकर पहुंचे हो। अपने ही क्षेत्र में लोगों के गुस्से का सामना करने के बाद विधायक को कहना पड़ा कि काम नहीं हुआ है तो वोट मत देना, लेकिन धमकाओ मत। लोगों के विरोध के तीन वीडियो सामने आने के बाद मुरावतिया ने कहा कि यह कांग्रेस के लोगों की साजिश थी। हमने क्षेत्र में पर्याप्त विकास के काम कराए हैं। पहला वीडियो गेलासर गांव का है। यहां मनरेगा श्रमिकों ने विधायक से कहा कि उनके क्षेत्र में श्रमिकों को न समय पर मजदूरी मिल रही है और न ही पूरा काम। हालांकि मुरावतिया उन्हें समझाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन वे सुनने को ही तैयार नहीं थे। ऐसे में काफी प्रयास करने के बाद भी जब समझाइश सफल नहीं हुई और बात बिगड़ने लगी तो मुरावतिया वहां बैठे श्रमिकों को हाथ जोड़कर चुपचाप निकल गए। उधर, श्रमिक पीछे जमकर चिल्लाते रहे। दूसरा वीडियो चावंडिया गांव का है। जहां विधायक को लोगों ने खूब खरी खोटी सुनाई। विधायक को घेरते हुए लोगों ने नाराजगी जाहिर की। एमएलए मुरावतिया लोगों को समझाने लगे तो लोग उल्टा आवेश में आ गए। इस पर मुरावतिया ने उन्हें कहा कि अगर आप लोगों को लग रहा है कि मैंने कोई काम नहीं कराया है तो आप मुझे वोट मत देना, लेकिन धमकाओ मत। तीसरा वीडियो बरवाली गांव का है। वहां भी लोगों ने विकास कार्यों की अनदेखी करने और द्वेषपूर्ण राजनीति को लेकर मुरावतिया का विरोध किया। यहां मुरावतिया ने उन्हें खूब समझाया, लेकिन लोग नहीं माने और लगातार आलोचना करते रहे। इस मामले में मुरावतिया ने बताया कि मकराना विधानसभा के कुल 85 गांवों में जनाक्रोश रैलियां निकालीं गईं। सभी में अपार जनसमर्थन मिला और लोगों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ भारी विरोध जताया। इन रैलियों की सफलता से कांग्रेसी बौखला गए। ऐसे में अंतिम दो दिनों में कांग्रेस ने प्लांड तरीके से 3 गांवों गेलासर, बरवाली और चावंडिया में सिलसिलेवार ढंग से अपने ही कार्यकर्ताओं से मेरा विरोध करवाया।

आधी छुट्टी से पहले कोई भी अध्यापक या स्कूल प्रमुख नहीं जाएगा ऑन-ड्यूटी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बड़ा फैसला लेते हुए जिला शिक्षा अफसरों को फील्ड में काम कर रहे विज्ञान, गणित और अंग्रेजी/सामाजिक शिक्षा विषय के 749 ब्लॉक और जिला मेंटरों (बीएम और डीएम) को तुरंत जरूरतमंद स्कूलों में तैनात करने संबंधी आदेश दिए हैं। शिक्षा मंत्री ने मंगलवार को जारी आदेश में कहा है कि वर्तमान समय में इन विषयों के 680 अध्यापक बतौर ब्लॉक मेंटर और 69 अध्यापक बतौर जिला मेंटर स्कूलों में पढ़ाने की जगह फील्ड ड्यूटी कर रहे थे। बैंस के अनुसार *मिशन-100 प्रतिशत* मुहिम का मकसद फर्जी आंकड़े पेश करके वाहवाही कमाना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता को सुधार कर हर विद्यार्थी की सीखने की कुशलता में वृद्धि करना है। बैंस ने कहा कि उनको कुछ जिलों से रिपोर्ट मिली थी कि यह तैनातियां करते समय विभागीय नियमों का पालन नहीं किया गया है, जिस संबंधी स्पष्ट हिदायतें हैं कि माध्यमिक स्कूलों में कोई भी मेंटर तैनात ना किया जाए परंतु सिंगल टीचर माध्यमिक स्कूल में केवल एक मेंटर तैनात किया जा सकता है। इसी तरह यह तैनातियां करते समय सबसे पहले दूर और पिछड़े क्षेत्र के स्कूलों को कवर किया जाए, जहां अध्यापकों की बड़ी कमी है और फिर 50 प्रतिशत स्टाफ वाले स्कूलों में जहां किसी विषय के अध्यापक की सख्त जरूरत है, उसे कवर किया जाए और आखिर में उन स्कूलों में मेंटरों को तैनात किया जाए जहां संबंधित विषय का कोई अध्यापक नहीं है। शिक्षा मंत्री के अनुसार किसी भी अध्यापक के साथ पक्षपात से गुरेज किया जाए और बड़े स्कूल जहां इक्का-दुक्का पोस्ट खाली हैं, शहरी क्षेत्र या शहरों के पास के स्कूलों में यह तैनातियां बिल्कुल ना की जाएं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह तैनातियां अगले आदेश तक की जाएंगी और इस संबंधी लिखित आदेश सेकंडरी विभाग के जिला शिक्षा अफसरों द्वारा आज ही जारी किए जाएंगे।

सरकार से खफा नगरपालिका कर्मचारी झाड़ू लेकर सड़कों पर उतरे

फतेहाबाद (हिंस)। अग्निशमन विभाग का आपदा प्रबंधन में विलय और नगर पालिका कर्मचारी संघ व हरियाणा सरकार के बीच हुई वार्ता के बाद कोई लेटर जारी नहीं करने के विरोध में नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर मंगलवार को जिला फतेहाबाद की पांचों कमेटियों भूना, फतेहाबाद, टोहाना, रतिया, जाखल के सभी कर्मचारियों ने उलटा झाड़ू लेकर रोष प्रदर्शन किया और नगर आयुक्त कार्यालय जाकर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व संघ के जिला उपप्रधान ओमप्रकाश लोट ने किया जबकि संचालन सचिव सतबीर सहारण ने किया। प्रदर्शन से पूर्व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए नगरपालिका कर्मचारी संघ के जिला कोषाध्यक्ष नरेश राणा ने कहा कि कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर 19 से 29 अक्तूबर तक 10 दिन की राज्य व्यापी हड़ताल की गई थी। उस समय शहरी स्थानीय निकाय

मंत्री की अध्यक्षता में अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें सरकार से तरफ से ठोस आश्वासन दिया गया था कि 6 नवंबर को आचार सहिंता समाप्त होते ही मानी गई मांगों के पत्र जारी कर दिए जाएंगे लेकिन एक महीने से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद सरकार की तरफ से मानी गई मांगों बारे कोई पत्र जारी नहीं किया गया है। सरकार की इस वायदाखिलाफी से प्रदेशभर के कर्मचारियों में जबरदस्त रोष है। इस बारे पत्र जारी करने की बजाए हरियाणा सरकार अग्निशमन विभाग को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में शामिल करने जा रही है जोकि कर्मचारियों के साथ धोखा है। उन्होंने मांग की कि बातचीत में मानी गई सभी मांगों के जल्द पत्र जारी किए जाएं व फायर विभाग के कर्मचारियों के वेतन की डीडी पावर डीएमसी को देते हुए अग्निशमन विभाग को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में शामिल न किया जाए। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने इन बारे जल्द कोई कार्रवाई नहीं की तो कर्मचारियों को मजबूरन दोबारा आंदोलन करना पड़ेगा।

भाजपा की जन-आक्रोश रैली फ्लॉप शो : राठौड़

अजमेर (हिंस)। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की जन आक्रोश रैली फ्लॉप शो साबित हो रही है। राठौड ने कहा कि जन आक्रोश रैली में भाजपा को आम जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है केवल भाजपा के कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि सरकार का विरोध कर भ्रामक प्रचार रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में आज भाजपा की केंद्र सरकार के खिलाफ जबरदस्त जन आक्रोश है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले माह से 25 से 30 प्रतिशत की कमी आई है। वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमत 75 प्रति बैरल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। परंतु भाजपा की केंद्र सरकार एवं तेल कंपनियों ने 7 माह से तेलों की कीमतें स्थिर कर रखी है। केंद्र सरकार को चाहिए कि तेल की कीमतों में 25 से 30 प्रतिशत की कमी कर आमजन को महंगाई से राहत पहुंचाएं। निगम अध्यक्ष राठौड़ ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने पूरे देश की जनता के साथ विश्वासघात किया है। लोक लुभावने वादे कर सत्ता में काबिज हुई है और अब कमरतोड़ महंगाई और बेरोजगारी से आम जनता त्रस्त है। भाजपा राजस्थान में जन आक्रोश रैली निकालकर मुद्दा विहीन राजनीति कर रही है और गहलोत सरकार के खिलाफ सरकार विरोधी लहर पैदा करने की कोशिश कर रही है कामयाब नहीं होंगे। हाल ही में सरदार शहर उपचुनाव में आम मतदाता ने गहलोत सरकार के सुशासन पर मोहर लगाई है। निगम अध्यक्ष राठौड़ ने कहा कि भाजपा जन आक्रोश रैली रथ निकालकर कांग्रेस को कोस रही है।

आरोपी अध्यापक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया रोड जाम

फतेहाबाद (हिंस)। जिले के गांव चंद्रावल के राजकीय उच्च विद्यालय चंद्रावल में कार्यरत संस्कृत अध्यापक द्वारा कुछ छात्राओं को व्हाट्सअप पर आपत्तिजनक मैसेज भेजने के मामले में आरोपी अध्यापक की गिरफ्तारी न होने पर ग्रामीणों में रोष बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को इस मामले में आरोपी अध्यापक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने गांव के बाहर सिरसा- चंडीगढ़ रोड पर जाम लगा दिया और नारेबाजी शुरू कर दी। डीएसपी जुगलकिशोर ने मौके पर जाकर ग्रामीणों से बातचीत की और आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि गांव के सरकारी स्कूल में आठवीं कक्षा की मात्र 12 वर्ष की छात्रा को 50 वर्ष से अधिक आयु के संस्कृत अध्यापक द्वारा आपत्तिजनक पोस्ट भेजकर गुरु और शिष्य के रिश्ते को कलंकित किया गया है। ऐसे शिक्षक को तुरंत गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे भेजना

चाहिए, मगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके गिरफ्तारी की कार्रवाई को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। पिछले चार दिनों से ग्रामीण आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस स्टेशन में चक्कर काट रहे है, लेकिन पुलिस व शिक्षा विभाग के अधिकारी मात्र जांच-पड़ताल के नाम पर खानापूर्ति कर रहे है। ऐसे में मंगलवार को ग्रामीणों को मजबूर होकर रोड जाम करने पर बेबस होना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी स्कूल में बबरू भान नामक संस्कृत अध्यापक ने कई दिन पहले दसवीं कक्षा की छात्रा के मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप चैट के माध्यम से अश्लील मैसेज कर दिया था। अभिभावकों के सामने संस्कृत अध्यापक बबरूभान ने अपनी गलती स्वीकार करने और अनजाने में हो जाने का हवाला दिए जाने के बाद माफ कर दिया था। अब 15 दिन पहले दोबारा आठवीं कक्षा की छात्रा के मोबाइल पर उपरोक्त अध्यापक ने व्हाट्सएप चैट के माध्यम से आपत्तिजनक पोस्ट डाल दी, जिसके बाद गांव में अध्यापक बबरूभान के खिलाफ रोष फैल गया। गांव में विरोध के चलते आरोपी अध्यापक छुट्टी लेकर चला गया। इसके साथ-साथ स्कूल का मुखिया कैलाश चंद्र भी छुट्टी पर चला गया। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने 6 दिसंबर को स्कूल पर तालाबंदी करके छात्राओं के साथ गलत हरकत करने वाले आरोपी अध्यापक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और लापरवाह स्कूल मुखिया के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने की मांग की गई थी। पुलिस ने छात्रा के पिता की शिकायत पर आरोपी अध्यापक बबरू भान के खिलाफ पोक्सो एक्ट सहित कई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में डीएसपी जुगल किशोर ने बताया कि राजकीय हाई स्कूल चंद्रावल के संस्कृत अध्यापक बबरूभान के खिलाफ पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। शिक्षा विभाग की जांच प्रक्रिया चल रही है। पुलिस आरोपी अध्यापक की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापामार कार्रवाई कर रही है। आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार होगा।

शेरगढ़ गैस कांड : चार और मौत, अब तक 22 की मौत

जोधपुर (हिंस)। निकटवर्ती शेरगढ़ स्थित भूंगरा गांव में गत गुरुवार को शादी समारोह हुए गैस कांड में आग से झुलसे चार और लोगों की मंगलवार को मौत हो गई है। इसमें दूल्हे का पिता भी शामिल है। अब तक इस कांड में 22 जानें चली गई हैं। 23 गंभीर लोगों का आईसीयू में उपचार जारी है। बाकी वार्ड में भर्ती है। इधर आज सुबह जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता फिर से एमजी अस्पताल में निरीक्षण करने पहुंचे। झुलसे लोगों के बारे में डॉक्टरों से विचार विमर्श कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। मंगलवार को दूल्हे सुरेंद्र सिंह के पिता 57 साल के सगत सिंह पुत्र पूंजराज सिंह, पांच साल का आईदान सिंह पुत्र श्यामसिंह, 24 साल का दिलीप कुमार पुत्र थानाराम एवं 40 साल की सुगन कंवर पत्नी नरपत सिंह की मौत हो गई। इस कांड में झुलसे लोगों की मौतों का सिलसिला जारी है। गंभीर रूप से घायल आईसीयू में भर्ती लोगों की हालत भी नाजुक बनी है। सनद रहें कि गत गुरुवार को जिले के शेरगढ़ स्थित भूंगरा गांव में सगतसिंह की ढाणी में उनके पुत्र सुरेंद्र सिंह की शादी थी। बारात रवानगी से पहले ही दोपहर में गैस रिसाव के साथ भीषण आग लगी और दो गैस सिलेण्डर फट गए। जिससे घर परिवार रिश्तेदारी के 54 लोग आग में झुलस गए थे। जिन्हें उपचार के लिए जोधपुर एमजीएच अस्पताल के बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया था। इनमें कई की स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है।

गांवों की सरकार धरातल पर लागू करवाए योजनाएं : बबली

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के पंचायत एवं विकास विभाग के मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में छोटी सरकार विकास कार्यों को धरातल पर पूरा करना सुनिश्चित करें। विकास कार्यों की 100 प्रतिशत धनराशि सीधा पंचायतों के पास आएगी और पंचायतों के प्रतिनिधि भी उस राशि का धरातल पर विकास करवा कर अपने गांव का सर्वांगीण विकास में भागीदारी सुनिश्चित करें। देवेंद्र बबली ने कहा कि राजनीति सेवा का माध्यम है। अधिक से अधिक लोगों की सेवा करके राजनीति के बदले हुए मायने के लिए सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी नीतियों का ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर क्रियान्वयन करना सुनिश्चित करें। मंत्री देवेंद्र बबली मंगलवार को सेक्टर-12 कन्वेंशन हाल में जिला स्तरीय पंचायती राज्य सम्मेलन में जनप्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार की जीरो टारलेंस की नीतियों का पंचायती राज विभाग के अधिकारी

और जनप्रतिनिधि आपस में तालमेल करके बेहतर क्रियान्वयन करना सुनिश्चित करें। पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली ने कहा क अब ग्रामीण क्षेत्र में 200000 से अधिक की राशि के टेंडर किए जाएंगे और पंचायती राज का सारा रिकॉर्ड डिजिटल किया जा रहा है। जो भी विकास का काम करें उसको ऑनलाइन करना सुनिश्चित करें। किसी भी कार्य में कोई भी गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी सरपंचों व जनप्रतिनिधियों से अपील की कि चाहे किसी ने उन्हें वोट दिया हो चाहे ना दिया हो सर्व सहमति से विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाना सुनिश्चित करें। जो पंचायतें सरकार की नीतियों के अनुसार बेहतर कार्य करेंगी उन्हें एक करोड़ रुपए की धनराशि का ग्रांट अलग से प्रति पंचायत दिया जाएगा और जो पंचायतें निर्विरोध चुनी गई है, उन्हें सरकार की हिदायतों के अनुसार 11,00000 रुपए की धनराशि और 11,00000 रुपए की धनराशि पंचायत एवं विकास विभाग के द्वारा अलग से दी जा रही है अब सर्व समिति से चुनी गई पंचायतों को 22 लाख रुपए की धनराशि दी जाएगी। इस अवसर पर डीसी विक्रम सिंह ने विकास एवं पंचायत विभाग के मंत्री देवेंद्र सिंह बबली का फरीदाबाद पहुंचने पर स्वागत किया। उन्होंने बताया कि आज ग्रामीण क्षेत्र की छोटी सरकार के जनप्रतिनिधियों का सीधा संवाद कार्यक्रम में 10 जिला परिषद के सदस्य, 60 पंचायत समिति के सदस्य और 100 पंचायतों के सरपंच मौजूद है।

पंजाब सरकार का अहम फैसला, चंडीगढ़ में प्रवेश नहीं करेंगी बादल परिवार की बसें

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने मंगलवार को अहम फैसला करते हुए इंटर-स्टेट रूटों पर बादल परिवार और बड़े बस ऑपरेटरों की निजी बसों का एकाधिकार खत्म कर दिया है। परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने बताया कि बादल परिवार ने 2007 से 2017 की अपनी सरकारों के कार्यकाल के दौरान अपने निजी कारोबार चलाने की संकुचित नीति के अंतर्गत योजनाएं बनाईं, जिसमें उनके बाद की कांग्रेस सरकार ने भी बादलों के ट्रांसपोर्ट कारोबार चलाने में मदद की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा इसी मंतव्य के अंतर्गत *पंजाब ट्रांसपोर्ट स्कीम-2018* बनाई गई, जिसमें स्टेट शेयर घटाकर बड़े बस ऑपरेटरों को फायदा तो पहुंचाया ही गया, जिसका सीधा फायदा बादल परिवार को मिला, बल्कि चंडीगढ़ में बादल परिवार की बसों का दाखिला बदस्तूर जारी रहा। इससे सरकारी खजाने को बड़े स्तर पर नुकसान पहुंचाया जाता रहा। परिवहन मंत्री ने बताया कि पंजाब ट्रांसपोर्ट स्कीम-2018 में संशोधन कर इसको *पंजाब ट्रांसपोर्ट (संशोधन) स्कीम-2022* कर दिया गया है। स्कीम के क्लॉज-3 के श्रृंखला नंबर-बी में संशोधन के साथ अब 100 प्रतिशत शेयर के साथ केवल राज्य सरकार की बसें ही चंडीगढ़ में दाखिल हो सकेंगी। उन्होंने बताया कि अंतरराज्यीय रूटों पर 39 या इससे अधिक सवारियों की क्षमता वाली एयर-कंडीशन्ड स्टेज कैरिज बसें केवल स्टेट ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग्ज द्वारा ही हर श्रेणी में उनके समूचे शेयर में से ही चलाई जाएंगी। परिवहन मंत्री ने कहा कि बादल परिवार अपने निजी हितों के लिए खजाने में निरंतर सेंध लगाता रहा और अपने एवं अपने साथियों के कारोबार को बढ़ाने के लिए मनमर्जी की योजनाएं बनाता रहा।

अंतर्राष्ट्रीय ऊंट-उत्सव 13 जनवरी से, बीकानेर कार्निवल होगा मुख्य आकर्षण

बीकानेर (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव का आयोजन 13 से 15 जनवरी तक होगा। इसकी पूर्व तैयारियों के संबंध में मंगलवार को जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। जिला कलेक्टर ने कहा कि ऊंट उत्सव में देशी-विदेशी पर्यटकों की अधिक से अधिक भागीदारी रहे, इसके लिए महोत्सव का आयोजन भव्य रूप से हो। इससे जुड़ी तैयारियां प्रारंभ कर दी जाएं। उन्होंने बताया कि 3 दिवसीय ऊंट उत्सव का मुख्य आकर्षण बीकानेर कॉर्निवल होगा। इसमें बीकानेर की वास्तुकला, वाद्य यंत्र और वेश-भूषा आधारित झांकी होगी। वहीं विंटेज कार, बीएसएफ के ऊंटों का दस्ता, इन्फील्ड सवार

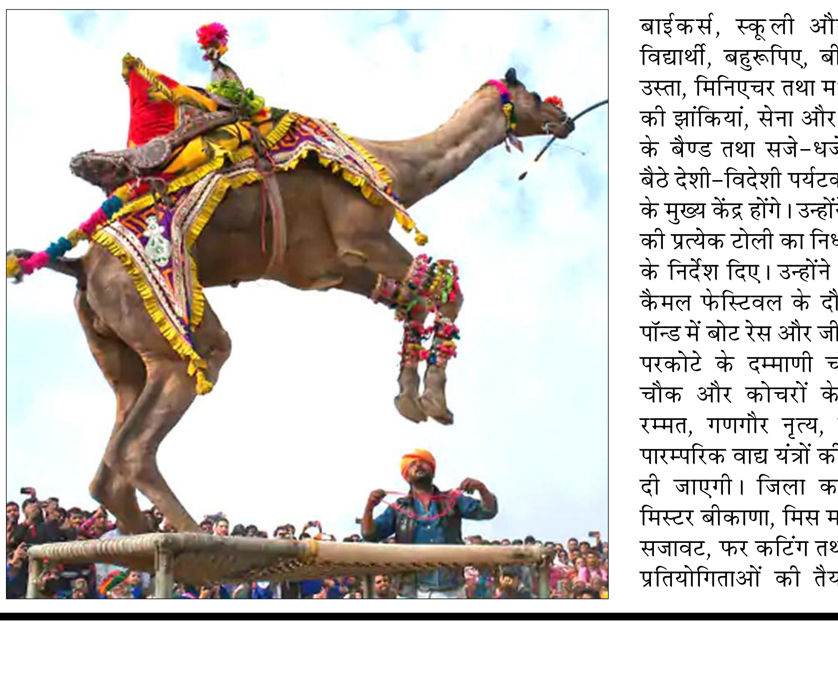

बाईकर्स, स्कूली और कॉलेज विद्यार्थी, बहुरूपिए, बीकानेर की उस्ता, मिनिएचर तथा मथेरण कला की झांकियां, सेना और बीएसएफ के बैण्ड तथा सजे-धजे ऊंटों पर बैठे देशी-विदेशी पर्यटक आकर्षण के मुख्य केंद्र होंगे। उन्होंने कॉर्निवल की प्रत्येक टोली का निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि कैमल फेस्टिवल के दौरान लिली पॉन्ड में बोट रेस और जीमण, शहरी परकोटे के दम्माणी चौक, डागा चौक और कोचरों के चौक में रम्मत, गणगौर नृत्य, घूमर तथा पारम्परिक वाद्य यंत्रों की प्रस्तुतियां दी जाएगी। जिला कलेक्टर ने मिस्टर बीकाणा, मिस मरवण, ऊंट सजावट, फर कटिंग तथा ऊंट दौड़ प्रतियोगिताओं की तैयारियों को जाना। उन्होंने बताया कि ऊंट उत्सव के दौरान डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में लोक कार्यक्रमों पर आधारित संध्या, डेजर्ट एरिया में कुश्ती, कबड्डी, खो-खो, साफा बांधने की प्रतियोगिताएं, महिलाओं की मटका दौड़ आदि का आयोजन होगा। वहीं सेण्ड आर्ट प्रदर्शनी, हैण्डी क्राफ्ट और फूड बाजार मेले के आकर्षक के केंद्र रहेंगे। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान प्रतिदिन शहरी परकोटे में पैदल वॉक और तांगा राइड, हवेली संगीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने समस्त कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने तथा इससे जुड़े समस्त विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय रखने के निर्देश दिए।

TENDER NOTICE

Tender No. Gene/ SOPD-2/22-23

Sealed Tender affixing Court Fee for Rs.8.25 (Rupees eight and paise twenty five) only are hereby invited from the reputed and experienced registered Supplier, Government registered contractor against the package (PKG) for carrying out following works/supply against the following item. The details may be seen in the bid document (for the Package) available in the office of the Genetic Cell Division, Basistha, Guwahati-29 by depositing Rs. 500/-as Demand Draft pledged to the undersigned during the office hour of working day. Tender will be received by the undersigned on or before 12th Jan, 2023 up to 3.00 P.M. (IST) and will be opened in the same day in presence of Tenderers at 3.30 PM(IST).In case the date of opening of tender is a Govt. holiday the tenders will be opened on the next working day. The rates should be put including all taxes as admissible. The intending bidders shall quote the rate in rupees (words) against the value works.

Item No.	Particulars	Value (Rs.)
PKG-05	Supply of Labourers ect. for Production of Planting Materials from the collected seeds of Seed Production Areas under Genetic Cell Division.	Total=Rs. 7,79,720.00

Sd/-
Divisional Forest Officer
Genetic Cell Division, Assam
Basistha, Guwahati-29.

-- Janasanyog /C/15863/22

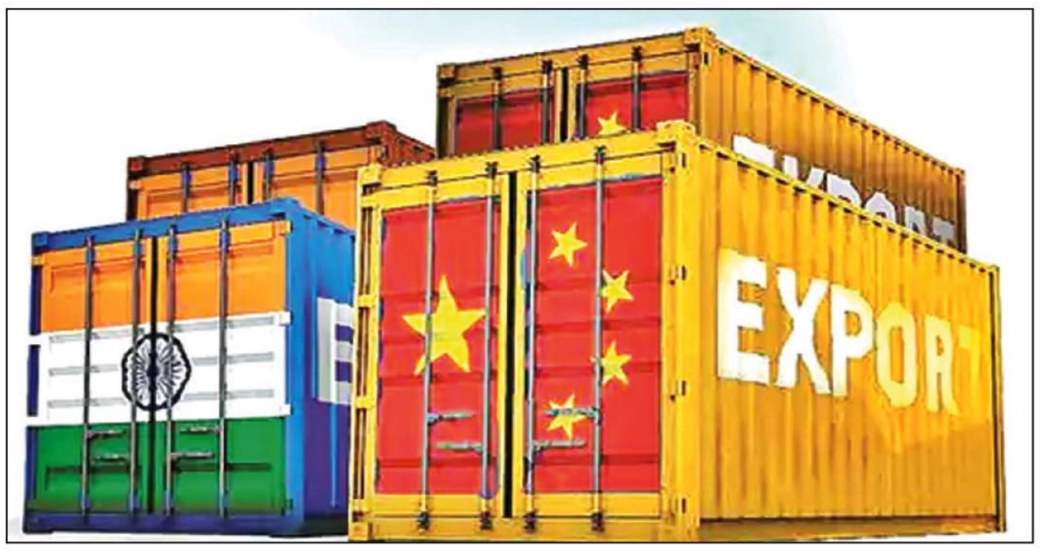

चीनी कंपनियों पर संसद में सरकार का जवाब: भारत में साढ़े तीन हजार कंपनियों में चीनी डायरेक्टर, इनवेस्टमेंट की जानकारी नहीं

नई दिल्ली।
कॉर्पोरेट डेटा मैनेजमेंट पोर्टल डेटाबेस के हिसाब से भारत में ऐसी 3,560 कंपनियां हैं जिनके बोर्ड में चीनी डायरेक्टर है। वहीं देश में 174 चीनी कंपनियां हैं जो काम करने के लिहाज से मंत्रालय में विदेशी कंपनियों के रूप में रजिस्टर्ड हैं। कॉरपोरेट मामलों के राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने सोमवार को संसद में एक लिखित जवाब में इसकी जानकारी दी।

इंद्रजीत सिंह ने ये भी कहा कि चीनी निवेशकों और शेयरधारकों वाली कंपनियों की संख्या बता पाना संभव नहीं हैं, क्योंकि इस तरह के आंकड़े अलग से नहीं रखे जाते। इससे पहले 11 दिसंबर को वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने राज्यसभा में इस बात पर चिंता जताई थी कि भारत किस कदर कई चीजों के लिए चीन पर निर्भर होता जा रहा है।

भारत-चीन के बीच ट्रेड में 43.3प्रतिशत का इजाफा - सीमा पर तनाव के बावजूद भारत और चीन के बीच बाइलेटरल ट्रेड में 43.3प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस ट्रेड में चीन का पलड़ा पूरी तरह से भारी है। यानी चीन का एक्सपोर्ट भारत की तुलना में कई गुना ज्यादा है। वित्त वर्ष 2020-21 में चीन ने भारत को 65.21 अरब डॉलर के मूल्य का सामान निर्यात किया था। लेकिन वित्त वर्ष 2021-22 में यह 94.57 अरब डॉलर तक पहुंच गया। गोयल ने संसद में ये भी बताया कि 2003-2004 में चीन से भारत का आयात 4.34 अरब डॉलर का था जो 2013-14 आते-आते बढ़ कर 51.03 अरब डॉलर हो गया। चीन और भारत के बीच व्यापार को लेकर ये हालात तब है जब मोदी सरकार ने चीन जैसे देशों पर निर्भरता कम करने के लिए मेक इन इंडिया जैसा अभियान और पीएलआई स्कीम शुरू की है। इसके बावजूद दोनों देशों के कारोबार में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

लौह अयस्क, पेट्रोलियम ईंधन, कार्बनिक रसायन, रिफाइंड कॉपर, कॉटन यार्न। खाद्य वस्तुओं में मछली एवं सी फूड, काली मिर्च, वनस्पति तेल, वसा आदि प्रमुख हैं।

न्यूज ब्रीफ

ऑनलाइन एजुकेशन कंपनी प्लूरलसाइट ने 400 कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली । डेवलपर्स और आईटी पेशेवरों के लिए ऑनलाइन शिक्षा मुहैया कराने वाली कंपनी प्लूरलसाइट जिसकी वैल्यू हाल ही में 1 बिलियन डॉलर से अधिक थी, ने अपने वैश्विक कार्यबल के 20 प्रतिशत यानी लगभग 400 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। कंपनी के सीईओ आरोन स्कोनार्ड ने कर्मचारियों को एक ईमेल में कहा कि वह इस स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं और इस फैसले की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने लिखा, आप सभी उस चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल के बारे में जानते हैं जिसमें हम काम कर रहे हैं। इसने हमारे व्यापार प्रदर्शन को प्रभावित किया है। उन्होंने सोमवार देर रात कहा- दुर्भाग्य से, इन चुनौतियों में चौथी तिमाही में तेजी आई है और इसके परिणामस्वरूप, आज हम अपनी टीम के आकार को पुनर्गठित करते हुए इसे कम कर रहे हैं। इससे हमारी टीम के लगभग 20 प्रतिशत सदस्य प्रभावित हो रहे हैं। यूएस एसईसी दस्तावेजों के अनुसार, 2004 में स्थापित, प्लूरलसाइट को 2019 में .163.5 मिलियन और 2020 में .164 मिलियन का शुद्ध घाटा हुआ था। सीईओ ने कहा कि प्रभावित होने वालों को इस बारे में इस सप्ताह के अंत में ऑल-हैंड मीटिंग्स के दौरान एग्जीक्यूटिव्स और अधिक जानकारी देंगे। उन्होंने कहा, आप में से कई लोगों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा इसका मुझे खेद है, हमने आपको मुश्किल समय में निराश किया है। प्लूरलसाइट एक ऑनलाइन शिक्षा कंपनी है जो अपनी वेबसाइट के माध्यम से सॉफ्टवेयर डेवलपर्स, आईटी प्रशासकों और रचनात्मक पेशेवरों के लिए विभिन्न प्रकार के वीडियो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उपलब्ध करती है।

बैंकरप्ट क्रिप्टो एफटीएक्स के फाउंडर अरेस्ट: सैम बैंकमैन फ्राइड को अब बहामास से अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा सकता है

नई दिल्ली। बैंकरप्ट हो चुके क्रिप्टोएक्सचेंज एफटीएक्स के फाउंडर सैम बैंकमैन-फ्राइड को

बहामास में गिरफ्तार कर लिया गया है। अमेरिकी अभियोजकों के आपराधिक आरोप लगाए जाने के बाद बहामास में फ्राइड की गिराफ्तारी हुई है। फ्राइड को अब अमेरिका में प्रत्यर्पित किया जा सकता है। मैनहट्टन में अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस के एक प्रवक्ता ने बैंकमैन-फ्राइड के गिरफ्तारी की पुष्टि की है। एफटीएक्स की गड़बड़ियां सामने आने के बाद फ्राइड की 16 बिलियन डॉलर की वेल्थ महज कुछ दिनों में जीरो हो गई थी। एक समय सैम बैंकमैन की नेटवर्थ 26 बिलियन डॉलर पर पहुंच गई थी। नेटवर्थ में गिरावट का कारण लिक्विडिटी क्रंच के बाद एफटीएक्स ट्रेडिंग लिमिटेड का दिवालिया होना है। एफटीएक्स दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एफिलिएटेड क्रिप्टो ट्रेडिंग कंपनी थी। फाइनेंशियल गड़बड़ियों के कारण लिक्विडिटी क्रंच (वित्तीय संकट) में आई एफटीएक्स ट्रेडिंग लिमिटेड दिवालिया हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सैम बैंकमैन-फ्राइड ने गुप्त रूप से एफटीएक्स से उसकी ट्रेडिंग आर्म अल्मेडा रिसर्च में 10 बिलियन डॉलर के कस्टमर फंड ट्रांसफर किए थे। अल्मेडा इस फंड का इस्तेमाल ट्रेडिंग के लिए करती थी। जब ट्रेडिंग में इस फर्म को बड़ा लॉस हुआ तो क्रिप्टो पब्लिकेशन कॉइनडेस्क ने एक लीक बैलेंस शीट पर रिपोर्ट पब्लिश की थी। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद एफटीएक्स में उथल-पुथल शुरू हो गई। एफटीएक्स के पास तीन दिनों में अनुमानित 6 बिलियन डॉलर की विड्रॉल रिक्वेस्ट आ गई। एफटीएक्स अचानक आई इतनी विड्रॉल रिक्वेस्ट से लिक्विडिटी क्रंच में आ गया यानी वो विड्रॉल रिक्वेस्ट को प्रोसेस करने की स्थिति में नहीं था। इसके बाद उसने बैंकरप्ट होने की रिक्वेस्ट डाली।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में

तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले चार महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत

बेंगलुरू में वित्त व केंद्रीय बैंक के प्रतिनिधियों की बैठक, अनेक मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली ।
भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत वित्त और केंद्रीय बैंक के प्रतिनिधियों (एफसीबीडी) की पहली बैठक यहां मंगलवार को शुरू हुई। बैठक के एजेंडे में वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना, बुनियादी ढांचे और स्थायी वित्त पर चर्चा करना शामिल है। जी20 इंडिया के ट्विटर हैंडल से किए गए एक ट्वीट में कहा गया, जी20 इंडिया के तहत जी20 फाइनेंस ट्रैक की पहली बैठक चल रही है। वैश्विक व्यापक आर्थिक मुद्दों पर ध्यान देने के साथ, वित्त ट्रैक जी20 के लिए सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर वैश्विक वास्तुकला को आकार देने के लिए सर्वोत्कृष्ट है।

तीन दिवसीय सभा जो भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत वित्त ट्रैक एजेंडे पर चर्चा की शुरुआत को चिन्हित करेगी। यह बैठक वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है। जी20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के नेतृत्व में जी20 वित्त ट्रैक, आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर केंद्रित है। यह वैश्विक आर्थिक संवाद और नीति समन्वय के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है। पहली वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की बैठक 23-25 फरवरी, 2023 के बीच बेंगलुरु में होगी।

शुरू हुई जी20 एफसबीडी बैठक की सह-अध्यक्षता अजय सेठ, सचिव, आर्थिक मामलों के विभाग और आरबीआई के डिप्टी गवर्नर डॉ माइकल डी पात्रा करेंगे। बैठक में जी20 सदस्य देशों और कई अन्य देशों समेत भारत की ओर से आमंत्रित अंतरराष्ट्रीय संगठनों के उनके समकक्ष भाग ले रहे हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, जी20 फाइनेंस ट्रैक वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए प्रासंगिकता के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करता है, जिसमें वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय वास्तुकला, बुनियादी ढांचा विकास और वित्तपोषण, स्थायी वित्त, वैश्विक स्वास्थ्य,

अंतरराष्ट्रीय कराधान वित्तीय समावेशन और वित्तीय क्षेत्र के मुद्दे शामिल हैं। बेंगलुरू की बैठक में चर्चा भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत वित्त ट्रैक के एजेंडे पर केंद्रित होगी।

भारतीय उद्योग का सबसे खराब प्रदर्शन, औद्योगिक उत्पादन घटकर 26 माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली । विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन घटने के साथ खनन व ऊर्जा क्षेत्र के कमजोर प्रदर्शन से अक्तूबर में देश के औद्योगिक उत्पादन में चार फीसदी की गिरावट आई है। यह अगस्त, 2020 के बाद पिछले 26 महीने में भारतीय उद्योग का सबसे खराब प्रदर्शन रहा है। उस समय औद्योगिक उत्पादन 7.1प्रतिशत घटा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) अक्तूबर, 2021 में 4.2 फीसदी बढ़ा था। ताजा आंकड़े बताते हैं कि उद्योग की वृद्धि केवल एक माह के अंतराल के बाद वापस नकारात्मक हो गई है। इस साल सितंबर में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 3.5प्रतिशत रही थी, जबकि अगस्त में यह 0.7 फीसदी घटा था। आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 5.6 फीसदी घटा है।एक साल पहले की समान अवधि में इसमें 3.3 फीसदी वृद्धि हुई थी। हालांकि, खनन और बिजली उत्पादन क्रमश: 2.5 फीसदी एवं 1.2 फीसदी बढ़ा है। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों के उत्पादन में 15.3 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जबकि गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन 13.4 फीसदी घटा है। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने इन आंकड़ों पर कहा, आईआईपी में गिरावट उम्मीद से कहीं ज्यादा रही है। यह निर्यात के कमजोर प्रदर्शन को भी दिखाता है। इसके अलावा, त्योहारी मौसम के दौरान रही छुट्टियों से भी औद्योगिक उत्पादन प्रभावित हुआ है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, पूंजीगत उत्पादों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है क्योंकि यह निवेश में कमी की ओर इशारा करता है।

सेंसेक्स में 402 अंकों की उछाल, निफ्टी 18600 के पार पहुंचकर बंद हुआ

नई दिल्ली ।
हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में हरियाली दिखी। मंगलवार को सेंसेक्स 402 अंकों की तेजी के साथ 62533 के स्तर पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 110 अंकों की तेजी के साथ 18608 अंकों के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में पीएसयू बैंक, आईटी, बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में बढ़त दिखी। इस दौरान बैंक निफ्टी 237 अंकों की बढ़त के साथ 43946 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार के दिन बैंक निफ्टी 43983 पर पहुंचा जो इसमें नया ऑल टाइम हाई है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 तेजी के साथ बंद हुए जब छह शेयरों में में कमजोरी दिखी। सोमवार के कारोबारी सेशन में बजाज फाइनेंसश् इंडसइंड बैंक, इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयरों में मजबूती दिखी जबकि नेस्ले इंडिया, टाटा स्टील, मारुति और टाइटन के शेयरों में कमजोरी दिखी। भारतीय रुपये में मंगलवार को 27 पैसे की गिरावट दर्ज की गई। यह डॉलर के मुकाबले 82.80 के स्तर पर बंद हुआ। यह बीते छह हफ्तों में रुपये का सबसे कमजोर प्रदर्शन है। जियोजित फाइनेंशियल के रिसर्च हेड विनोद नायर के अनुसार, अनुकूल घरेलू मैक्रो नंबरों और आशावादी वैश्विक संकेतों के आधार पर, घरेलू सूचकांकों ने हरे निशान पर दिन की शुरुआत की। पीएसयू बैंकों ने बाजार में बढ़त का नेतृत्व किया, जबकि आईटी सेक्टर की गिरावट जारी रही। आरबीआई के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति दर तेजी से घटकर 5.88प्रतिशत हो गई और यह आरबीआई के सहिष्णुता बैंड के भीतर आ गया है। इसका बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। हालांकि, औद्योगिक उत्पादन में अप्रत्याशित गिरावट से कुछ आशंकाएं भी उभरीं। अब अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े जो फेड की मौद्रित नीति की घोषणा से पहले आने है उससे फेड के नीतिगत रुख से संबंधित संकेत मिलेंगे। वहीं कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड (रिटेल) श्रीकांत चौहान के अनुसार बाजार शॉर्ट कवरिंग के कारण मजबूत स्थिति में रहा। खुदरा मुद्रास्फीति 11 महीने के निचले स्तर पर आ गई है इससे उम्मीद बढ़ी है कि रेपो रेट्स की वृद्धि में कमी आएगी या इसे घटाया जाएगा।

एनसीडीआरसी का ऐतिहासिक फैसला, फ्लोटिंग ब्याज दर में बदलाव की सूचना देने के लिए बैंक बाध्य नहीं

नई दिल्ली ।
फ्लोटिंग ब्याज दरों में किसी भी बदलाव की जानकारी हर ग्राहक को देने के लिए बैंक बाध्य नहीं हैं। क्योंकि, कर्जदार जब बैंकों के साथ कर्ज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करते हैं, उसी समय वे ऐसी किसी भी वृद्धि या कमी के लिए सहमत होते हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि बैंक की वेबसाइट की सूचना को ही नोटिस माना जाएगा। एनसीडीआरसी के पीठासीन सदस्य दिनेश सिंह और सदस्य करुणा नंद वाजपेयी ने इस मामले में उपभोक्ता अदालत के एक आदेश को रद्द कर दिया। आईसीआईसीआई बैंक बनाम विष्णु बंसल मामले में एनसीडीआरसी ने कहा कि बैंक ने संबंधित सूचनाओं को अपनी वेबसाइट पर रखने की तारीखों और शिकायतकर्ता को पत्र भेजने की तारीखों की भी जानकारी दी। भले ही मामला 2006 से 2008 की अवधि से संबंधित हों। बैंक ने आयोग को बताया कि वह शिकायतकर्ता को सेवा भाव के रूप में एक लाख का भुगतान करने के लिए भी तैयार था। राष्ट्रीय उपभोक्ता फोरम ने

राज्य आयोग को बैंक द्वारा जमा कराई गई राशि शिकायतकर्ता को ब्याज सहित जारी करने का निर्देश दिया। आयोग के आदेश के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में अपील की जा सकती है।

बैंक के खिलाफ आया था आयोग का फैसला - मई, 2021 में दिल्ली उपभोक्ता आयोग के आदेश के खिलाफ आईसीआईसीआई बैंक की अपील पर आए फैसले में कहा गया था कि बैंक कर्जदारों की सहमति के बिना होम लोन की ब्याज दरों में बदलाव नहीं कर सकते हैं। स्टेट फोरम ने यह भी अनिवार्य कर दिया था कि जब भी फ्लोटिंग रेट के तहत होम लोन की ब्याज दरों में बदलाव किया जा रहा हो तो बैंकों को ग्राहकों की सहमति लेनी जरूरी है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 24 प्रतिशत से बढ़कर हुआ 8.77 लाख करोड़

नई दिल्ली। शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर अवधि के दौरान सालाना आधार पर 24.26 फीसदी बढ़कर 8.77 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।यह आंकड़ा 2022-23 के पूरे बजट अनुमान का 61.79 फीसदी है। चालू वित्त वर्ष के बजट में प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.20 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया है।यह 2021-22 के दौरान कुल 14.10 लाख करोड़ के कर संग्रह से अधिक है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 30 नवंबर, 2022 तक 8.77 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष यानी 2022-23 के दौरान एक अप्रैल से 30 नवंबर के बीच करदाताओं को 2.15 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए।यह आंकड़ा 2021-22 की तुलना में 67 फीसदी अधिक है।

नवंबर में पैसेंजर व्हीकल की बिक्री 28प्रतिशत बढ़ी: मारुति सुजुकी ने बेंची सबसे ज्यादा 1.33 लाख गाड़ियां, टू-व्हीलर की बिक्री में भी 16प्रतिशत की ग्रोथ

नई दिल्ली।
नबंवर में देशभर में 2,76,231 पैसेंजर व्हीकल (यात्री वाहन) बिके हैं, जो नवंबर 2021 के मुकाबले 28प्रतिशत ज्यादा है। पिछले साल नवंबर में 2,15,626 यात्री वाहन बिके थे। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स ने नवंबर 2022 की सेल्स रिपोर्ट जारी कर दी है। वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में अप्रैल से नवंबर तक कुल 25.04 लाख पैसेंजर व्हीकल बिके हैं। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में बिक्री का आंकड़ा 18.29 लाख था। आंकडे जारी करते हुए कहा कि उपयोगिता (यूटिलिटी) वाहनों और कारों दोनों की मजबूत मांग के चलते यह वृद्धि देखी गई है।

नवंबर महीने में टू-व्हीलर वाहनों की बिक्री 16प्रतिशत बढ़ी। नवंबर में कुल 12.36 टू-व्हीलर बिके जबकि पिछले साल नवंबर में 10.61 टू-

व्हीलर बिके थे। इस दौरान मोटरसाइकिल की बिक्री भी बढ़कर 7,88,893 इकाई हो गई, जो पिछले साल नवंबर में 6,99,949 इकाई थी। इसी तरह, स्कूटर की बिक्री नवंबर 2021 में 3,18,986 इकाई से बढ़कर नवंबर में 4,12,832 इकाई हो गई है। इस साल नवंबर में तिपहिया वाहनों की बिक्री 45,664 इकाई रही, जबकि नवंबर 2021 में 22,551 इकाई की बिक्री हुई थी।

सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि यात्री वाहन सेगमेंट ने वित्त वर्ष 2022-23 में नवंबर में तक अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है। मेनन ने बताया कि तिपहिया वाहनों की बिक्री अभी भी 2010-11 की तुलना में कम है और दोपहिया वाहनों की बिक्री 2016-17 के स्तर से कम है।

बैंकों ने पिछले पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ के एनपीए राइट ऑफ किए, वित्त मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली ।
बैंकों ने पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान 10,09,511 करोड़ रुपये के खराब ऋण यानी एनपीए को राइट ऑफ कर दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को संसद में जानकारी दी। वित्त मंत्री ने राज्यसभा में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए), खातों के संबंध में जवाब देते हुए कहा कि यह कदम एनपीए के रूप में उनके चार साल पूरे होने के बाद उठाया गया है। राइट-ऑफ के बाद उक्त राशि को संबंधित बैंक की बैलेंस शीट से हटा दिया गया है।

वित्त मंत्री ने कहा, बैंकों अपने बैलेंस शीट को साफ करने, कर लाभ प्राप्त करने और आरबीआई के दिशानिर्देशों और उनके बोर्ड की ओर से अनुमोदित नीति के अनुसार पूंजी का अनुकूलन यह कदम उठाया है। आरबीआई, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) से प्राप्त इनपुट के अनुसार पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान 10,09,511 करोड़ रुपये की राशि को राइट ऑफ किया गया है। उन्होंने कहा कि राइट ऑफ किए गए

ऋण के कर्जदार पुनर्भुगतान के लिए उत्तरदायी बने रहेंगे और कर्जदार से बकाये की वसूली की प्रक्रिया जारी रहेगी।

राइट ऑफ करने या बट्टा खाते में डालने से कर्ज लेने वाले को लाभ नहीं होता है। बैंक उपलब्ध विभिन्न वसूली तंत्रों के माध्यम से राइट ऑफ की गई राशि की वसूली जारी रखते हैं। राइट ऑफ के तहत दीवानी अदालतों या ऋण वसूली न्यायाधिकरणों में मुकदमा दायर करना, दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के तहत मामले दर्ज करना और नन परफॉर्मिंग असेट्स की बिक्री जैसे कदम उठाए जाते हैं।

पूर्व में राइट ऑफ किए गए 33,534 करोड़ की हुई वसूली

वहीं, वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने राज्यसभा में कहा कि आरबीआई के अनुसार 2021-22 के अंतिम वित्तीय वर्ष में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की ओर से 1,74,966 करोड़ रुपये के ऋण राइट ऑफ किए गए। जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में राइट ऑफ किए गए ऋणों में से 33,534 करोड़ रुपये की वसूली की गई।

1811 एफसीआरए लाइसेंस रद्द किए गए

गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मंगलवार को लोकसभा में बताया कि 2019 से 2021 तक 1,811 एफसीआरए (फॉरेन करेंसी रेगुलेशन एक्ट) के तहत जारी पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिए गए हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत राय के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी साझा की। यह कार्रवाई वर्ष 2019 से वर्ष 2021 के बीच एफसीआरए नियमों में उल्लंघन के कारण की गई है।

एसबीआई में एफडी कराने पर अब मिलेगा ज्यादा ब्याज: बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में की बढ़ोतरी अब 6.75प्रतिशत तक का रिटर्न

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की है। बैंक ने इंटरेस्ट रेट्स 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी पर बढ़ाए हैं। एसबीआई बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, नई ब्याज दरें लागू हो चुकी हैं।

3प्रतिशत से लेकर 6.75प्रतिशत तक मिलेगा ब्याज

अब आपको एसबीआई बैंक में एफडी कराने पर 3प्रतिशत से लेकर 6.75प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले महीने अपनी रेपो रेट्स में 35 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी की थी। इस वजह से ही एसबीआई बैंक ने भी अपने एफडी रेट्स बढ़ाए हैं।

कोटक महिंद्रा और यस बैंक ने भी एफडी पर ब्याज बढ़ाया

कोटक महिंद्रा और यस बैंक ने भी फिक्स्ड डिपॉजिट पर इंटरेस्ट रेट्स बढ़ाए हैं। कोटक ने इंटरेस्ट रेट्स 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी पर बढ़ाए हैं। बदलाव के बाद बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट पर आम नागरिक को अधिकतम 6.50प्रतिशत और वरिष्ठ नागरिकों को अधिकतम 7प्रतिशत ब्याज ऑफर कर रहा है। वहीं अगर यस बैंक की बात करें तो अब 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी पर ब्याज दरों को बढ़ा दिया है। बैंक 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की मेच्योरिटी वाली एफडी दे रहा है। यस बैंक आम लोगों को 3.25प्रतिशत से लेकर 7.50प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है। वहीं बैंक वरिष्ठ नागरिकों को एफडी पर 3.75प्रतिशत से लेकर 8प्रतिशत तक की ब्याज ऑफर कर रहा है।

दक्षिण के फिल्म निर्माता कर रहे शाहरुख से सम्पर्क

-कामयाब फिल्म केजीएफ के निर्माता शाहरुख पर लगा रहे दांव

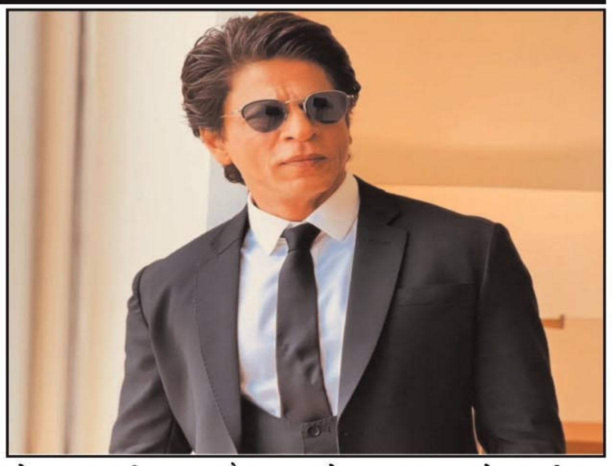

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता शाहरुख खान ने जब से यह कहा है कि अब वे सिर्फ एक्शन फिल्में ही करना चाहते हैं दक्षिण के निमार्ताओं ने उनसे सम्पर्क करना शुरू कर दिया है। भारतीय सिनेमा इतिहास की दो सबसे बड़ी कामयाब फिल्में केजीएफ-2 और कांतारा का निर्माण करने वाले फिल्म प्रोडक्शन बैनर होम्बेल फिल्म्स ने हिन्दी सिनेमा में कदम रखने के लिए शाहरुख खान पर दांव लगाना उचित समझा है। ज्ञातव्य है कि मूल रूप से दक्षिण भारत की कन्नड़ भाषा में बनी केजीएफ-2 और कांतारा ने भारतीय सिनेमा बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कामयाबी प्राप्त की है। होम्बले फिल्म्स अपनी इस फिल्म के निर्देशक के तौर पर रोहित शेट्टी को लेना चाहता है। उनका मानना है कि रोहित शेट्टी का एक्शन अलग पैमाने पर होता है जो दर्शकों को खासा प्रभावित करता है। इस्के अतिरिक्त हिन्दी भाषायी दर्शक रोहित शेट्टी के नाम पर ही सिनेमाघरों की ओर खिंचे चले आते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि होम्बले फिल्म्स कथित तौर पर शाहरुख खान के साथ बातचीत के दौर को पहले ही खत्म कर चुका है। वहीं प्रोडक्शन हाउस ने अपनी इस फिल्म के लिए एक्शन फिल्में बनाने के लिए मशहूर डायरेक्टर रोहित शेट्टी से बात की है। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि साउथ के एक्टर्स रक्षित शेट्टी और ऋषभ शेट्टी इस फिल्म में कैमियो कर सकते हैं और दोनों ने इसके लिए हां कर दिया है।

मैं पहली बॉलीवुड फिल्म में काम करने तैयार हूं: काशिका

-एक्ट्रेस ने प्रदीप खैरवार की रोम-कॉम से बॉलीवुड में किया डेब्यू

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री काशिका कपूर निर्देशक प्रदीप खैरवार की अगली रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने पूरी तरह तैयार हैं। इस बारे में वेब सीरीज द वाइब हंटर्स में नजर आ चुकीं काशिका ने कहा आखिरकार अब मैं इसके बारे में बोलने में सक्षम हूं और गणपति बप्पा की कृपा से मैं अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म पर काम शुरू करने के लिए तैयार हूं। मेरी फिल्म की शूटिंग अगले सप्ताह के अंत तक शुरू होने वाली है और मैं इस मौके को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैंने हमेशा 20 साल की उम्र में अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म में खुद को अभिनय करते हुए देखा है और इस फिल्म के साथ मेरा सपना आखिरकार सच हो रहा है। उन्होंने कहा इस भाग के लिए मैंने अपने व्यक्तित्व के प्रत्येक पहलू को समझने और विकसित करने में बहुत समय लगाया। अपनी भूमिका के लिए मैं लगातार कार्यशालाओं में भाग लेती रही हूं और यह एक आकर्षक अनुभव रहा है। काशिका ने कहा फिल्में एक बहुत ही नाजुक विषय को कवर करेंगी जो कि बालिका शिक्षा है जिसमें एक मजबूत संदेश होगा जो युवाओं को भेजा जाएगा लेकिन कहानी कई अप्रत्याशित मोड़ भी लेगी। मैं अनुज सैनी के साथ स्क्रीन साझा करूंगी और मैं इसे लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। अभिनेत्री ने आशीर्वाद लेने के लिए सिद्धि विनायक मंदिर का दौरा किया और कहा कि उन्हें अपनी आगामी फिल्म के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।बता दें कि प्रदीप को सरकार 3 ब्लाइंड लव और कई अन्य फिल्मों के लिए जाना जाता है और अब वह एक और प्रोजेक्ट के साथ आ रहे हैं जिसका अभी तक कोई शीर्षक नहीं है।

पठान से शाहरुख का नया लुक जारी

आगामी स्पाई-थ्रिलर फिल्म पठान से शाहरुख खान का नया लुक जारी किया गया। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान एसआरके को एक कैजुअल बीचवियर लुक में देखा जा सकता है जिसमें स्लीव्स के साथ एक सफेद शर्ट काले चश्मे की एक जोड़ी बालों को एक बन में बांधा गया है। यह लुक पठान के एक नए गाने बेशरम रंग का है जो रिलीज होने वाला है। पठान में मारने के लाइसेंस के साथ बंदूकधारी जासूस की भूमिका निभाने वाले शाहरुख को गाने में किंग ऑफ कूल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यश राज फिल्म्स द्वारा निर्मित पठान में जॉन अब्राहम भी हैं और यह 25 जनवरी 2023 को हिंदी तमिल और तेलुगू में सिनेमाघरों में आएगी। शाहरुख और दीपिका की जोड़ी के बारे में आनंद ने कहा गीत में दीपिका के साथ उनकी केमिस्ट्री प्रभावशाली है। उन्हें हिंदी सिनेमा के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक माना जाता है उनके बड़े पैमाने पर ब्लॉकबस्टर हैं और यह गीत उन्हें अपने प्रशंसकों और दर्शकों के सामने इस तरह से पेश करता है जैसा उन्होंने पर्दे पर पहले कभी नहीं देखा गया हो।

टीवी की पार्वती सोनारिका ने प्रेमी विकास से की सगाई

टीवी अभिनेत्री देवों के देव महादेव फेम सोनारिका भदौरिया अपने बोल्ड फोटोशूट की वजह से जानी जाती हैं। उन्होंने टीवी शो के जरिए लाखों फैंस के दिलों पर राज किया है। हाल ही में सोनारिका ने अपने मंगेतर बिजनेसमैन विकास पराशर के साथ रोका सेरेमनी से पहली तस्वीरें पोस्ट कीं। सोनारिका ने इस साल की शुरूआत में तब सगाई की थी जब विकास ने बीच डेस्टिनेशन पर उनसे सवाल पूछा था। इंस्टाग्राम पर अपने रोका का अनाउंसमेंट करते हुए उन्होंने लिखा 3-12-2022 मेरी पूरी जिंदगी के लिए मेरा पूरा दिल। मुझे जीवन भर का उपहार मिला! इस आशीर्वाद के लिए सदा आभारी हूं हैप्पी हैप्पी रोका लव। प्री-वेडिंग सेरेमनी के लिए सोनारिका ने पिंक कलर के सीक्विन्ड को-ऑर्ड सेट को चुना था।

उनके पार्टनर ने फुल व्हाइट सूट पहना था। इवेंट में दोनों ने समुद्र के रोमांटिक बैकग्राउंड के साथ पोज दिए। उन्होंने एक स्पेशल केक काटने की रस्म के साथ जश्न मनाया और उनके परिवार के सदस्य और इसमें करीबी लोग शामिल हुए। उनकी कई तस्वीरों में उनके प्यार भरे पलों को दिखाया गया है।

दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है टेलर स्विफ्ट

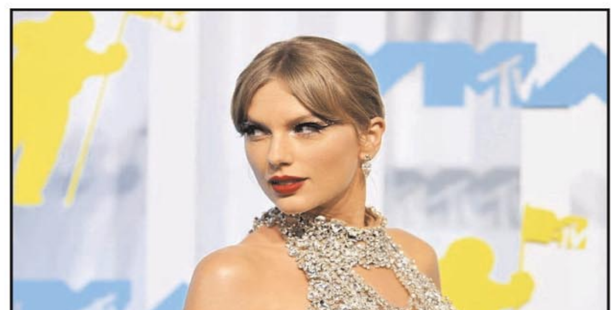

फीचर फिल्म निर्माण में टेलर स्विफ्ट अपने कदम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। गायिका-गीतकार-हिटमेकर टेलर स्विफ्ट ने एक ओरिजिनल स्क्रिप्ट लिखी है जिसे नोमैडलैंड और द शेप ऑफ वॉटर के ऑस्कर विजेता स्टूडियो द्वारा निर्मित किया जाएगा।प्लॉट और कास्टिंग जैसे अन्य महत्वपूर्ण विवरणों को बाद की तारीख तक रोके रखा जाएगा लेकिन दुनिया कि सबसे सफल संगीतकारों में से एक का प्रोजेक्ट लेना एक तख्तापलट है। जानकारी के अनुसार स्विफ्ट हाल ही में एमटीवी वीएमए में ऑल टू वेलः द शॉर्ट फिल्म और द मैन पर अपने काम के लिए दो सर्वश्रेष्ठ निर्देशन पुरस्कारों से सम्मानित होने वाली एकमात्र एकल कलाकार बन गई। स्विफ्ट 11 बार ग्रैमी विजेता है और तीन अलग-अलग मौकों पर एल्बम ऑफ द ईयर जीतने वाली एकमात्र महिला कलाकार है। अक्टूबर में स्विफ्ट ने अपना 10वां स्टूडियो एल्बम मिडनाइट्स रिलीज किया था।सर्चलाइट के अध्यक्ष डेविड ग्रीनबाम और मैथ्यू ग्रीनफील्ड ने कहा टेलर एक पीढ़ी में एक बार आने वाले कलाकार और कहानीकार हैं।

मध्यप्रदेश में होगी महारानी वेब सीरीज के तीसरे सीजन की भी शूटिंग

- महारानी-2 के लिए अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने जीता आईटीए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड

- निर्माता नरेन कुमार ने सराही मप्र टूरिज्म बोर्ड की भूमिका

भोपाल, (हि.स.)। सर्वश्रेष्ठ फिल्म अनुकूल राज्य मध्यप्रदेश फिल्म शूटिंग की त्वरित और पारदर्शी व्यवस्था के आधार पर फिल्म निमार्ताओं के लिए प्रमुख गंतव्य स्थल बन गया है। अभिनेत्री हुमा कुरैशी अभिनीत वेब सीरीज महारानी का दूसरा सीजन प्रदेश में शूट हो चुका है। अब सीरीज के तीसरे सीजन की शूटिंग भी मध्यप्रदेश में होगी। हाल ही में मुंबई में इंडिया टेलीविजन अवॉर्ड में अभिनेत्री हुमा कुरैशी को वेबसीरीज के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब दिया गया। अवॉर्ड पर खुशी जाहिर करते हुए सीरीज के निमार्ता नरेन कुमार ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि हुमा कुरैशी ने मुंबई में 22वें आईटीए ओटीटी अवाड्र्स समारोह में महारानी सीजन-2 के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता है। उन्होंने पुरस्कार को मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला और उनकी पूरी टीम के साथ साझा किया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन बोर्ड ने कोविड काल के कठिन समय महारानी सीजन-2 की शूटिंग सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात मदद की है। जल्द ही सीजन-3 की शूटिंग मध्यप्रदेश में होने जा रही है। यह पुरस्कार जितना कांगड़ा टॉकीज का है उतना ही म.प्र. टूरिज्म बोर्ड का भी है। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव और टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला ने सोमवार को उक्त जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश में फिल्म निमार्ताओं को अनुदान, लोक सेवा गारंटी अधिनियम में 15 दिन के भीतर फिल्म शूटिंग परमिशन, शूटिंग की अनुमति के लिए ऑनलाइन सिंगल विंडो सिस्टम जैसी कुछ प्रमुख पहल की गई है। ऐसे ही अनेक कारण हैं, जिन्होंने मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ फिल्म अनुकूल राज्य बनाया है। फिल्म जगत की हस्तियाँ शूटिंग के लिए बार-बार हमारे राज्य का दौरा कर रही हैं, यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

दिल तो पागल हैं थिएटर में खड़े होकर देखी थी आयुष्मान ने

बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना जिन्हें हाल ही में एक मूवी में देखा गया था सुपरस्टार शाहरुख खान के बहुत बड़े प्रशंसक हैं इस हद तक कि उन्होंने उनकी वजह से मास कम्युनिकेशन का अध्ययन किया। दरअसल शाहरुख ने मास कम्युनिकेशन जामिया मिलिया इस्लामिया में एक कोर्स के लिए दाखिला लिया था लेकिन अपने अभिनय करियर को आगे बढ़ाने के लिए छोड़ दिया। उसी बारे में अभिनेता ने कहा मैं शाहरुख का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। वास्तव में मैंने उनकी वजह से मास कम्युनिकेशन का अध्ययन भी किया। अपनी फिल्मों में मैंने अक्सर उन्हें कुछ दश्य समर्पित किए हैं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने एक बार शाहरुख की 1997 में रिलीज हुई फिल्म दिल तो पागल है को चंडीगढ़ के एक थिएटर के अंदर सीधे तीन घंटे खड़े रहते हुए देखा था। आयुष्मान ने कहा मैं सातवीं कक्षा में था जब दिल तो पागल है रिलीज हुई थी। मुझे अभी भी याद है मैं अपनी साइकिल से टिकट खरीदने गया था लेकिन थिएटर हाउसफुल था। इसलिए मैंने पीछे खड़े होकर पूरी फिल्म देखी। आयुष्मान ने हाल ही में शाहरुख के मुंबई स्थित बंगले मन्नत के बाहर पोज भी दिया था।

हिंदी सिनेमा की सशक्त महिला निर्देशिका मानी जाती हैं मेघना गुलजार

हिंदी सिनेमा की मशहूर महिला निर्देशिका मेघना गुलजार की गिनती भारतीय सिनेमा के सबसे बेहतरीन निर्देशकों में होती है। मेघना का जन्म 13 दिसंबर,1973 को मुंबई में हुआ। वह फिल्म जगत के मशहूर निर्देशक-गीतकार गुलजार एवं दिग्गज अभिनेत्री राखी गुलजार की बेटी हैं। मेघना ने अपनी पढ़ाई मुंबई से पूरी की। घर में फिल्मी माहौल होने की कारण मेघना का भी झुकाव फिल्म इंडस्ट्री की तरफ हुआ। अपने करियर की शुरूआत में मेघना ने फेमस अंग्रेजी अखबार में बतौर फ्रीलासिंग राइटर के रूप में काम किया। इसके बाद वह बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक सईद मिर्जा के साथ बतौर सहायक काम करने लगीं। इस दौरान मेघना को लगा कि उन्हें निर्देशन की बारीकियों को और अच्छे से सीखने की जरुरत है, इसलिए वह फिल्म मेकिंग का शॉर्ट कोर्स करने के लिए न्यूयार्क चली गईं। न्यूयार्क से वापस आने के बाद मेघना अपने संगीतकार-गीतकार पिता को असिस्ट करने लगीं। उन्होंने अपने पिता को फिल्म माचिस, हू तू तू जैसी फिल्मों में असिस्ट किया और साथ-ही साथ ही पटकथा लेखन भी प्रारंभ कर दी। उसके बाद उन्होंने कई शोर्ट फिल्म्स और डॉक्यूमेंटरीज का निर्देशन किया। मेघना ने साल 2002 में तब्बू और सुष्मिता सेन स्टारर फिल्म फिलहाल से अपने निर्देशन पारी की शुरूआत की।

हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही,लेकिन इस फिल्म के लिए मेघना को आलोचकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। इसके बाद मेघना ने 2007 में फिल्म' जस्ट मैरिड' और मल्टी स्टारर फिल्म 'दस कहानियां' निर्देशित की। दोनों ही फिल्मों ने बॉक्स-ऑफिस पर ठीक-ठाक कारोबार किया था। इसके बाद मेघना ने लम्बे समय के बाद साल 2015 में आई फिल्म 'तलवार' का निर्देशन किया, जिसने ना सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की बल्कि आलोचकों का भी दिल जीता। यह फिल्म चर्चित आरुषि हत्याकांड पर आधारित थी। साल 2018 में मेघना गुलजार ने आलिया भट्ट और विक्की कौशल अभिनीत फिल्म राजी का निर्देशन किया जिसने उन्हें हिंदी सिनेमा में बतौर बेहतरीन महिला निर्देशक के रुप में पहचान दिलाई। यह फिल्म दर्शकों को बहुत पसंद आई और बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। मेघना ने बहुत कम फिल्मों से निर्देशन में मजबूत मकाम हासिल किया है। मेघना फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। मेघना की निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने गोविन्द संधू से शादी की है और उनका एक बेटा भी है। मेघना जल्द ही दर्शकों के सामने फिल्म सैम बहादुर लेकर आने वाली हैं।

सूडोकु नवताल- 6548

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6547 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 7612

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10		11	■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. सावधान,सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन,प्रतिज्ञा-2
6. हत्या,मर्डर-2
8. तब तक,अवधि में-4
10. चरित्र,लक्षण-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. परागकण-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा,आजादी-3
17. तट,किनारा-3
19. ईश्वर,भगवान -4
21. अधीन,काबू-2
23. नवीन,नवजात-2
24. लेखनी,पेन-3
25. लाईन,रेखा -3

ऊपर से नीचे

1. हमेशा,सदैव-2
2. विष,जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया,नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती,उछलकूद-3
8. स्वभाव,आदत-4
9. नुकसान,घाटा-2
12. कपोल,गाल-4
15. शान्ति,सन्नाटा-3
16. ताकत,दम,बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा,वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम,संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -7611 का हल

ना	क	■	जि	रा	फ	■	ब	ला
ज	■	बे	ब	स	■	स	हा	रा
■	प	ना	ह	■	क	री	ना	■
क	र	म	■	दा	स	ता	■	वि
ले	ख	■	का	म	ना	■	दु	ना
जा	■	व	ज	न	■	प	ला	श
■	म	ह	ल	■	प	ह	रा	■
स	न	म	■	न	ह	र	■	जा
जा	न	■	ह	म	ला	■	शा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

मुल्तान टेस्ट में पाक फैंस का कोहली को संदेश: एशिया कप खेलो हम आपको बाबर से ज्यादा प्यार देंगे, भारतीय बोले- पहले आतंकवाद बंद करो

मुल्तान।

पाकिस्तानी टीम इंडिया की मेजबानी करने के लिए गिड़गिड़ा रही है। पीसीबी चीफ रमीज राजा के बाद अब वहां के फैंस भी टीम इंडिया को पाकिस्तान बुलाने की मुहिम में जुट गए हैं। 2 पाकिस्तानी फैंस ने मुल्तान टेस्ट के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली से पाकिस्तान में आकर एशिया कप खेलने की अपील की। इंग्लैंड-पाकिस्तान के इस मुकाबले के दौरान वे दोनों हाथ में पोस्टर लिए दिखे, जिसमें लिखा था- हाय, किंग कोहली...आओ और एशिया कप खेलो। हम आपको हमारे किंग बाबर से ज्यादा प्यार देंगे। यह फोटो सोशल मीडिया में पोस्ट हुआ है। इस पोस्ट पर कोहली के सोशल मीडिया फैंस बाबर को किंग कहने पर भड़क गए हैं। एक ने जवाबी पोस्ट करते हुए लिखा- बाबर को किंग कभी मत कहना, किंग तो केवल कोहली है। एक अन्य फैंस ने लिखा- पहले आतंकवाद बंद करो। फिर बात करना। इस पोस्ट ने एक बार भी भारत के पाकिस्तान में खेलने या न खेलने की चर्चा को जन्म दे दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चीफ रमीज राजा पहले भी भारत के पाकिस्तान में खेलने की पैरवी कर चुके हैं। अगले साल पाकिस्तान वनडे एशिया कप की मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में भारत के पाकिस्तान में खेलने की मांग और तेज हो गई है। आपको याद दिला दें कि टीम इंडिया ने पाकिस्तान का आखिरी दौरा 2008 में किया था। तब भी उसने एशिया कप ही खेला था।

पाकिस्तानी बोर्ड की हालत खस्ता है। वह कंगाल हो चुका है और वर्तमान में आईसीसी के रहमो करम पर चल रहा है। यह बात खुद पीसीबी चीफ रमीज राजा ने एक बयान में कही थी। राजा ने कहा था- इंडिया के बिजनेस हाउस पाकिस्तान का क्रिकेट चला रहे हैं। पाक बोर्ड 50प्रतिशत आईसीसी की फंडिंग पर चलता है। आईसीसी से प्राप्त राशि को अपने बोर्ड में बांट देती है। आईसीसी फंडिंग का 90प्रतिशत हिस्सा इंडियन मार्केट से आता है। पीसीबी को एशिया कप से बड़ी कमाई की उम्मीद है और यदि टीम इंडिया एशिया कप से हट जाती है तो उसे फाइनेंशियली बड़ा झटका लगेगा। हो सकता है कि एशिया कप में भारत के मुकाबले न्यूट्रल वैन्यू में कराए जाएं। उससे टूर्नामेंट की मेजबानी भी छीनी जा सकती है। एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष जय शाह ने इसके संकेत दिए थे। पाक को वनडे एशिया कप 2023 की मेजबानी मिली है। आखिरी बार उसने 2007-08 में एशिया कप की मेजबानी की थी। फिर 2008 में चैंपियंस ट्रॉफी और 2011 में सुरक्षा कारणों के चलते उससे वर्ल्ड कप की मेजबानी छीन ली गई। इंग्लैंड की टीम 17 साल बाद पाकिस्तानी दौरे पर गई है। इससे पहले करीब 15 साल तक इंटरनेशनल टीमें पाकिस्तान का दौरा करने से कतरा रही हैं। अधिकांश बोर्ड पाकिस्तान को सुरक्षित वेन्यू नहीं मानते। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण, 3 मार्च, 2009 को लाहौर में श्रीलंका की टीम पर हुआ हमला था।

न्यूज़ ब्रीफ

कबड्डी खिलाड़ियों ने पुनर्वासित जानवरों के साथ अच्छा समय बिताया

मुंबई। बेंगलुरू, पुणे और हैदराबाद में 9 सप्ताह तक जोरदार मुकाबले करने के बाद, प्रो कबड्डी लीग के कुछ खिलाड़ियों को हेड्स अप फॉर टेल्स फाउंडेशन में पुनर्वासित जानवरों, जैसे पपीज (पिल्ले), कुत्तों और बिल्लियों के साथ समय बिताने का मौका मिला। कुछ खिलाड़ियों ने पुनेरी पलटन के मुख्य कोच बीसी रमेश प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) द्वारा भारत के पहले और सबसे भरोसेमंद पेट केयर ब्रांड हेड्स अप फॉर टेल्स (एचयूएफटी) के सहयोग से एक पहल के हिस्से के रूप में समय का आनंद लिया। वी अजित कुमार (जयपुर पिंक पैंथर्स), लकी शर्मा (जयपुर पिंक पैंथर्स), नवनीत (जयपुर पिंक पैंथर्स), विजय मलिक (दबंग दिल्ली केसी), मोनू (दबंग दिल्ली केसी), दीपक (दबंग दिल्ली केसी), थानुशन लक्ष्ममोहन (तमिल थलाइवास), हिमांशु नरवाल (तमिल थलाइवास), आदित्य शिंदे (पुनेरी पल्टन) और गौरव खत्री (पुनेरी पल्टन) ने इस गतिविधि में भाग लिया। गोद लेने और पशु कल्याण के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए हेड्स अप फॉर टेल्स फाउंडेशन देश भर में योडा जैसे गैर सरकारी संगठनों के साथ अथक रूप से काम कर रहा है। योडा रिहैबिलिटेशन सेंटर फॉर एनिमल्स मुंबई के कुछ क्षेत्रों में आवारा कुत्तों और बिल्लियों के इलाज में माहिर हैं और पीकेएल के खिलाड़ी पालतू जानवरों की खरीदारी के बजाय पालतू जानवरों को अपनाने के लिए योडा के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए उत्साहित थे। कबड्डी लीग भारतीय उपमहाद्वीप के मूल निवासी इंडी कुत्तों को पालने का समर्थन कर रही है। योडा सेंटर में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, तमिल थलाइवाज के थानुशन ने कहा, बहुत से लोग समाज के लिए इस तरह की सेवा नहीं करते हैं और इसलिए मुझे यह अनुभव अच्छा लगा। मैं घर पर अपने कुत्तों को याद कर रहा हूं।

डब्ल्यूबीबीएल सितारे पहली बार अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को अगले साल जनवरी में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले

आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के पहले सीजन में आस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा की, जिसमें कई युवा खिलाड़ी शामिल हैं, जो महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में स्टार रही हैं। यूथ सिलेक्शन पैनल ने पर्थ में 2022/23 अंडर-19 महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के समापन के बाद 15-खिलाड़ियों की टीम का चयन किया। आस्ट्रेलिया की टीम, जिसमें घरेलू अनुभव वाली आठ खिलाड़ी शामिल हैं। उनका नेतृत्व मुख्य कोच सारा एले और उनके सहायक, एरिन ओसबोर्न और दलिप समरवीरा करेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुकी तीन खिलाड़ी न्यूजीलैंड की अंडर-19 विश्व कप टीम में शामिल

आकलैंड। न्यूजीलैंड ने जनवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले पहले महिला अंडर 19 विश्व कप

के लिए सीनियर टीम से फ्रैन जोनास, ज्यॉर्जिया प्लिमर और इसाबेल गेज को चुना है। तीनों ही खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थीं, जबकि जोनास और प्लिमर 2022 वनडे विश्व कप टीम में भी थीं। बाएं हाथ की स्पिनर जोनास (9 वनडे और 12 टी20), बल्लेबाज प्लिमर (2 वनडे और 10 टी20) और कीपर इजी गेज (3 वनडे और 10 टी20) तीनों ने मिलकर कुल 46 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। इन तीनों खिलाड़ियों को चुनने से न्यूजीलैंड ने भारत का उदाहरण पेश किया है, जिसमें भारत ने सीनियर टीम से शेफाली वर्मा और ऋचा घोष को चुना था। हालांकि, इंग्लैंड ने फ्रेया कैंप और एलिस कैप्सी को अपने अंडर-19 टीम में नहीं चुना हैं क्योंकि दोनों के ही दिसंबर में वेस्टइंडीज दौरे पर जाने की संभावना है और साथ ही फरवरी में होने वाले टी20 विश्व कप में भी उनके रहने की संभावना है। न्यूजीलैंड की टीम में हाल में भारतीय दौरे पर अच्छा करने वाली अंडर-19 खिलाड़ियों और राष्ट्रीय अंडर-19 टूर्नामेंट में अच्छा करने वाली खिलाड़ियों को भी चुना गया है। एमा मक्लॉड और तैश वेकलिन ने राष्ट्रीय अंडर-19 टूर्नामेंट में टी20 और वनडे में क्रमशः 322 और 308 रन बनाए थे, जबकि कैट चांडलर (255 रन और नौ विकेट) वेलिंगटन के लिए बल्ले और गेंद दोनों से चमकीं। ओपनर इजी ने टी20 टूर्नामेंट में कैंटबरी के लिए खेलते हुए ऑकलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट का सबसे बड़ा (54 गेंद में 73 रन) निजी स्कोर बनाया था।

बांग्लादेश से 1 भी टेस्ट नहीं हारा है भारत: दो मैचों की सीरीज आज से

मुंबई।

भारत-बांग्लादेश के बीच 2 टेस्ट की सीरीज 14 दिसंबर से शुरू हो रही है। दोनों मुकाबले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के हिसाब भारत के लिए बहुत अहम हैं। वनडे सीरीज में 2-1 से हार के बाद टीम इंडिया अटैकिंग अप्रोच अपनाएगी और टेस्ट सीरीज जीतकर बांग्लादेश से बदला लेना चाहेगी। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि इस फॉर्मेट में उसे बांग्लादेश के खिलाफ 22 साल में अब तक 1 भी मुकाबले में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। 2-0 से सीरीज जीतने पर भारत पॉइंट्स टेबल के दूसरे स्थान पर भी आ सकता है। वहीं, बांग्लादेश को भारत के ऋषभ पंत और रविचंद्रन अश्विन जैसे प्लेयर्स से बचना होगा। खबर में आगे हम आपको पहले टेस्ट के लिए टीम इंडिया की स्ट्रैटजी और दोनों टीमों पॉसिबल प्लेइंग-11 बताएंगे। साथ ही बताएंगे कि टेस्ट सीरीज जीतने पर भारत फाइनल में एंट्री के करीब कैसे पहुंच सकता है।

भारत का पलड़ा भारी - दोनों देशों के बीच अब तक 11 टेस्ट खेले गए। 9 भारत ने जीते और 2 मैच ड्रॉ रहे। बांग्लादेश की टीम भारत के खिलाफ एक भी टेस्ट नहीं जीत सकी। भारत ने 9 में से 5 बार उन्हें पारी के अंतर से हराया है। 2 बार 9 विकेट से ज्यादा और 2 बार 100 रन से ज्यादा के अंतर से हराया है। भारत ने बांग्लादेश में भी 8 टेस्ट खेले हैं, इनमें से 6 जीते और 2 टेस्ट ड्रॉ रहे।

टीम इंडिया के पास मजबूत बैटिंग ऑर्डर - वनडे सीरीज में 2-1 से हार के बाद टीम इंडिया टेस्ट सीरीज में एग्रेसिव अप्रोच अपनाएगी। टीम बांग्लादेश को हावी होने का कोई भी चांस नहीं देगी। टीम में राहुल, गिल, कोहली, पुजारा, अय्यर और पंत के रूप में मजबूत बैटिंग लाइन-अप है। अश्विन और अक्षर के रूप में 2 टॉप क्लास स्पिनर भी मौजूद हैं। जो

लोअर ऑर्डर में बैटिंग भी कर सकते हैं। बॉलिंग में भारत के पास कुलदीप यादव के रूप में तीसरा स्पिनर मौजूद है। साथ ही उमेश यादव और मोहम्मद सिराज के रूप में बेहतरीन पेसर्स अवेलेबल हैं। दोनों ही लगातार 140 किमी से ज्यादा की स्पीड से बॉलिंग कर बांग्लादेशी बैटर्स को परेशान कर सकते हैं।

राहुल दूसरी बार करेंगे कप्तानी - रोहित शर्मा वनडे सीरीज में चोटिल होकर पहले टेस्ट से बाहर हो चुके हैं। उनकी जगह केएल राहुल टीम की कमान संभालेंगे। पहला टेस्ट चटगांव में सुबह 9 बजे से खेला जाएगा। राहुल ने इसी साल जनवरी में साउथ अफ्रीका दौरे पर पहली बार टेस्ट में टीम इंडिया की कप्तानी की थी। साउथ अफ्रीका ने यह मैच 7 विकेट से जीता था। राहुल सीरीज के दोनों मैच जीतकर टेस्ट कप्तान के रूप में अपना रिकॉर्ड सुधारना चाहेंगे। टेस्ट के अलावा राहुल ने 7 वनडे में भी कप्तानी की है। इनमें भारत को 4 में जीत और 3 में हार मिली। एक टी-20 में भी उन्होंने टीम इंडिया की कप्तानी की, इसमें भारत को जीत मिली थी।

पंत टेस्ट के पीक फॉर्म में - 24 साल के विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत टेस्ट में भारत के लिए सबसे बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे हैं। इस वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 10 मैचों में वे 720 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 4 फिफ्टी भी निकली हैं। उनके अलावा केएल राहुल ने 7 मैचों में 541 रन बनाए हैं। उनके बैट से भी 2 सेंचुरी आई हैं।

एशियन पिचेस के मास्टर हैं अश्विन -

एशिया में रविचंद्रन अश्विन 58 टेस्ट में 355 विकेट ले चुके हैं। वे भारत के अनिल कुंबले और श्रीलंका के मुथैया मुरलीथरन से ही पीछे हैं। उन्होंने इस वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 7 मैचों में भी 29 विकेट अपने नाम किए हैं। ऐसे में बांग्लादेश के लिए टेस्ट में भारत से पार पाना बहुत मुश्किल होगा।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत: केएल राहुल (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, उमेश यादव और मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेश: शाकिब अल हसन (कप्तान), मोमिनुल हक, अनामुल हक, लिटन दास, मुश्फिकुर रहीम, नजमुल होसैन शांतो, मेहदी हसन मिराज, तस्कीन अहमद, इबादत हुसैन, तैजुल इस्लाम और शोरिफुल इस्लाम।

मैच जीतने पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में तीसरे पर होगा भारत - वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल में भारत 52.08प्रतिशत पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर है। पहला मैच जीतने पर 55.76प्रतिशत होंगे। ऐसे में टीम इंडिया पॉइंट्स टेबल में श्रीलंका को पीछे कर तीसरे नंबर पहुंच जाएगी। श्रीलंका के इस वक्त 53.33प्रतिशत पॉइंट्स हैं। 75प्रतिशत पॉइंट्स के साथ ऑस्ट्रेलिया पहले और 60प्रतिशत पॉइंट्स के साथ साउथ अफ्रीका दूसरे नंबर पर है। मैच हारने और ड्रॉ होने पर भारत चौथे नंबर पर ही रहेगा।

सीरीज जीतते ही नंबर-2 पर पहुंचेगा भारत - 2-0 सीरीज जीतने पर भारत के 58.92प्रतिशत पॉइंट्स हो जाएंगे। वहीं, 17 दिसंबर को शुरू होने वाले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अगर साउथ अफ्रीका को हरा दे तो भारत पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंच जाएगा। ऑस्ट्रेलिया-अफ्रीका का मैच ड्रॉ रहा तो भी भारत दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। साउथ अफ्रीका के जीतने पर भारत तीसरे नंबर पर रहेगा। 1-0 से सीरीज जीतने टीम इंडिया पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर रहेगी। 1-1 और 0-0 से सीरीज ड्रॉ होने पर भारत चौथे नंबर पर रहेगा। 0-1 या 0-2 से सीरीज हारने पर भारत पांचवें स्थान पर पहुंच जाएगा।

फीफा विश्व कप

रोनाल्डो ने ब्राजील के लिए विदेशी मुख्य कोच की मांग का किया समर्थन

दोहा।

ब्राजील के दिग्गज रोनाल्डो ने कतर में 2022 फीफा विश्व कप से टीम के बाहर होने के बाद एक विदेशी कोच नियुक्त करने के लिए ब्राजील की मांग का समर्थन किया है। शुक्रवार को पेनल्टी पर क्वार्टर फाइनल में क्रोएशिया से मिली हार ने लगातार पांचवीं बार ब्राजील को यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी द्वारा फुटबॉल के मेगा टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया।

टिटे ने दोहा में एजुकेशन सिटी स्टेडियम में विश्व कप मैच के बाद पद छोड़ने के अपने पहले घोषित निर्णय को दोहराते हुए कहा, मेरा कार्यकाल समाप्त हो गया। रोनाल्डो ने कहा, मैं पेप गार्डियोला, कार्लो एंसेलोटी, या जोस मोरिन्हो जैसे नामों को ब्राजील का कोच बनते देखना पसंद करूंगा। लेकिन मैं कोई चयनकर्ता नहीं, हम देखेंगे कि क्या होता है। ये नाम ब्राजील में सामने आए हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं। उन्होंने कहा, मुझे ब्राजील के विदेशी कोच होने में कोई समस्या नहीं दिखती है। इस बारे में बहुत चर्चा होने वाली है कि ब्राजील का अगला कोच कौन होगा। मैं इन नामों को बहुत अनुकूल रूप से देखता हूं। 1994 और 2002 में ब्राजील के साथ विश्व कप जीतने वाले रोनाल्डो ने कहा कि ब्राजील ने खराब डिफेंडिंग की कीमत चुकाई है, जिसके कारण ब्रूनो पेटकोविच ने क्रोएशिया के लिए 116वें मिनट में बराबरी का गोल दागा था। रिपोर्ट के अनुसार, नेमार ने 106वें मिनट में टीम के लिए शानदार गोल करके दक्षिण अमेरिकी टीम को बढ़त दिला दी थी। रोनाल्डो ने कहा, हम गोल के बाद अतिरिक्त समय में लाभ नहीं उठा पाए। हमें चौकन्ना रहने की जरूरत थी। यह एकमात्र ऐसी चीज है जिसकी हमें मुकाबले के माध्यम से प्राप्त करने की आवश्यकता है। रोनाल्डो ने यह भी कहा कि उन्हें विश्वास है कि नेमार ब्राजील के लिए फिर से खेलेंगे क्योंकि पेरिस सेंट-जर्मेन फॉरवर्ड ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त करने की संभावना बढ़ा दी थी। रोनाल्डो ने कहा, वह इस नतीजे से काफी निराश हैं। उनके लिए अभी यह महसूस करना सामान्य है, लेकिन मुझे यकीन है कि वह मजबूत होकर वापस आएंगे।

कतर में तीन दिनों के अंदर दूसरे पत्रकार की मौत, फीफा विश्व कप कवर के दौरान हुई घटना

दोहा।

कतर में फीफा विश्व कप का आयोजन किया जा रहा है। हालांकि, पिछले तीन दिनों के अंदर वहां से बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। तीन दिनों के अंदर दो पत्रकार की मौत हो चुकी है। मंगलवार को कतर के ही एक फोटो जर्नलिस्ट खालिद-अल-मिसलाम के मौत की खबरें सामने आई हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, खालिद कतर के ही अल कास टीवी के लिए काम कर रहे थे।

वहीं, इससे पहले शनिवार को अमेरिकी पत्रकार ग्रांट वाल के निधन की खबरें सामने आई थीं। ग्रांट ने समलैंगिक समुदाय के समर्थन में रेनबो शर्ट पहनी थी। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया था और फिर कुछ दिनों बाद वाल के निधन की सूचना मिली थी। हालांकि, खालिद की मौत का कारण अब तक पता नहीं चल सका है। उन्होंने लिखा- फीफा विश्व कप को कवर करते समय अचानक खालिद का निधन हो गया। ट्वीट में कहा गया- हम ऊपर वाले की दया और उनके लिए क्षमा में विश्वास करते हैं और उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। अल कास टीवी ने भी लाइव प्रसारण में खबर की पुष्टि की और कहा कि वे आगे के विवरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बमुश्किल 48

घंटे पहले, अमेरिकी पत्रकार ग्रांट वाल की लुसैल स्टेडियम में अर्जेंटीना और नीदरलैंड के बीच क्वार्टर फाइनल मैच को कवर करते समय अचानक गिरकर मौत की सूचना मिली थी।

ग्रांट वाल के भाई एरिक ने आरोप लगाया था कि कतर सरकार इस घटना में शामिल हो सकती है, जबकि ग्रांट की पत्नी और संक्रामक रोगों की विशेषज्ञ सेलीन गाउंडर ने सोशल मीडिया पर बताया कि वह इस घटना के बारे में सुनकर चौंक गई थीं। ग्रांट वाल को समलैंगिक समुदाय के समर्थन में एक रेनबो शर्ट पहनने के लिए कतर में कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उन्होंने दावा किया था कि घटना के बारे में ट्वीट करने पर कतर के अधिकारियों द्वारा उनका फोन छीन लिया गया था।

ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉट बोलैंड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए तीसरे पेसर के रूप में चुना

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉट बोलैंड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गाबा में शनिवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए तीसरे पेसर के रूप में चुना है। कोच एंर्डयू मैकडोनाल्ड ने यह पुष्टि की है। बोलैंड को माइकल नीसर के मुकाबले प्राथमिकता दी गयी है। बोलैंड और नीसर दोनों को वेस्ट इंडीज के खिलाफ एडिलेड ओवल में दिन-रात्रि टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया था जिसे मेजबान टीम ने जीतकर सीरीज अपने नाम की थी। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच चोटिल पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में जीता था। दोनों ने मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था और जब बात एक गेंदबाज को चुनने की बारी आयी तो ऑस्ट्रेलियन टीम प्रबंधन ने बोलैंड को नीसर पर प्राथमिकता दी। हेजलवुड के अनुपस्थित होने के बाद बोलैंड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे पेसर के रूप में कमिंस और स्टार्क के जोड़ीदार बनेंगे।

हॉकी विश्व कप के लिए अगला एक महीना बहुत महत्वपूर्ण: हरमनप्रीत सिंह

नई दिल्ली।

भुवनेश्वर और राउरकेला में खेले जाने वाले एफआईएच विश्व कप के लिए सिर्फ एक महीने का समय बचा है। ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह का कहना है कि भारतीय हॉकी टीम के लिए अगले 30 दिन बहुत महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि यह मेगा इवेंट के लिए तैयार है। भारतीय हॉकी टीम 13 से 29 जनवरी, 2023 तक होने वाले मेगा टूर्नामेंट के लिए अपनी तैयारियों में पूरी तरह से जुट गई है। हाल ही में आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान टीम का नेतृत्व करने वाले हरमनप्रीत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दुनिया की नंबर 1 टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में टीम ने उन क्षेत्रों

में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिनमें विश्व कप से पहले सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, आस्ट्रेलिया दौरा हमारे लिए सीखने का एक शानदार अनुभव था। हम पांच में से केवल एक जीत दर्ज कर सके, लेकिन मैं कहूंगा कि हमने उनके घर में एक बहुत मजबूत टीम के खिलाफ कड़ी टक्कर दी। जैसा कि आप देख रहे हैं, सभी मैच बहुत करीबी हुए थे। हमें एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला से पहले और सुधार करने की आवश्यकता है। विश्व कप से पहले 30 दिनों के लिए टीम की योजनाओं के बारे में हरमनप्रीत ने कहा, अगला महीना हमारे लिए महत्वपूर्ण होने वाला है। आस्ट्रेलिया दौरे के बाद हमें एक मिनी-ब्रेक मिला, हम अब तरोताजा हैं और टूर्नामेंट में खेलने के लिए तैयार हैं। हमारा एक विशेष ड्रैग-फ्लिक और गोलकीपिंग कैंप कल से शुरू हो रहा है और हम दिग्गज ब्रेम लोमन्स और डेनिस वान डे पोल से ज्ञान और विशेषज्ञता प्राप्त करने की उम्मीद कर रहे हैं। अगले सप्ताह हम उनके साथ जो समय बिताएंगे वह हमारी तैयारी में मदद करेगा।

आईसीसी ने क्रिकेट सुपरस्टार्स टीम में जेमिमाह रोड्रिग्स को नई पीढ़ी के रूप में किया शामिल

दुबई।

भारत की जेमिमाह रोड्रिग्स के साथ थाईलैंड की अग्रणी बल्लेबाज नट्टाकन चैंतम, बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना के साथ अलाना किंग (आस्ट्रेलिया) और लारा गुडॉल (दक्षिण अफ्रीका) को 100 प्रतिशत क्रिकेट सुपरस्टार टीम के लिए खिलाड़ियों की नई पीढ़ी के रूप में शामिल किया है, जिसमें प्रशंसकों द्वारा प्लेइंग इलेवन को चुना जाना है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा आयोजित की जा रही प्रतियोगिता के लिए शॉर्टलिस्ट में शामिल होने वाली तीसरी भारतीय के रूप में जेमिमाह अपनी भारतीय टीम की साथी स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के साथ शामिल हो गई हैं। शेफाली वर्मा को 100 प्रतिशत क्रिकेट सुपरस्टार टीम की नई पीढ़ी में शामिल किया गया था। जिसमें सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड), अमेलिया केर (न्यूजीलैंड), हैली मैथ्यूज (वेस्टइंडीज) और लौरा वोल्वार्डट (दक्षिण अफ्रीका) शामिल हैं। फातिमा सना (पाकिस्तान), एश्ले गार्डनर (आस्ट्रेलिया), सोफिया डंकले (इंग्लैंड) और गेबी लुईस (आयरलैंड) के साथ स्मृति को उनके नक्शेकदम पर चलते हुए अगली पीढ़ी के रूप में चुना गया है। जेमिमाह रोड्रिग्स को लेकर आईसीसी ने कहा, युवा भारतीय स्टार ने 2018 में अपनी शुरूआत के बाद से सभी को प्रभावित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है, तकनीक और अपने शानदार स्ट्रोक्स के

साथ जेमिमाह रोड्रिग्स भारत की युवा बल्लेबाजों के बीच एक बेहतरीन खिलाड़ी रही हैं। रोड्रिग्स ने भारत के लिए 68 टी20 और 21 वनडे मैच खेले हैं। टी20 प्रारूप में, उन्होंने 113.95 के अच्छे स्ट्राइक रेट और 30.48 के औसत से नौ अर्धशतकों के साथ 1494 रन बनाए हैं। वह 394 रन के साथ 50 ओवर के प्रारूप में भी अपनी छाप छोड़ रही है। आईसीसी वेबसाइट ने वर्तमान में नई पीढ़ी के अन्य सदस्यों में कई खिलाड़ी को शामिल किया है। थाईलैंड की नट्टाकन चैंतम के बारे में कहा गया, 2018 में अपनी शुरूआत के बाद से, नट्टाकन चैंतम ने खुद को सबसे छोटे प्रारूप में थाईलैंड के बल्लेबाजी क्रम में खुद को बेहतर साबित किया है। शीर्ष क्रम की बल्लेबाज थाईलैंड की तेजी से उभरती हुई टीम की प्रमुख खिलाड़ी हैं। निगार सुल्ताना को बांग्लादेश की तेजतर्रार बल्लेबाज के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा, 2015 में अपनी शुरूआत के बाद से, बांग्लादेश क्रिकेट को निगार सुल्ताना से बड़ी उम्मीदें थीं और वह उन सभी उम्मीदों पर खरी उतरी है। बल्ले से शानदार क्षमता वाली विकेटकीपर सुल्ताना ने वर्षों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट में कहा गया, दिग्गज शेन वॉर्न की याद दिलाने वाली अलाना किंग पहले से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़े पैमाने पर नाम कमा चुकी हैं। अपने करियर में, अलाना ने पहले से ही अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को परेशान किया है।

आठ साल के आर्यवीर ने रचा इतिहास, बैंकॉक रेपिड शतरंज में जीता रजत पदक

मुंबई। भारत के आठ साल के आर्यवीर पिट्टी ने बैंकॉक रेपिड शतरंज चैंपियनशिप में अंडर-आठ वर्ग में रजत पदक जीता। आर्यवीर ने प्रासर्नमित प्लाजा सुखुमवित में संभावित छह में से चार अंक जुटाए। थाईलैंड के सुथिपोनपेइसार्न प्रोदपिच ने पांच अंक के साथ खिताब अपने नाम किया। आर्यवीर एसएमसीए के छात्र हैं और कोच दुर्गा नागेश गुटुला के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग करते हैं। वह अभी नई दिल्ली में होने वाले अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट के लिए तैयारी कर रहे हैं। आर्यवीर की मां नीशा छाबरिया ने कहा, 'हमें इस जीत पर गर्व है और वह इस चैंपियनशिप में काफी अच्छा खेला और भविष्य में और अधिक जीत दर्ज करने पर नजरें हैं।

ध्यान साधना

दुखों और रोगों से मुक्ति दिलाता है मेडिटेशन

ध्यान द्वारा अनेक लाभ होते हैं, ध्यान करने वाला सदा निरोग रहता है, उसे कभी भी कोई रोग नहीं होता। शरीर में भारीपन या आलस्य नहीं रहता, शरीर का वर्ण उज्जवल हो जाता है। ध्यान द्वारा हम सब प्रकार के दुखों से भी मुक्ति पा सकते हैं। साधारणतया जीवन में एक के बाद एक समस्याएं आती रहती हैं। उनसे बचने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय भी करते हैं। कई लोग दुखों से बचने के लिए शराब, सिगरेट व अन्य खतरनाक किस्म के नशों का प्रयोग करते हैं। इससे उनका दुख कम तो नहीं होता, अपितु और अधिक बढ़ जाता है। उनका शरीर भी नशे की अग्नि में जल कर भस्म हो जाता है। जो दुख आने पर नशा नहीं करते वे चिंताएं इतनी रखते हैं कि चिंता से उनकी चिता बन जाती है।

ध्यान से रोगों और दुखों से छुटकारा

ध्यान द्वारा हम अनेक प्रकार के रोगों से ही नहीं, अनेक प्रकार के दुखों से भी छुटकारा पा सकते हैं। ध्यान द्वारा हम लाभ चाहते हैं तो हमें यह भी जानना आवश्यक है कि

हम ध्यान कैसे करें?

ध्यान की सही प्रक्रिया क्या है?
ध्यान के लिए किन बातों का ध्यान रखा जाए?
ध्यान करने के लिए किस प्रकार बैठा जाए।

इस संबंध में योगी बताते हैं कि ध्यान करने बैठें तो सिर, गला और छाती उठाए रख कर सीधी रखें, इधर-उधर न झुकने दें एवं शरीर सीधा और स्थिर रखें। यदि हम सिर, गला और छाती सीधे न रखेंगे, तो निद्रा और आलस्य के कारण ध्यान नहीं सध पाएगा। इसके और भी कारण हैं। मेरुदंड सीधा रखना आवश्यक है।

यह अवश्य रखें ध्यान

ध्यान करने बैठें तो यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि शरीर को अकड़ाया न जाए, बल्कि उसे सरल और सहज ढंग से सीधा रखा जाए। जब हम ध्यान में एकाग्रता का प्रयास करते हैं, तो इंद्रियां जैसे बरबस ही विषयों की तरफ भागने लगती हैं। ऐसा करने का उनका पुराना अभ्यास पड़ा हुआ है। अत~ इंद्रियों को बाहरी विषयों से हटाकर परमात्मा अथवा उसके स्वरूप दिव्य ज्योति में ध्यान लगाना चाहिए। जहां ध्यान किया जाए वहां आसन की भूमि समतल होनी चाहिए, वहां कूड़ा-करकट नहीं होना चाहिए। ध्यान का अभ्यास करने वाले की प्रकृति यदि ठीक है, तो शुरू से उसे कभी कोहरा दिखाई देता है, कभी धुआं दिखाई देता है, कभी सूर्य के समान प्रकाश दिखाई देता है, कभी आग जैसा तेज दिखाई देता है, कभी जुगनू की टिमटिमाहट-सी दिखाई देती है। ऐसे दृश्य यह आभास देते हैं कि ध्यान-साधना प्रगति पथ पर है और ध्यान में उन्नति हो रही है।

ध्यान की प्रक्रिया निरंतर चलती रहने से एक स्थिति यह आती है कि ध्यानी को पृथ्वी, जल, तेज, वायु एवं आकाश पर अधिकार प्राप्त हो जाता है। इन महाभूतों से संबंधित पांचों योगविषयक सिद्धियां प्राप्त हो जाती हैं। जब शरीर ध्यानस्थ होता है, तो परमात्मा की कृपा बरसती है। सभी प्रकार के दुखों का अंत हो जाता है। रोगनाश के लिए ध्यान एक अत्यंत प्रभावशाली उपाय है। ध्यान करने वाला आत्मतत्व के द्वारा ब्रह्मतत्व को भली-भांति प्रत्यक्ष कर लेता है और फिर वह सब प्रकार के बंधनों से सदा के लिए छूट जाता है।

ईर्ष्या से ग्रसित इंसान स्वयं को पहुंचाता है नुकसान

इंसान विपरीत भावों के जाल में उलझता हुआ जीता है। उसके कुछ भाव सकारात्मक होते हैं और कुछ नकारात्मक। प्रेम, सद्भाव, सेवा और त्याग की प्रवृत्ति जहां जीवन के उत्थान का कारण बनती है, वहीं दूसरी ओर क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष जैसे भाव मानव को कितना नुकसान पहुंचाते हैं, इसकी अनुभूति उसे खुद भी नहीं हो पाती। इनमें ईर्ष्या एक नकारात्मक भाव है, जिसकी तीव्रता कभी मंद तो कभी तेज प्रतीत होती है। कहीं-कहीं तो अत्यधिक ईर्ष्या से ग्रस्त प्राणी दूसरों को हानि पहुंचाने के साथ स्वयं अपने विनाश की ओर अग्रसर होता जाता है। यदि यह मानें कि चिंता चिता के समान है तो ईर्ष्या उसकी अग्नि है। तभी तो इसे जलन की संज्ञा दी जाती है। स्वभाव में ईर्ष्या का पुट कहीं न कहीं अपने आप में छोटेपन का परिचायक है। मनुष्य प्रत्येक क्षेत्र में सफल नहीं हो सकता, परंतु अविवेकी लोग यह मानने लगते हैं कि मैं सबसे अग्रणी हूं, मुझसे अच्छा या योग्य और कोई नहीं। ऐसी परिस्थिति में जब वे वह नहीं प्राप्त कर पाते जो दूसरे आसानी से भोग रहे होते हैं तो वे ईर्ष्या के भाव से ग्रस्त होने लगते हैं। यह भाव उनकी प्रकृति व संस्कार का हिस्सा बन जाता है। फिर ईर्ष्या जन्म देती है क्रोध और

घृणा को, जो और भी भयंकर परिणाम का कारण बनते हैं।

मनोविज्ञानी भी इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि एक सीमा से आगे पहुंचकर ईर्ष्या मनुष्य को एक प्रकार की रुग्णावस्था में पहुंचा देती है। दुर्भाग्य तो यह है कि उसे इस विषम परिस्थिति का ज्ञान ही नहीं हो पाता कि कब ईर्ष्या की मनोदशा उसे किस दलदल में धंसाने लगती है। ईर्ष्या एक ऐसा छिपा हुआ भाव है जिसे मनुष्य जानते-समझते हुए भी अस्वीकार करता रहता है। वैज्ञानिक विश्लेषण यहां तक सिद्ध करने का दावा करते हैं कि क्रोध और ईर्ष्या की स्थिति में शरीर में नुक्सानदेह हार्मोन का स्रव ज्यादा होता है। ईष्या से ग्रस्ति प्राणी स्वयं अपने को ही पीड़ा देता है। यदि दूसरों से व्यर्थ की होड़ न करके संयम रखते हुए मनुष्य खुद को ऊपर उठाने में प्रयासरत रहे तो कोई कारण नहीं कि ईर्ष्या जैसी अग्नि से बचा न जा सके।

सेहत के लिए हानिकारक हैं ये फूड

आज के समय में ज्यादातर लोग बाहर की चीजें खाना पसंद करते है। ये उनकी सेहत के लिए बिल्कुल अच्छी नहीं होती। लेकिन हम अपनी डेली रूटीन में भी घर पर ऐसी कई चीज़ों का सेवन करते हैं, जो हमारी सेहत के लिए हानिकारक होती है। बावजूद इसके हम अपनी व्यस्त लाइफ के कारण अपने खान-पान पर ध्यान नहीं देते और जाने-अनजाने में घर बैठे कई बीमारियों को बुलावा दे देते हैं। आईए जानते हैं उन हानिकारक चीजों के बारे में

पैक्ड फूड: चॉकलेट, पैक्ड जूस, पॉपकॉर्न इन सभी में आर्टिफिशियल रंग मिला होता है, जो

हमारे शरीर के लिए हानिकारक होता है। इसलिए इनका सेवन करने से बचें।

बासी खाना: बहुत से लोग रात के बचे चावल या बासी खाना अगले दिन खा लेते हैं, जिसे खाने से आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

अचार: अधिक मात्रा में अचार खाने से भी जुकाम, सूजन और गांठ जैसी बीमारी हो सकती है।

अंडा और दूध: किसी भी जानवर से निकलने वाली चीज़े जैसे कि दूध या अंडा बिना उबाले नहीं खाना चाहिए। इससे आप बीमार का शिकार हो सकते हैं।

चाय या कॉफी: अक्सर लोग सुबह उठकर खाली पेट चाय या कॉफी पीते हैं। इससे पेट में एसिडिटी की समस्या होती है।

घरेलू उपाय

हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी फटी एड़ियों की परेशानी

सर्दियों में फटी एड़ियों की परेशानी आम है. लेकिन ये और भी बुरी उस वक्त हो जाती है जब पैरों की रेगुलर केयर ना की जाए. रोज़ाना एड़ियों पर ध्यान ना देने से स्किन दिन ब दिन सख्त होने लग जाती है और ड्राय होकर फटने लगती है. फटने पर इसमें दर्द शुरु हो जाता है. अगर आप इस परेशानी से नहीं जूझना चाहती हैं तो पैरों का भी चेहरे की तरह ध्यान रखें और नीचे दिए गए टिप्स को अपनाएं.

1. सर्दियों में सबसे असरदार है पैट्रोलियम जैली. इसे बस आपको रोज़ाना रात को लगाना है. इसके लिए पैरों को अच्छे से धोने के बाद कॉटन तौलिए से पोंछे. उसके बाद एड़ियों पर वैसलीन लगाएं और मोज़े पहनकर सोएं.

2. सर्दियों में घर में भी मोज़े पहनकर रखें. बेहतर होगा कि आप सुबह नहाने के बाद भी पैरों को पोंछकर मॉइश्चराइज़र लगा लें. पैरों को खुला कम रखें. धूप में पैरों की गरम तेल से अच्छी तरह मालिश करें.

3. पैरों को हफ्ते में एक बार पेडीक्योर करें. इससे आपके पैरों की एक्स्ट्रा स्किन की लेयर हट जाएगी. इसके लिए आधा बाल्टी गरम पानी में थोड़ा नमक और शैम्पू डालें. नमक में ऐसी एक्सफोलिएटिंग प्रॉपर्टीज़ होती हैं, जिससे डेड स्किन जल्दी निकल जाती है. नेलपेंट हटाकर पैरों को पानी में डुबोएं. इससे आपके पैरों से सभी बैक्टिरिया भी निकल जाएंगे. फुट स्क्रबर से पैरों को 15 से 20 मिनट साफ करें. उसके बाद तौलिए से पोंछकर क्रीम लगाकर मोज़े पहन लें.

4. अगर आपकी एड़िया बहुत ही ज़्यादा फटी हो तो रात को सोने से पहले पैरो को साफ करके एड़ियों में गुनगुना मोम लगा लें. इससे आपकी फटी ए?ियां जल्दी ठीक हो जाएंगी.

5. अगर आपको रोज़ाना मोज़े नहीं पहनने हो तो नहाने के बाद एड़ियों को हल्का स्क्रब करें और सरसों या फिर नारियल का तेल ज़रूर लगाएं. ये दोनों ऑयल भी डेड स्किन को खत्म कर त्वचा को जल्दी रिकवर करते हैं.

डायबिटीज मरीज के लिए वरदान है कसूरी मेथी

सर्दियों में कसूरी मेथी का अधिक सेवन किया जाता है, जो हरे पत्तेदार सब्जियों में आती है, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद है। कसूरी मेथी में कैल्शियम, आयरन औऱ विटामिन भरपूर मात्रा में होते है। इसमें पाएं जाने तत्व शरीर में बैक्टीरिया और फंगस इंफैक्शन से लड़ने में मदद करते है। इसके अलावा भी इसके सेवन से कई तरह की परेशानियों दूर होती है। आइए जानते है कैसे।

पेट की प्रॉबल्म : कसूरी मेथी पेट की समस्याओं में काफी फायदेमंद है। इसके सेवन से कब्ज, दस्त, एसिडिटी जैसी प्रॉबल्म दूर रहती है। अगर पेट में किसी प्रकार की एलर्जी भी हो तो इसमें कसूरी मेथी काफी फायदेमंद हो सकती है।

कोलेस्ट्रॉल रखें कंट्रोल : कसूरी मेथी एथेरोस्क्लेरोसिस को कम करने में मदद करती है। लिपिड फ्लकचुएशन से पीड़ित रोगी के लिए कसूरी मेथी काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। यह कोलेस्ट्रॉल के लेवल को ठीक रखती है।

डायबिटीज : कसूरी मेथी एंटी-डाबेटिक एलिमेंट की तरह काम करती है जो टाइप-2 डायबिटीज से ग्रसित मरीज के लिए काफी फायदेमंद है। इसलिए ऐसी स्थिति में कसूरी मेथी का सेवन करें।

त्वचा के लिए लाभकारी : कसूरी मेथी में विटामिन और आयरन भरपूर होता है जो त्वचा को किसी भी तरह की इंफेक्शन से बचाएं रखते है। इसके सेवन से चेहरे पर पिंपल्स और डार्क सर्कल की समस्या नहीं होती।

वैसलीन को इन तरीकों से करें इस्तेमाल

सर्दियों में फटे होंठों को मुलायम और हाथों को कोमल बनाने के लिए हर घर में पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल होता आ रहा है. इसके अलावा, पैरों की फटी एड़ियों को भी फिर पहले जैसी खूबसूरत बनाने के लिए पेट्रोलियम जेली लगाई जाती है. लेकिन सिर्फ हाथ-पैरों को सुंदर बनाने के अलावा पेट्रोलियम जेली को और भी कई तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है. आपको बता दें कि पेट्रोलियम जेली को ज़्यादातर लोग वैसलीन के नाम से जानते हैं. यहां जानिए इसके चौंका देने वाले 7 फायदों के बारे में, जिससे आप सभी अब तक अनजान रहे हैं.

1. अगर आप हर वक्त महकना चाहते हैं और बार-बार परफ्यूम लगाने के झंझट से बचना चाहते हैं तो इसे लगाने से पहले उस जगह पेट्रोलियम जेली लगा लें. जैसे आपको गर्दन और कलाईयों पर परफ्यूम लगाना है तो उस जगह पहले थोड़ी पेट्रोलियम जैली यानी वैसलीन लगा लें और फिर परफ्यूम स्प्रे करें. इससे खुशबू पूरे दिन बनी रहेगी.

2. शूज़ को पॉलिश करने वाली वैक्स खत्म हो जाए और आपको जूते चमकाने हो ! तो ऐसे में थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली अपने जूतों पर लगाएं और साफ कपड़े से इसे रगड़ें. ऐसा करने से आपके जूते शाइन करने लगेंगे. पेट्रोलियम जेली का बेस्ट पार्ट ये है कि इससे आप किसी भी रंग के शूज़ और हील्स को चमका सकते हैं.

3. सर्दियों में सिर्फ आपके या हमारे नहीं बल्कि जानवरों के नाखून भी सूख जाते हैं. अगर आपके घर में पालतू जानवर हों तो आप अपने पेट्स के नाखूनों के आस-पास थोड़ी पेट्रोलियम जेली से मसाज कर सकते हैं. ध्यान रखें जेली कम मात्रा में ही लगाएं ताकि वो इसे चाट ना सकें. इससे उनके नाखून चमक उठेंगे. अगर आपके पालतू जानवर को कोई समस्या पहले से हो तो आप पेट्रोलियम जेली के इस्तेमाल से पहले पशुचिकित्सक से सलाह ज़रूर लें.

4. आप बाहर जाने को तैयार हों और अचानक आपकी चेन खराब हो जाए! ऐसी सिचुएशन में गुस्सा होने के बजाय ज़रा सी पेट्रोलियम जेली चेन पर लगाएं और उसे दो-तीन बार ऊपर-नीचे करें. बस आपकी चेन अब ठीक हो गई है. कुछ लोल मोम का भी इस्तेमाल करते हैं, लेकिन पेट्रोलियम जेली से भी ये काम किया जा सकता है.

5. बालों में जूंओं हो जाना? पेट्रोलियम जेली आपकी इस परेशानी को भी खत्म कर सकता है. इसके लिए जेली को अपनी स्कैल्प पर लगाएं और थोड़ी देर बाद बालों को धो लें. इससे आपके जुएं तो कम हो जाएंगे लेकिन पेट्रोलियम जेली सिर से पूरी तरह निकालने के लिए कई बार धोना पड़ सकता है.

6. आपने नोटिस किया होगा जो लोग बालों को कलर करते हैं उनकी गर्दन और माथा दोनों भी रंग जाते हैं. आपके साथ ऐसा ना हो इसीलिए बालों को कलर करने से पहले माथे और गर्दन सभी जगह अच्छे से पेट्रोलियम जेली लगा लें. इससे आपके बालों का रंग आपकी स्किन पर नहीं आएगा.

7. हर लड़की रोज़ाना बाहर जाने से पहले मेकअप करती है. जितनी मेहनत वो इसे चेहरे पर लगाने में करती है उससे ज़रा सा भी समय अगर वो हटाने में करे तो चेहरे पर दाग-धब्बे, रिंकल्स नहीं हों. इसके लिए कॉटन में थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली लगाकर चेहरा साफ करें. इससे आपका आई मेकअप भी हट जाएगा.

चर्बी कम करती है नींबू की चाय

नींबू की चाय तो सभी हैं लेकिन इसके फायदे कम ही जानते हैं। नींबू की चाय पीने से पेट की चर्बी कम होती है। आयुर्वेद के जानकार मदन जोगी इसके फायदे बता रहे हैं।

यह हैं नींबू की चाय पीने के फायदे

नींबू की चाय पेट पर जमा होने वाली चर्बी को कम करती है। इसके अलावा नींबू में पाया जाना वाला विटामिन सी शरीर से जहरीले पदार्थ को भी बाहर निकालता है।

नींबू की चाय जुखाम में ही राहत पहुंचाती है। दिन में दो तीन बार पीने से यह खराब गले में भी राहत पहुंचाता है। इसके अलावा नींबू की चाय से शरीर का इम्युन सिस्टम भी मजबूत होता है।

नींबू की चाय पीने से दिमाग ताजा रहता है और मानसिक थकावट नहीं होती है। नींबू की चाय पीने से सिरर्दद, कमजोरी और सुस्ती भी दूर होती है।

नींबू की चाय डायबिटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। नींबू की चाय पीने से शरीर में इंसुलिन का स्त्राव बढ़ता है जिससे शुगर नियंत्रित रहता है।

रेसिपी

शकरकंद-आलू के पकौड़े

सामग्री

शकरकंद- 1 कप कसा हुआ, कच्चे आलू- 1 कप छिले और कसे हुए, मूँगफली पाउडर- 2 चम्मच, अरारोट पाउडर- 1 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच, धनिया- बारीक कटा हुआ, हरी मिर्च- 1 बारीक कटी हुई, नमक- स्वादानुसार, तेल- तलने के लिए

विधि

सबसे पहले कसे हुए शकरकंद और आलू को एक बड़े बोल में डाल कर अच्छी तरह मिला लीजिए। अब मूंगफली पाउडर, आरारोट पाउडर, महीन कटी प्याज, हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर और हरी धनिया को इस मिश्रण में डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब कढ़ाई को गैस पर रख कर इसमें तेल डाल कर गरम करें। इस मिश्रण के बराबर आकार के हथेली के बीच में रख कर छोटे छोटे गोले बना लें। गर्म तेल में आहिस्ता से एक बार में चार से पांच गोले डालें। इन्हें हलका सुनहरा होने तक मध्यम आंच पर तल लें ताकि ये अंदर तक सिक जायें और कुरकुरे हो जायें। इसी प्रकार सारे पकौड़े तल लें। गरमा गरम पकोड़ों को हरे धनिए की चटनी या सॉस के साथ सर्व करें।

हरा भरा मेथी पुलाव

सामग्री

1-1/2 कप बासमती चावल, 1 कप हरा मटर, 50 ग्राम पनीर (छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर तल ले), 100 ग्राम मेथी पत्ता (कटा हुआ), 2 टमाटर (कटे हुए), 4-5 लहसुन का पेस्ट, 2-3 हरी मिर्च कटी हुई, 1/4 टी स्पून हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक स्वादानुसार, टे.स्पून तेल/बटर।

विधि

मेथी पत्ते को अच्छी तरह धो ले। पैन में तेल डालकर गरम करे और लहसुन पेस्ट डालकर हल्का भूरा होने तक भूने। उसके बाद कटा टमाटर, मटर, मेथी, हरी मिर्च, नमक, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर पैन में डालकर 8/9 मिनट तकअच्छी तरह भून ले। चावल को भी पैन में डालकर 5 मिनट तक फ्राई करे। उसके बाद पानी डालकर पांच मिनट तक धीमी आंच पर पकाए। तले हुए पनीर को चावल के ऊपर डाल कर रायते के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**